● वर्ष-3
● अंक-261
रायपुर, मंगलवार
11 जून 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› केरल के इस अनोखे में मंदिर में सांपों ...

बलौदाबाजार में भड़का जैतखाम मामला

कलेक्ट्रेट में तोड़फोड़, आगजनी, कई पुलिसकर्मी जख्मी

रायपुर/बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार से एक बड़ी खबर सामने आई है। जैतखाम में तोड़फोड़ को लेकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सतनामी समाज के लोगों ने उग्र प्रदर्शन कर दिया। लगभग आठ से दस हजार के आसपास भीड़ आज दोपहर बलौदाबाजार कलेक्टोरेट घुस आई और परिसर में रखी बाइक, चार पहिया वहनों को तोड़फोड़ करते हुये आग लगा दिये। पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के साथ भी झूमाझटकी की। इस दौरान कई पुलिसकर्मीयों को चोट आने की भी खबर मिल रही है। फिलहाल, पुलिस टीम द्वारा प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का काम जारी है। पुलिस के एक सीनियर अफसर ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने आसपास के जिलों से फ़ोर्स रवाना कर दिया गया है। दरअसल, गिरौदपुरी धाम के पास मानाकोनी में एक पुरानी गुफा है। जिसे अमर दास गुफा के नाम से भी जाना जाता है। यहा पर जैतखाम भी है, जिसे सतनामी समाज के द्वारा पूजा की जाती है। 15-16 मई 2024 की रात में किसी ने जैतखाम को क्षति पहुंचाते हुये तोड़फोड़ की थी। सुबह जब इस घटना की जानकारी समाज के लोगों को हुई तो बड़ी संख्या में लोगों ने वहां पहुंचकर प्रदर्शन किया था। घटना के बाद से अबतक के पुलिस द्वारा मामले में आरोपियों की गिरफतारी नहीं की गई थी। इस घटना से समाज के लोग काफी नाराज थे। आज सोमवार को बलौदा बाजार जिला मुख्यालय में पूरे प्रदेश भर से सतनामी समाज के हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और रैली निकाली। जिसके बाद समाज के 10 हजार से ज्यादा लोग कलेक्टोरेट-एसपी कार्यालय का घेराव किये और परिसर में रखी गाड़ियो में आग लगा दी। उग्र प्रदर्शन में सैकड़ों मोटर साइकिल व चार पहिया वाहन जलकर खाक हो गए। क्षतिग्रस्त गाड़ियों में सबसे ज्यादा सरकारी गाड़िया और कलेक्टर दफ्तर में काम करने वाले कर्मचारियों की है। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी परिसर के एक इमारत को भी आग के हवाले कर दिया। जिसमे कई विभागों की जरूरी दस्तावेज और सरकारी फाइलें जलकर खाक हो गई। पुलिस ने कलेक्टर परिसर के चारों तरफ बैरिकेडिंग लगा दिया है। साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

बलौदाजार में हुई घटना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के मुख्य सचिव और डीपीजी को तलब किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बलौदा बाजार जिले में उत्पन्न हुई अप्रिय स्थिति पर आईजी व कमिश्नर को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव और डीजीपी को तलब कर घटना की प्रारंभिक जानकारी ली एवं घटना की रिपोर्ट भी मंगाई है। सीएम ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं और सभी से शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। इधर, सरकार की तरफ से बताया गया है कि गिरौदपुरी के अमर गुफा मामले में पूर्व में ही न्यायिक जांच हेतु गृहमंत्री विजय शर्मा को निर्देशित किया था, जिसकी घोषणा उनके द्वारा की गई थी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा

नई दिल्ली। मोदी सरकार में सभी मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। भाजपा ने सभी अहम विभाग अपने पास ही रखे हैं। गृह, रक्षा और वित्त समेत कई बड़े मंत्रालय में बदलाव भी नहीं किए गए हैं। 16 सीटों के साथ एनडीए में शामिल टीडीपी के राम मोहन नायडू को नागरिक उड्डयन मंत्रालय दिया गया है।

छत्तीसगढ़ से एकमात्र मंत्री **तोखन साहू** को आवास और शहरी मामले का विभाग दिया गया है।

केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों के नाम और मंत्रालयों की सूची

क्र.	कैबिनेट मंत्री	मंत्रालय
1.	राजनाथ सिंह	रक्षा
2.	अमित शाह	गृह
3.	नितिन गडकरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग
4.	जेपी नड्डा	स्वास्थ्य
5.	शिवराज सिंह चौहान	ग्रामीण विकास मंत्रालय और कृषि एवं किसान कल्याण
6.	निर्मला सीतारमण	वित्त
7.	एस जयशंकर	विदेश
8.	मनोहर लाल खट्टर	ऊर्जा और शहरी विकास
9.	एचडी कुमारस्वामी	स्टील और भारी उद्योग
10.	पीयूष गोयल	कॉमर्स और इंडस्ट्रीज
11.	धर्मेंद्र प्रधान	मानव संसाधन विकास
12.	जीतन राम मांझी	सूक्ष्म लघु एवं मझोले उद्योग
13.	राजीव रंजन सिंह	पंचायती राज, मछलीपालन, पशुपालन और डेयरी
14.	सर्वानंद सोनोवाल	पोत, जहाजरानी और जलमार्ग
15.	डॉ. वीरेंद्र कुमार	सामाजिक न्याय और आधिकारिता
16.	राम मोहन नायडू	नागरिक उड्डयन मंत्रालय
17.	प्रह्लाद जोशी	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जनवितरण
18.	जुएल ओरावं	आदिवासी मामले
19.	गिरिराज सिंह	कपड़ा मंत्रालय
20.	अश्विनी वैष्णव	सूचना और प्रसारण मंत्रालय, रेल
21.	ज्योतिरादित्य सिंधिया	संचार, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास
22.	भूपेंद्र यादव	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
23.	गजेंद्र सिंह शेखावत	पर्यटन
24.	अन्नापूर्णा देवी	महिला एवं बाल कल्याण
25.	किरेन रिजिजू	संसदीय कार्य, अल्पसंख्यक मामले
26.	हरदीप सिंह पुरी	पेट्रोलियम और नेचुरल गैस
27.	मनसुख मांडविया	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, युवा मामले और खेल मंत्रालय
28.	जी.किशन रेड्डी	कोयला और खान मंत्रालय
29.	चिराग पासवान	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
30.	सीआर पाटिल	जल शक्ति

स्वतंत्र प्रभार मंत्रियों के नाम और मंत्रालयों की लिस्ट

क्र.	राज्य मंत्री	मंत्रालय
1.	राव इंद्रजीत सिंह	सांख्यिकी और प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन
2.	जितेंद्र सिंह	विज्ञान और प्रोद्योगिकी, पीएमओ, कार्मिक, जनशिकायत और पेंशन, एटॉमिक एनर्जी, स्पेस
3.	अर्जुन राम मेघवाल	कानून और न्याय, संसदीय कार्य
4.	प्रतापराव गणपतराव जाधव	आयुष, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
5.	जयंत चौधरी	कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

राज्य मंत्रियों के नाम और मंत्रालयों की लिस्ट

क्र.	राज्य मंत्री	मंत्रालय
1.	जितिन प्रसाद	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री
2.	श्रीपद नाइक	ऊर्जा, न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी
3.	पंकज चौधरी	वित्त
4.	किशन पाल गुर्जर	सहकारिता
5.	रामदास अठावले	सामाजिक न्याय औरआधिकारिता
6.	राम नाथ ठाकुर	कृषि और किसान कल्याण
7.	नित्यानंद राय	गृह
8.	अनुप्रिया पटेल	स्वास्थ एवं परिवार कल्याण, केमिकल और फर्टिलाइजर
9.	वी सोमन्ना	जल शक्ति, रेलवे
10.	डॉ. चंद्रशेखर पेम्मसानी	ग्रामीण विकास, संचार
11.	एसपी सिंह बघेल	मछलीपालन, पशुपालन और डेयरी, पंचायती राज
12.	शोभा करलंदाजे	छोटे एवं मझोले उद्योग, श्रम एवं रोजगार
13.	कीर्ति वर्धन सिंह	पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन
14.	बीएल वर्मा	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जनवितरण, सामाजिक न्याय
15.	शांतनु ठाकुर	पोत, जहाजरानी और जलमार्ग
16.	सुरेश गोपी	पेट्रोलियम और नेचुरल गैस, पर्या.
17.	एल मुरुगन	सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य
18.	अजट टम्टा	सड़क परिवार राज्य मंत्री
19.	बंदी संजय कुमार	गृह
20.	कमलेश पासवान	ग्रामीण विकास
21.	भागीरथ चौधरी	कृषि और किसान कल्याण
22.	सतीश चंद्र दुबे	कोयला और खान
23.	संजय सेठ	रक्षा
24.	रवनीत सिंह बिट्टू	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, रेलवे
25.	दुर्गा दास उईके	आदिवासी मामले
26.	रक्षा खड़से	खेल एवं युवा मामले
27.	सुकांता मजूमदार	शिक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास
28.	सावित्री ठाकुर	महिला एवं बाल कल्याण
29.	**तोखन साहू**	**आवास और शहरी मामले**
30.	राजभूषण चौधरी	जल शक्ति
31.	बीएल वर्मा	भारी उद्योग, स्टील
32.	हर्ष मल्होत्रा	कंपनी मामले, सड़क परिवहन और राजमार्ग
33.	एनजे बम्भानिया	उपभोक्ता मामले, खाद्य जनवितरण
34.	मुरलीधर मोहोल	सहकारिता, नागरिक उड्डयन
35.	जॉर्ज कुरियन	अल्पसंख्यक मामले, मछली पालन, पशुपालन और डेयरी
36.	पी. मार्गारिटा	विदेश, कपड़ा

प्रमुख समाचार

मोदी सरकार की पहली कैबिनेट में पीएम आवास पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक हुई। प्रधानमंत्री के आवास पर हो रही इस बैठक में अमित शाह, राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान और एचडी कुमारस्वामी समेत सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मौजूद हैं। मोदी सरकार 3.0 की पहली बैठक के दौरान आवास योजना से जुड़ा बड़ा ऐलान किया गया है। पीएम आवास योजना के तहत तीन करोड़ घरों के निर्माण को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। योजना के तहत बने सभी घरों में एलपीजी और बिजली कनेक्शन होंगे। इन घरों का निर्माण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में होगा। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आज की बैठक में पीएम आवास के तहत घरों के निर्माण के लिए तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इससे पात्र परिवारों की संख्या में वृद्धि से उत्पन्न आवास आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा। भारत सरकार 2015-16 से प्रधान मंत्री आवास योजना लागू कर रही है.

राजनाथ-भूपेंद्र तय करेंगे ओडिशा का मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। ओडिशा में विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए भाजपा ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को अगले मुख्यमंत्री का चुनाव करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोमवार को विधायकों की बैठक होने की संभावना है। संभवत इस बैठक में विधायक दल के नेता का चुनाव कर लिया जाएगा, जो राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेगा। पार्टी ने एक बयान में कहा, उसके संसदीय बोर्ड ने बैठक की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है, इसकी जिम्मेदारी राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को सौंपी गई है। दोनों नेता ओडिशा विधानसभा चुनाव में सक्रिय रूप से शामिल थे। दूसरी तरफ, ओडिशा में पहली बार बन रही भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के शपथग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर है। शपथग्रहण के लिए जनता मैदान को संवारा जा रहा है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित 30,000 लोग शामिल होंगे। शपथग्रहण समारोह 10 जून को होगा।

सुको ने 'आप' को दी राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी को राहत देते हुए राउज एवेन्य स्थित पार्टी कार्यालय को खाली कराने की समय सीमा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब पार्टी को 10 अगस्त तक पार्टी कार्यालय खाली करने का आदेश दिया है। इससे पहले 4 मार्च को सर्वोच्च अदालत ने आम आदमी पार्टी को 15 जून तक कार्यालय खाली करने का निर्देश दिया था। समयसीमा खत्म होने से पहले ही आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर डेडलाइन बढ़ाने की मांग की थी। अब आप की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने आम आदमी पार्टी की तरफ से पेश हुए वकील अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों पर गौर करने के बाद समयसीमा 10 अगस्त तक बढ़ा दी। पीठ ने साफ कर दिया कि यह अंतिम मौका है और आम आदमी पार्टी को 10 अगस्त या उससे पहले 206, राउज एवेन्यू स्थित इमारत से अपना कब्जा छोड़ना होगा। गौरतलब है कि राउज एवेन्यू में जिस जगह आम आदमी पार्टी का कार्यालय है, वह जगह दिल्ली हाईकोर्ट परिसर को आवंटित है और यहां जिला अदालतों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाना प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने आप को लैंड एंड डेवलेपमेंट ऑफिस में संपर्क करके उनके कार्यालय के लिए जमीन आवंटित करने की मांग करने का निर्देश दिया था।

दूसरी बार सिक्किम के मुख्यमंत्री बने प्रेम तमांग, मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यह लगातार दूसरी बार है, जब तमांग सिक्किम के मुख्यमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सिक्किम के पालजोर स्टेडियम में आयोजित कराया गया। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने तमांग को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। तमांग के साथ आठ नव-निर्वाचित विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रेम सिंह तमांग को दोबारा सिक्किम का मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'सिक्किम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर प्रेम सिंह तमांग के सफल कार्यकाल की कामना करता हूं और सिक्किम की प्रगति के लिए उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

'भूलभुलैया' गुफाओं में छिपे हैं 58 पाकी आतंकी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को पाकिस्तानी आतंकियों ने वैष्णो देवी मंदिर जा रही तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कर दिया। फायरिंग के चलते ड्राइवर का बस पर नियंत्रण नहीं रहा। नतीजा, बस गहरी खाई में जा गिरी। दस लोग मारे गए, जबकि 33 से अधिक घायल हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय बलों की खुफिया इकाई से जुड़े विश्वस्त सूत्रों का कहना है, जेएंडके के घने जंगलों में स्थित प्राचीन भूलभुलैया गुफाओं में 58 पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हैं। लगभग 32 स्थानीय आतंकी भी उनके साथ हैं। इसके अलावा करीब दो दर्जन ऐसे लोग हैं, जो दहशतगर्दों के लिए मुखबिरी और सप्लाई चेन का काम करते हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जेकेपी, उन प्राकृतिक गुफाओं तक पहुंच रही है, जहां पाकिस्तानी और लोकल आतंकी छिपे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सीक्रेट प्लान के मुताबिक, आतंकी जिंदा या मुर्दा, लेकिन वे बाहर घसीटे जाएंगे। जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी इलाके में बीहड़ जंगल हैं। इन्हीं जंगलों में अनेक प्राकृतिक गुफाएं मौजूद हैं। गत वर्ष सेना प्रमुख, जनरल मनोज पांडे ने कमांडरों की एक बैठक में यह निर्देश दिया था कि प्राकृतिक गुफाओं में छिपे बैठे आतंकियों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए।

नरेंद्र मोदी सरकार के सामने आएंगी ये पांच समस्याएं

अजय सेतिया

नरेंद्र मोदी को जब सात जून को एनडीए संसदीय दल का नेता चुन लिया गया था, तो उन्होंने कहा था कि इससे पहले भी एनडीए सरकार थी, अब भी एनडीए सरकार बन रही है। पहले भी नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री थे, अब भी वही प्रधानमंत्री बन रहे हैं, फिर हम हारे कैसे और वे जीते कैसे। ऐसा उन्होंने इसलिए कहा था क्योंकि कांग्रेस और इंडी एलायंस के घटक दल अपनी जीत का जश्न मना रहे थे, राहुल गांधी जब कांग्रेस कार्यालय में मीडिया के सामने आए तो मुस्कराते हुए उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आप सोच रहे होंगे कि यह कमाल हमने किया कैसे। खुशी का इससे बढिया इजहार कुछ और नहीं हो सकता था।

राहुल गांधी के लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि पिछ्ला चुनाव हारने के बाद झेंप मिटाने के लिए उन्हें पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। कांग्रेस और इंडी एलायंस के बाकी घटक दलों को इस बात का अफ़सोस नहीं है कि संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण जैसे नेरेटिव गढने के बावजूद वे मोदी को प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक पाए, लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि नरेंद्र मोदी अब बेलगाम प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। पहली बार उन्हें 9 सहयोगी दलों के 5 केबिनेट और 6 राज्यमंत्री बनाने पड़े हैं। तीस सदस्यीय केबिनेट में पहली बार पांच केबिनेट मंत्री एचडी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, ललन सिंह, राम मोहन नायडू और चिराग पासवान गैर भाजपा दलों से हैं, इसके अलावा जयंत चौधरी स्वतंत्र प्रभार के मंत्री बनाए गए हैं। यही अंतर है पहले की एनडीए सरकार में और अब बनी एनडीए सरकार में, जो मोदी को समझ में तो आ रहा है, लेकिन वह भी झेंप मिटाने के लिए बोल नहीं रहे हैं।

चंद्रबाबू नायडू तो खैर 2018 में मोदी का साथ छोड़ गए थे, लेकिन पिछले पांच सालों में एक साल छोड़ कर नीतीश कुमार तो मोदी के साथ एनडीए सरकार में ही थे, उन्हें पूरा अनुभव है किस तरह 17 सांसद जीतने के बाद भी घटक दलों से बात कर रहे अमित शाह ने उन्हें एक केबिनेट और एक राज्यमंत्री पद देने से इनकार कर दिया था। कैसे नरेंद्र मोदी ने बिना उनकी सहमति लिए मनमाने ढंग से जेडीयू अध्यक्ष आरपी सिंह को अपने मन्त्रिमंडल में शामिल कर लिया था। अब मोदी ऐसा नहीं कर सकते, अलबत्ता इस बार तो जेडीयू के 12 सांसद जीते हैं, लेकिन मोदी को एक केबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री बनाना पड़ा। मोदी के घोर विरोधी रहे ललन सिंह को केबिनेट मंत्री और कर्पूरी ठाकुर के बेटे राम नाथ ठाकुर को राज्यमंत्री बनाया गया है। इसी तरह 16 लोकसभा सीटें जीतने वाले तेलुगु देशम के भी दो मंत्री बनाने पड़े, येरानायडू के बेटे राम मोहन नायडू कैबिनेट मंत्री और चन्द्र शेखर पम्मासानी राज्य मंत्री बनाए गए हैं।

नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस की ओर से मनाए जा रहे जीत के जश्न की यह कह कर खिल्ली उडाई थी कि जो पिछले तीन चुनावों में जीते अपने सांसद जोड़ कर भी हमारी इस बार की परफोर्मेंस के बराबर नहीं पहुंचे, वे खुद को जीता हुआ बता रहे हैं। कांग्रेस 2014 में 44, 2019 में 52 और 2024 में 99 सीटें जीती है, जो कुल मिला कर 195 बनती हैं, जबकि भाजपा इस बार भी 240 सीटें जीती है। नतीजों को देखने का अपना अपना नजरिया होता है, 63 सीटें घटने के बाद मोदी को यह कहने का हक है कि फिर भी हम जीते हैं। लेकिन राहुल गांधी को खुशी इस बात की भी है कि दस साल बाद कम से कम कांग्रेस को लोकसभा में मान्यता प्राप्त विपक्ष का दर्जा तो मिलेगा। स्वाभाविक है कि यह खुशी होनी भी चाहिए कि 2014 और 2019 को मिला कर कांग्रेस को उतनी सीटें नहीं मिलीं थीं, जितनी इस बार मिली हैं। इंडी एलायंस के लिए खुशी की बात यह है कि सिर्फ कांग्रेस नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सीटें बढी हैं और उद्धव ठाकरे भी 9 सीटें जीतने में कामयाब रहे।

विपक्ष की खुशी जायज है क्योंकि दस साल बाद पहली बार मोदी अंदरुनी और बाहरी दबावों को झेलते हुए सरकार चलाएंगे। बाहर से विपक्ष इतना मजबूत होगा कि सरकार को संसद में हर बिल पर विरोध का सामना करना पड़ सकता है, और सरकार के भीतर से घटक दलों के इतने दबाव होंगे कि मोदी भाजपा के एजेंडे को लागू नहीं कर पाएंगे। ऐसे पांच मुद्दों की शिनाख्त अभी की जा सकती है, जिन पर सरकार के भीतर मोदी दबावों में होंगे।

सबसे पहला मुद्दा है नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए मुस्लिम कोटा, जिसे धार्मिक आधार पर दिया गया आरक्षण बता कर मोदी ने चुनावों में विरोध किया था, आंध्र प्रदेश में चार प्रतिशत मुस्लिम कोटा लागू है, जिसे चंद्रबाबू नायडू ने ही अपनी पिछली सरकार के समय लागू किया था, और इस चुनाव में उन्होंने वायदा किया है कि मुस्लिम आरक्षण लागू रहेगा। वह ऐसा कोई क़ानून नहीं बनाने देंगे, जिससे मुस्लिम आरक्षण कोटे में कोई बाधा आए। इस मुद्दे पर नीतीश कुमार भी उनके साथ होंगे।

दूसरा मुद्दा है समान नागरिक संहिता। भाजपा के तीन मुख्य मुद्दों में से एक यही मुद्दा बचा था, जिसे मोदी ने अब तक लागू नहीं किया था, यह मुद्दा उन्होंने अपनी तीसरी टर्म के लिए छोड़ रखा था, क्योंकि यह मुद्दा भी मुस्लिमों और ईसाईयों से जुडा है, इसलिए एनडीए सरकार में इसे लागू करना करना असंभव होगा। इसी तरह एनआरसी का भी मुस्लिम समुदाय विरोध कर रहा है, तो चन्द्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार चाहेंगे कि एनआरसी को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाए। चुनावों में अमित शाह ने एक नहीं अनेक बार कहा था कि एनआरसी देश भर में लागू किया जाएगा और जल्द ही लागू किया जाएगा।

पांच साल की बच्ची की भविष्यवाणी हुई सच

तोखन साहू से कहा था कि आप सांसद बनेंगे और मंत्री भी, प्रधानमंत्री का जताया आभार

मुंगेली। एक 5 साल की बच्ची ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर लोकसभा सांसद तोखन साहू के चुनाव में जीत और राज्य केंद्रीय मंत्री के पद पर नियुक्ती की भविष्यवाणी पहले ही कर दी थी। अब उसकी भविष्यवाणी सच साबित होने के बाद बच्ची ने प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया है।

सांसद तोखन साहू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाये जाने के बाद बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र में उत्सव और उत्साह का माहौल है, इस बीच 5 वर्षीय नन्ही बच्ची काव्या की बात जिस किसी को भी याद है उसको लेकर हर कोई हतप्रभ है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान घर के लोग जब तोखन साहू को शुभकामनाएं दे रहे थे, तब अनायास ही 5 वर्षीय काव्या साहू ने उनको सांसद और मंत्री बनने की बात कह दी थी। बता दें, ये बच्ची कोई और नही बल्कि तोखन साहू के छोटे भाई ताकेश्वर साहू की बेटी है।

पांच साल की काव्या ने मीडिया से बातचीत में कहा, कि मेरा सपना साकार हो गया। मैंने अपने बड़े पापा (तोखन साहू) को कहा था, कि आप सांसद बनेंगे और मंत्री बनेंगे और अब वे बन भी गये। मीडिया के माध्यम से नन्ही बच्ची ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा- थैंक्यू मोदी जी!

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के पिता बलदाऊ साहू का कहना है कि जिस दिन तोखन साहू बिलासपुर क्षेत्र के सांसद के रूप में निर्वाचित होकर घर पहुँचे, उस दिन मन से मैंने बड़े पद पर जाने की आशीर्वाद देते हुए कहा था, कि खूब तरक्की करो, आगे बढ़ो, ऐसा लगता है, भगवान ने मेरी सुन ली। आज मुझे गर्व है कि धार्मिक और संस्कार से परिपूर्ण तोखन बेटे का मैं पिता हूँ। तोखन साहू की धर्मपत्नी लीलावती साहू ने कहा कि रविवार को दोपहर में पीएमओ से फोन आने के बाद उन्होंने मुझे फोन कर भावुक होते हुए खुशी के साथ इस बात की जानकारी दी, जिससे पूरे घर मे खुशी का माहौल है। वहीं उनकी बेटी हिमानी साहू ने कहा कि पहले पापा के सांसद बनने और अब केंद्रीय राज्य मंत्री बनने से न सिर्फ घर -परिवार बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर है। वहीं उनके भाई ताकेश्वर साहू ने कहा कि बिलासपुर क्षेत्र की देवतुल्य जनता ने बड़े भैया को आशीर्वाद देकर सांसद बनाया है। उसके बाद भाजपा और मोदी जी ने उन्हें केंद्रीय राज्य बनाकर क्षेत्रवासियों का मान बढ़ाया है। निश्चित तौर पर न सिर्फ बिलासपुर क्षेत्र बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का इससे अपेक्षित विकास संभव होगा। बिलासपुर के नव निर्वाचित सांसद तोखन साहू के केन्द्रीय राज्य मंत्री बनने की खबर के बाद से मुंगेली जिले के डिंडौरी स्थित उनके गृह ग्राम के लोग बाजे-गाजे के साथ उत्साह मनाने लगे। वहीं इससे पहले तोखन साहू के डिंडौरी स्थित निवास में घर परिवार एवं रिश्तेदारों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। बता दें, ग्रामीण परिवेश में पले बढ़े तोखन साहू सांसद बनने से पहले विधायक रह चुके हैं, इसके बावजूद उन्होंने गांव को नही छोड़ा, आज भी उनका पूरा परिवार डिंडौरी गांव में निवास करते हैं। गांव में उन्होंने पंच से राजनीति की शुरुआत की और केंद्रीय राज्य मंत्री बन गये है।

बिलासपुर एमएफसी विवाद, रेलवे ने इरकॉन को दिया 8 करोड़ का नोटिस

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन स्थित मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स (एमएफसी) का टेंडर पिछले वर्ष (2023) जनवरी में टर्मिनेट कर दिया गया है। लेकिन टर्मिनेशन के बाद इसे खाली नहीं किया गया और मामले कोर्ट में चला गया। अब इस मामले में रेलवे को हुई हानि के कारण बिलासपुर रेल मंडल के अधिकारियों ने करीब 8 करोड़ (सूत्रो के मुताबिक। ये राशि और अधिक हो सकती है) रूपए का नोटिस इरकॉन को थमाया है।

मीडिया ने इस मामले में पूर्व में भी खबर प्रकाशित की थी। जिसमें बताया गया था कि उक्त बिल्डिंग को खाली कराने में इरकॉन और रेलवे के अधिकारी आमने सामने है। दोनो के बीच कौन इसे खाली कराएगा ये जिम्मेदारी तय नहीं हुई है। यही कारण है कि इसका फायदा एमएफसी लेने वाली सीजी इंजीनियरिंग कंपनी को मिल रहा है।

जानकारी के मातबिक रेलवे सूत्रों के मुताबिक सीजी इंजीनियरिंग कंपनी ने दिसंबर 2019 से अब तक रेलवे को 1 रूपए का भी शुल्क अदा नहीं किया है। जबकि टेंडर शर्तों के मुताबिक कंपनी को करीब 3 लाख रूपए प्रति महीने देना था। जो टेंडर शर्तों के मुताबिक बाद में और बढ़ गया है।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक रेलवे द्वारा इरकॉन को दिए गए नोटिस में कहा गया है कि इरकॉन आईएसएल एमएफसी बिलासपुर के प्रबंधन और उसके व्यावसायिक उपयोग के लिए जिम्मेदार है। इरकॉन आईएसएल ने एमएफसी के संचालन और प्रबंधन का काम सीजी इंजीनियरिंग कंपनी को 15 साल की लीज पर आवंटित किया था। इस अनुबंध के आधार पर एमएफसी बिलासपुर का कब्जा सीजी इंजीनियरिंग कंपनी को दे दिया गया और इसके साथ ही एमएफसी भवन के व्यावसायिक उपयोग का अधिकार भी सीजी इंजीनियरिंग कंपनी को दे दिया गया।

लाइसेंस शुल्क का भुगतान न करने के कारण इरकॉन आईएसएल ने 5 जनवरी 2023 को सीजी इंजीनियरिंग कंपनी के साथ अपना उप-पट्टा समझौता समाप्त कर दिया और एमएफसी बिलासपुर का कब्जा रद्द कर दिया और इस इमारत को खाली करने के लिए राज्य अधिकारी को एक आवेदन प्रस्तुत किया।

भारतीय रेलवे अधिनियम की धारा 144 के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को रेलवे परिसर में कोई भी व्यवसाय करने के लिए रेलवे से लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। वर्तमान मामले में, उप-पट्टा समझौते की समाप्ति के बाद सीजी इंजीनियरिंग कंपनी को इरकॉन या रेलवे द्वारा कोई लाइसेंस या अनुमति प्रदान नहीं की गई थी, लेकिन सीजी इंजीनियरिंग कंपनी ने एमएफसी भवन के माध्यम से अनधिकृत व्यवसाय जारी रखा। इस व्यावसायिक गतिविधि को रोकने की पूरी जिम्मेदारी इरकॉन आईएसएल की ही थी।

सब लीज अनुबंध समाप्त होने के बाद इरकॉन आईएसएल के एमएफसी भवन के व्यावसायिक उपयोग को रोकने का कोई प्रयास नहीं किये जाने से मंडल रेल प्रशासन बिलासपुर को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है, (करीब 8 करोड़, ये राशि और अधिक भी हो सकती है) अतः 15 दिवस के अन्दर उक्त धनराशि का भुगतान सुनिश्चित करायें। अन्यथा, एमएफसी भवन को जब्त कर लिया जाएगा और नुकसान की राशि इस भवन के वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर समायोजित की जाएगी।

खतरनाक अपराधियों के संपर्क में आरक्षक

कॉल-मैसेज से देता था सूचना, पुलिस का खुलासा, अब हुआ बर्खास्त

बिलासपुर। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरक्षक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। कुछ दिनों पहले हिर्री थाना क्षेत्रान्तर्गत बाईपास स्थित ग्राम बेलमुंडी में खूंखार अपराधियों द्वारा पिस्टल,देशी कट्टा और धारदार चापड़ से लैस होकर किसी घटना को अंजाम देने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिसमें 10 अपराधियों को पकड़ा था। जिसमें एक आरक्षक लगातार अपराधियों के फोन और मैसेज कर संपर्क में था। इसपर उसे बर्खास्त कर दिया गया।

दरअसल, हिर्री पुलिस को 12 मई को मुखबिर से सूचना मिली कि बिलासपुर रतनपुर बाईपास हाईवे के ग्राम बेलमुंडी में एक यार्ड नुमा जगह में करीब 8 से 10 शातिर खतरनाक अपराधी अपने पास देसी बंदूक और धारदार हथियार रखे हुए हैं। इसकी सूचना पर पुलिस ने अलग-अलग चार टीम बनाई और चारों टीम को शनिवार की रात 9:15 में यार्ड के चारों तरफ घेर लिया।

इस दौरान पुलिस को देखकर यार्ड में छुपे अपराधी लोडेड पिस्तौल देसी कट्टा और धारदार हथियार लहराते हुए पुलिस को गोली मारने की धमकी देने लगे थे। लेकिन, पुलिस ने घेराबंदी कर सभी 10 आरोपियों को पकड़ लिया।

अपराधियों से एक देसी ऑटोमेटिक पिस्टल, दो देसी कट्टा, एक दर्जन से ज्यादा जिंदा कारतूस और कई धार हथियार सहित 21 किलो गांजा, दो कार और दो ट्रक बरामद हुए। इसी बीच पता चला कि सिरगिट्टी थाना में पदस्थ आरक्षक बबलू बंजारे आरोपीयो के मोबाइल पर लगातार संपर्क में था। आरक्षक अपने विभाग के हर गतिविधियों की जानकारी इन अपराधियों को देता था। पुलिस अधीक्षक ने जांच उपरांत तत्काल उसे निलंबित कर दिया था। वहीं मामले की विस्तार पूर्वक जांच शुरू की गई। इस दौरान आरोपियों के मोबाइल की डिटेल निकाली गई। जिसमें आरक्षक बबलू बंजारे लगातार उनके संपर्क में रहने की बात सामने आई। फिलहाल, आरक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है।

पति-पत्नी पर दंतैल हाथी ने किया हमला

महिला की मौके पर मौत, घटना से हड़कंप

कोरबा। कोरबा जिले में हाथी का रौद्र रूप देखने को लगातार मिल रहा है, एक बार फिर से हाथी के हमले से एक कि घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई वहीं दूसरा बाल-बाल बच गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। वन विभाग मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए दंतैल हाथी का रेस्कयू शुरू किया और काफी मशकत के बाद उसे जंगल की ओर खदेड़ा जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

कोरबा वन मंडल के श्याँग क्षेत्र की घटना है जहाँ पति पत्नी के ऊपर हमला कर दिया। पति ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई वहीं पत्नी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बासीन की रहने वाली मृतिका यादो बाई कंवर 50 वर्ष और पति वृक्ष राम कंवर 55 वर्षीय दोनों बासिन से धान बीज लेने गिरारी जा रहे थे इस दौरान ऐलोंग से कलमी टिकरा के पास दंतैल हाथी का सामना हो गया कुछ दोनों समझ पाते उससे पहले ही हाथी ने हमला करना शुरू किया जैसे ही हाथी ने यादों बाई के ऊपर हमला किया महिला नीचे गिर पड़ी और उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई किसी तरह वृक्ष राम कंवर जान बचा कर घर भागा और घटनाक्रम की जानकारी देते ही गांव वाले सर्तक हो गए।

स्थानीय लोगों की माने तो हाथी के पहुंचने से बेखबर थे वन कर्मी बताए जाने पर वो पहुचे है जब कि हाथी इलाके में काफी समय से विचरण कर रहे हैं।ऐसे में वन विभाग को चाहिए कि वो सतत निगरानी रखे और आसपास गांव में मुनादी कराये नही तो कभी भी बड़ी घटना घट सकती है।

बारिश का मौसम शुरू होने से पहले नगर निगम ने कसी कमर

- नाला सफाई व्यवस्था का महापौर एवं आयुक्त ने लिया जायजा

दुर्ग। मानसून को देखते हुए सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। जेसीबी से नालों की सफाई करते हुए कचरा निकालने का कार्य किया जा रहा है,जिससे बरसात के दिनों में नालियों के ओवर फ्लों अथवा जाम आदि की समस्या न रहे। महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, वार्ड पार्षद दीपक साहू, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी हमीद खोखर, पार्षद प्रकाश जोशी, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, रामलाल भट्ट, परम, धनंजय, शिवाकांत तिवारी के साथ आज प्रातः शहर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 43 मुक्त नगर में चल रहे नाला सफाई कार्य का निरीक्षण करने पहुँचे और उन्होंने आने वाले बरसात के मौसम के मद्देनजर इस कार्य को मिशन मोड़ पर करने के निर्देश।

निरीक्षण के दौरान महापौर बाकलीवाल ने बताया कि सभी बड़े और छोटे नालों की सफाई की जा रही है, जिससे पानी के साथ बहकर कचरा फैलने की स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

मौसम विभाग के मुताबिक अब की सीजन में अच्छी बारिश की संभावना है और मानसून भी तय सीमा पर आएगा। उन्होंने साफ कहा कि बारिश के पहले गैंग बनाकर शहर के शेष बचे नाला व नालियों की सफाई का कार्य करवाये। उन्होंने ये भी कहा कि जिस नाला का रोजाना होने वाले साफ कार्यो को अपडेट रखा जाये ताकि निरीक्षण में स्पष्टता रहे।

इसके बाद महापौर वार्ड 46 पद्मनाभपुर पहुँचे जहाँ उन्होंने नाली का सफाई कार्य अच्छे से कराये जाने के निर्देश दिये क्योंकि इन क्षेत्र में पानी भराव की स्थिति निर्मित होती है, जिससे निजात मिल सके।महापौर ने कहा कि सभी स्वच्छता निरीक्षक सफाई दरोगा व वार्ड सुपर वाइजर अपने अपने वार्डो में प्रतिदिन निर्धारित समय तक सफाई कार्य कराना सुनिश्चित करे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता 9 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 9 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डीआरजी, कोबरा 205, सीआरपीएफ 196 बटालियन की संयुक्त टीम ने की है। जानकारी के अनुसार, बीजापुर में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत क्षेत्र में सघन सर्चिंग किया जा रहा है। इस दौरान उसूर, नैमेड थाना क्षेत्रान्तर्गत कडेर और आवापल्ली के जंगलों में डीआरजी, कोबरा 205, सीआरपीएफ 196 बटालियन की संयुक्त टीम ने 09 माओवादियों मिलिशिया को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए माओवादी लंबे समय से माओवादी संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत थे। पकड़े गए 09 माओवादी क्षेत्र में मार्ग अवरुद्ध करने, ढ्ढश्वष्ठ प्लांट करने, शासन विरोधी पम्पलेट, बैनर लगाने, हत्या, आगजनी जैसे घटना में शामिल है। सभी के विरुद्ध थाना उसूर और नैमेड में वैधानिक कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव को लेकर बड़ी लापरवाही

अंबिकापुर। अंबिकापुर विकासखंड क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवानगर में हाल ही में एक गंभीर मामला सामने आया। यहां एक महिला का जमीन पर ही प्रसव किया गया, जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से जांच के आदेश दिए। इस पर कार्रवाई करते हुए रविवार को जिला स्तरीय जांच टीम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मितानिन समन्वयक की मौजूदगी में जांच की गई। जांच के दौरान बीएमओ, संस्था प्रभारी, बीपीएम, स्टॉफ नर्स, एएनएम एवं स्थानीय मितानिन उपस्थित रहे। सीएमएचओ गुप्ता ने बताया कि जांच के तहत सभी के समक्ष उक्त प्रकरण के बारे में बयान लिया गया, तथा जच्चा-बच्चा प्रसूता महिला एवं नवजात बच्चों को देखा गया। प्रसव को लेकर प्रोटोकॉल का पालन नही करने वाले खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ पीएन राजवाड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। रात्रिकालिन स्टॉफ द्वितीय एएनएम मीना चौहान को तत्काल प्रभाव से हटाकर आयुष्मान मंदिर रेवापुर में कार्यादेशित किया गया।

प्लाईवुड कारखाना प्रभावितों की नहीं हुई सैलरी सेटलमेंट

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर से लगे आड़ावाल में 1978 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने बस्तरवुड प्रोडक्ट्स कारखाना खुला था।लेकिन अचानक ही 16 साल बाद 1994 में इस कारखाने में ताला लगा दिया गया। इस कारखाना के अचानक बंद हो जाने पर सैंकड़ों लोगों की रोजी रोटी छिन गई। आज तीस साल बाद भी इस कारखाने से निकाले गए प्रभावितों को न्याय नहीं मिल सका है। आपको बता दें कि बस्तर के स्थानीय लोगों को रोजगार देने की सोच से इस प्लाईवुड कारखाने की शुरुआत हुई थी। जिसमें वन विकास निगम की 26 प्रतिशत, वेस्टर्न इंडिया प्लाइवुड कंपनी बलियापटनम की 25 प्रतिशत भागीदारी थी। वहीं 49 प्रतिशत पब्लिक शेयर थे। 110 एकड़ की भूमि का आबंटन आड़ावाल में हुआ था। प्रथम चरण में प्लाइवुड निर्माण सहित 12 सहायक उद्योग की शुरूआत होनी थी। 15 साल कारखाना चलने के बाद कंपनी ने बिना बताए काम बंद कर दिया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों को वेतन भी नही दिया गया।

दक्षिण एशिया बॉडी बिल्डिंग में अशोक ने जीता गोल्ड

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। चिरमिरी हल्दीबाड़ी के अशोक बेहरा ने मालदीव में आयोजित 14वें दक्षिण एशिया बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। अशोक ने 68 किलोग्राम कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीत कर देश के साथ ही प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। अशोक इससे पहले प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बॉडी बिल्डिंग और पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में विजेता रह चुके हैं। वहीं, मिस्टर साउथ एशिया का खिताब जीत कर अशोक ने देश विदेश के बॉडी बिल्डर्स को पीछे छोड़ दिया है। दरअसल, हल्दीबाड़ी के हीरागिरि दफाई के 29 वर्षीय अशोक इससे पहले 6-7 अप्रैल को गोवा में हुए ऑल इंडिया नेशनल फेडरेशन कप में गोल्ड मेडल और 16-17 मार्च को लुधियाना में हुए सीनियर नेशनल में विजेता रहे हैं। अशोक ने बताया कि, नवंबर में मैं वर्ल्ड चैंपियनशिप में था। बॉडी बिल्डिंग के लिए रोजाना 8 घंटे जिम में वर्क आउट करता हूं। चैंपियनशिप के लिए 6 महीने से तैयारी कर रहा था। दोस्तों के बीच आइडल बन चुके अशोक भिलाई के जिम में ट्रेनर भी रह चुके हैं।

शराब की दुकान पर सुरक्षा गार्ड पर जानलेवा हमला

कबीरधाम। रविवार रात करीब 11 बजे कवर्धा के बायपास रोड स्थित सरकारी शराब दुकान के सुरक्षा गार्ड का अज्ञात लोगों ने गला रेत दिया।

गार्ड को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायल गार्ड का नाम रुस्तम कुमार है, जो नाइट ड्यूटी पर तैनात था। बताया जा रहा है कि यह गार्ड दुकान पर ही था। इसी दौरान उसके ऊपर हमला हुआ है। इस वारदात की पुष्टि कबीरधाम एसपी डाक्टर अभिषेक पल्लव ने किया है। उन्होंने बताया कि मामले में सिटी कोतवाली थाना में धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया है। घायल गार्ड को सामान्य चोट आई है। जिला अस्पताल में उपचार किया गया। गार्ड भी शराब के नशे में था। उसकी स्थिति सामान्य होने के बाद पूछताछ की जाएगी। घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खांगले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी हो जायेगी।

महतारी वंदन योजना की सूची से 700 महिलाएं बाहर

राजनांदगांव। विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महतारी वंदन योजना की सूची से राजनांदगांव जिले से तीन माह में लगभग 700 महिलाएं बाहर हो गई हैं। फरवरी में आवेदन करने वाली महिलाओं की संख्या दो लाख 59 हजार 192 थी, जांच में कुछ महिलाएं अपात्र पाई गई थीं। जून में जिन महिलाओं के बैंक खाते में एक हजार रुपये की किस्त आई है उनकी संख्या दो लाख 58 हजार 474 ही है। महतारी वंदन योजना से बाहर होनी वाली महिलाओं में अधिकांश को मापदंडों से बाहर बता दिया गया। दस्तावेजी कमियां व त्रुटियों के चलते भी कई महिलाएं एक-दो किस्त पाने के बाद अपात्रों की सूची में चली गईं। शासन स्तर पर कराई जा रही जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि ऐसा क्यों हो रहा है।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा सरकार ने फरवरी मध्य से आवेदन की प्रक्रिया शुरू कराई थी, जो माहांत तक चली। मार्च के दूसरे सप्ताह में महिलाओं के बैंक खातों में एक हजार रुपये की पहली किस्त आई। उसके बाद अप्रैल में कई महिलाओं के खातों में राशि ही नहीं आई। यही स्थिति मई और जून में भी रही। हर माह लाभार्थी महिलाओं की संख्या कम होती जा रही है। हालांकि सूची से बाहर हो रहीं महिलाओं में कुछ के एक से अधिक आवेदन की बात कही जा रही है, लेकिन भुगतान तो आधार लिंक वाले बैंक खातों में ही किया जा रहा है। ऐसे में इस तरह की गड़बड़ी संभव नहीं मानी जा रही। निधन के कारण कुछ महिलाओं के नाम अवश्य कटे हो सकते हैं, लेकिन हर माह औसतन 233 महिलाओं का नाम सूची से गायब होना किसी के समझ में नहीं आ रहा।

मनेन्द्रगढ़ के हास्य योग शिविर में छूटे हंसी के पटाखे

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। कहते हैं कि हंसने से हर रोग खत्म हो जाता है और मनुष्य निरोग हो जाता है। यही कारण है कि इन दिनों हास्य योग का काफी चलन बढ़ा है। इस बीच मनेन्द्रगढ़ में सोमवार को दो दिवसिय हास्य योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भारी तादाद में लोगों ने हिस्सा लिया। इस योग शिविर का लक्ष्य लोगों को निरोग करना है। दरअसल, मनेन्द्रगढ़ के श्रीराम मंदिर प्रांगण में दो दिवसीय हास्य योग शिविर का आयोजन किया गया है। यहां दिल्ली से आए अंतरराष्ट्रीय हास्य योग गुरु जितेन कोही लोगों को हास्य योग करवा रहे हैं। आयोजन के पहले दिन शिविर में आये लोगों जितेन कोही ने हास्य योग करवाया। इस शिविर में आयोजन के पहले दिन नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हास्य योग गुरु जितेन कोही ने कहा भविष्य का योग हास्य योग है, इसलिए बीमारियों से बचने के लिए हंसना बहुत जरूरी है। साथ जी जीवन में तनाव को दूर करने में भी हास्य योग काफी फायदेमंद है।

बालोद में चला बुलडोजर, अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन की कार्रवाई, मामले की जांच शुरू

बालोद। बालोद जिले में चल रहे अवैध प्लॉटिंग को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां पर गुरुर नगर में अवैध प्लॉटिंग क्षेत्र पर एसडीएम पूजा बंसल के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा बुलडोजर कार्रवाई की गई है।

आपको बता दें कथित जमीन दलाल केशव देवांगन द्वारा अपने पत्नी रूपाली देवांगन के नाम पर जमीन खरीदकर अवैध प्लॉटिंग के कार्य को अंजाम दिया जा रहा था। साथ ही उसी जगह पर प्रतिबंधित वृक्षों की कटाई भी की गई थी।

पूरा मामला खसरा नंबर 91/5 का है। जहां 0.24 हेक्टेयर में प्रशासन ने कार्रवाई की है। आपको बता दें की कथित जमीन कारोबारी द्वारा अपने परिजनों के नाम पर जमीन खरीदकर ऐसे अवैध प्लॉटिंग के कामों को अंजाम दिया जाता था।

जिस पर पहली दफा कार्रवाई हुई है। आपको बता दें इनके साथ शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े एक व्यक्ति का नाम सामने आ रहा है। जिस पर विभागीय जांच बैठ सकती है। वहीं एग्रीमेंट के खेल में जमीन दलाल के ऊपर एक और शिकायती प्रकरण दर्ज किया जा सकता है। फिलहाल, प्रशासन अब केशव देवांगन और उनके सहयोगियों द्वारा किए जा रहे कार्यों के साथ-साथ पूर्व में किए गए अवैध प्लॉटिंग के मामले की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले नोटिस जारी किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ जूनियर पावर लिफ्टर्स से मुख्यमंत्री की मुलाकात

रायपुर। नई दिल्ली के छत्तीसगढ़ सदन में आज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नेशनल जूनियर और सब जूनियर प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के 32 पावर लिफ्टर खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों ने अपने अनुभव साझा किए और राज्य सरकार से मिल रहे समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

रायपुर के प्रोफेसर की टीम ने किया शोध अब यूरिन से हो सकेगी शुगर की जांच

रायपुर। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

रायपुर के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट में एक महत्वपूर्ण खोज की गई, जिससे एक क्रांतिकारी टेस्ट स्ट्रिप विकसित की हुई है। जो मानव शरीर में यूरिन के माध्यम से शुगर लेवल की जांच कर सकती है। यह नवाचार ग्लूकोज मॉनिटरिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो रक्त परीक्षण से डरते हैं। इसकी खोज एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर कफील अहमद सिद्दिकी और उनके पीएचडी छात्र विभव शुक्ला ने की है। पारंपरिक रूप से ग्लूकोज स्तर को डायबिटीज जैसी बीमारी की जांच के लिए ब्लड सैंपल लेकर मापा जाता है। हालांकि, उच्च रक्त ग्लूकोज स्तर ग्लाइकोसुरिया का कारण बन सकता है, जहां ग्लूकोज यूरिन में चला जाता है। सामान्यत:, यूरिन में ग्लूकोज स्तर नगण्य या अनुपस्थित होते हैं, लेकिन जब यह मौजूद होता है, तो यह अक्सर डायबिटीज या अन्य मेटाबोलिक समस्याओं को दर्शाता है। उच्च शुगर स्तर या हाइपरग्लाइसीमिया, अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो, गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का सामान करना पड़ सकता है, जिससे किडनी, नसें, दिल और रक्त वाहिकाओं सहित अंग प्रभावित हो सकते हैं।

नागपंचमी पर नहीं अब देवउठनी एकादशी पर मिलेगा स्थानीय अवकाश

रायपुर। राज्य शासन ने नागपंचमी के स्थान पर पूर्व घोषित स्थानीय अवकाश को रद्द करते हुए देवउठनी एकादशी 12 नवंबर को अवकाश घोषित किया है। वैसे पूर्व के वर्षों में भी नागपंचमी पर अवकाश नहीं दिया जाता रहा है। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग दो, अनुक्रमांक 4 के नियम -7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत नवा रायपुर अटल नगर एवं रायपुर शहर में स्थित समस्त सरकारी कार्यालयों/संस्थाओं हेतु कैलेण्डर वर्ष-2024 के लिए पूर्व में जारी समसंख्यक आदेश दिनांक 24 जनवरी, 2024 के सरल क्रमांक-1 में नागपंचमी के अवसर पर 09 अगस्त 2024 को घोषित स्थानीय अवकाश को परिवर्तित करते हुए देवउठनी एकादशी (तुलसी पूजा) 12 नवंबर, 2024 मंगलवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है। उपरोक्त स्थानीय अवकाश बैंक/कोषालय/उप कोषालय के लिए लागू नहीं होगा।

शहर के प्राचीन रथ का हो रहा कायाकल्प

रायपुर। राजेश्री महंत रामसुंदर दास जी की पहल पर रायपुर शहर के सबसे पुराने रथ को अब नहीं दिशा दी जा रही है। पं विजय कुमार झा ने बताया है कि भगवान जगन्नाथ इस रथ को पहले भक्त गणों द्वारा धक्का देने व अनियंत्रित होने से छोटी-मोटी घटना दुर्घटना हो जाती थी। अब अत्याधुनिक युग में नवीन तकनीकी स्वरूप देकर नई साज-सजा के साथ ऐतिहासिक रथ में भगवान जगन्नाथ,भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा विराजमान होकर नगर भ्रमण कर लाखे नगर स्थित नेशनल टाइल्स में अपने मौसी गुण्डच्चा के घर भगवान विश्राम करेंगे। आगामी 7 जुलाई रथ दूज रथयात्रा के बाद देवशयनी एकादशी को भगवान रथ में सवार होकर वापस जगन्नाथ मंदिर में विराजमान होंगे। उसी दिन से शुभ कार्य 4 माह के लिए बंद होकर देवउठानी एकादशी से प्रारंभ होंगे।

जग्गी हत्याकांड का एक आरोपी मेकाहारा के आईसीयू में शिफ्ट

रायपुर। रामअवतार जग्गी हत्याकांड के

आरोपी ने पिछले माह आत्मसमर्पण करने वाले एक आरोपी को चार दिन पहले स्वास्थ्य गत कारणों से मेकाहारा में भर्ती किया गया था जहां उसे सामान्य वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा था, लेकिन रविवार की देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगडऩे पर उसे सोमवार की अलसुबह आईसीयू में शिफ्ट किया गया। डाक्टर उसके स्वास्थ्य को स्थिर बता रहे हैं, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किन कारणों से आईसीयू में शिफ्ट किया।

कांग्रेस ने की दो केंद्रीय मंत्री बनाने की मांग

कांग्रेस पहले अपने गिरेबान में झांके, ताम्रध्वज को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया : मोतीलाल

रायपुर। रविवार को मोदी कैबिनेट का ऐलान हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ से सांसद तोखन साहू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है। राज्य में बीजेपी ने लगातार दो बार 11 में से 10 सीटें जीती हैं। ऐसे में राज्य से सिर्फ एक मंत्री बनाए जाने पर कांग्रेस ने मांग की है कि राज्य से दो केंद्रीय मंत्री बनाए जाएं। जिस पर विधायक मोतीलाल साहू ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। ताम्रध्वज साहू को मुख्यमंत्री बनाया जाने वाला था, लेकिन कांग्रेस ने एक भी वादा पूरा नहीं किया।

सांसद तोखन साहू को मोदी मंत्रिमंडल में जगह मिलने पर विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि मंत्रिमंडल गठन में छत्तीसगढ़ को मौका मिला है। परिवार का कोई सदस्य आगे बढ़ता है तो खुशी होती है। विधायकों की समीक्षा बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि अभी शपथ हुआ है, अब आगामी समय पर चर्चा करेंगे कि जो 11 में से 10 सीट जीते एक में हार हुई है। उसको लेकर मंथन प्रयास होगा कि अगली बार उस कमी को दूर कर लेंगे।

ग्रामीण विधान सभा के कई क्षेत्रों में पानी की समस्या को लेकर कहा कि शहर में अमृत मिशन चल रहा है। गांव में नल जल योजना चल रहा है। प्रधानमंत्री जल पहुंचाने नल लगा रहे हैं। 5 सालों में इन योजनाओं को कांग्रेस ने बंटाधार कर दिया। 5

साल में कार्य को प्रगति देते तो यह समस्याएं जो हैं पेयजल को लेकर कहीं ना कहीं कांग्रेस अकर्मण्यता रहा। इस वजह से समस्या गंभीर बना हुआ है। अब चुनाव और आचार संहिता खत्म हो गया है। जनहित के लिए ध्यान दिया जाएगा। बहुत जल्द समस्या सुलझा लिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर कहा कि पर्यावरण प्रदूषण बड़ा चिंता का विषय है। चाहे जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण हम इसे लेकर लगातार चर्चाएं कर रहे है। औद्योगिक कारोबारियों से चर्चा करेंगे पर्यावरण को लेकर हम काम कर रहे हैं।

अपने भविष्य के बारे में सोचें बृजमोहन : शिव डहरिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ से तोखन साहू को केंद्रीय राज्य मंत्री का दर्जा मिलने के बाद सियासत तेज हो गई है। इस मामले में पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा, छत्तीसगढ़ से कम से कम दो से तीन मंत्री बनाना चाहिए था। बहुत से लोग इंतजार में थे। केंद्रीय मंत्री नहीं बनाने पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के भविष्य पर डहरिया ने कहा, अपनी भूमिका के बारे में बृजमोहन अग्रवाल को सोचना चाहिए। भाजपा ने अब उनसे कन्नी काटना शुरू कर दिया है। यह बृजमोहन अग्रवाल को समझ आ गया है। उनका भविष्य भाजपा तय करेगी, कांग्रेस में होते तो हम तय करते। विधायक मोतीलाल साहू के साहू समाज का सम्मान नहीं किए जाने वाले बयान पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा, कांग्रेस सभी समाज को लेकर चलती है। समाज से जुड़े व्यक्तियों का पूरा सम्मान करती है। साहू समाज के व्यक्ति को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। कांग्रेस में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में साहू समाज को भी पर्याप्त महत्व दिया गया था। सभी जगहों में प्रतिनिधित्व करने का मौका कांग्रेस देती है। जातिगत समीकरण को लेकर भाजपा काम कर रही, इस मामले में डहरिया ने कहा, सोशल इंजीनियरिंग का काम भाजपा कर रही है। भाजपा ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को दरकिनार किया है। आरक्षण खत्म करने की राजनीति भाजपा कर रही है।

अभिलेखागार की प्रदर्शनी ज्ञान और सूचना की सच्ची निधि : अमिताभ

रायपुर। संस्कृति विभाग अंतर्गत संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार सप्ताह के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का रविवार को समापन हुआ। 3 से 9 जून तक चले इस प्रदर्शनी का बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने लाभ उठाया।

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और संचालक श्री विवेक आचार्य को सुझाव दिया की इन ऐतिहासिक महत्व के अभिलेखों को डिजिटल माध्यम से पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा - यह प्रदर्शनी ज्ञान और सूचना की सच्ची निधि है। डॉ. सुप्रियो दास कोलकाता ने लिखा कि यह शानदार संग्रह है जो शोध के दृष्टि से बहुत उपयोगी है।

उल्लेखनीय है कि इस सात दिवसीय कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान का भी आयोजन किया गया था। ओडिशा हाईकोर्ट में सेंटर फॉर ज्यूडिशियल आर्काइव के निदेशक ललाटेंदु दास महापात्र मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए। संचालक श्री विवेक आचार्य के मार्गदर्शन में इस प्रदर्शनी के संयोजन में प्रभारी अधिकारी डॉ. पी.सी. पारख उप संचालक, प्रभात कुमार सिंह पुरातत्ववेत्ता, श्रीमती नीलिमा शर्मा, डॉ. राजीव मिंज, तापस बसाक, प्रवीन तिर्की, विष्णु प्रसाद नेताम, पल्लवी अग्रवाल और शुभम दुबे की महती भूमिका रही।

मंत्रिमंडल में बदलाव को लेकर बोले मुख्यमंत्री इंतजार करिए जल्द ही फैसला लिया जाएगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मंत्रिमंडल में क्या बदलाव होगा? खाली हुए मंत्री पद कब तक भरे जायेंगे? यह सवाल सियासी गलियारों में उठना शुरु हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सधे हुए अंदाज में इसका जवाब देते हुए कहा कि इंतजार करिए जल्द ही फैसला लिया जाएगा।

दिल्ली दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर में पत्रकारों से बातें करते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ को मिले प्रतिनिधित्व पर संतोष जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण में शामिल होने का उन्हें मौका मिला। ये काफी गौरवशाली क्षण था। सौभाग्य है कि केंद्रीय मंत्री परिषद में बिलासपुर सांसद तोखन साहू को जगह मिली है क्योंकि छत्तीसगढ़ को पहले भी इतना ही प्रतिनिधित्व मिला था। वहीं मंत्रिमंडल में बदलाव और खाली मंत्री पद को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इंतजार करिए जल्द ही फैसला लिया जाएगा।

गिरौदपुरी धाम के जैतखांभ में हुई तोडफ़ोड़ की होगी न्यायिक जांच

सतनामी समाज के विभिन्न संगठनों एवं प्रतिनिधियों की मांग पर गिरौदपुरी धाम के पवित्र अमरगुफा के नजदीक जैतखांभ में हुई तोडफ़ोड़ पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस पूरे मामले के लिए न्यायिक जांच कराने की घोषणा की है। उन्होंने दो टूक कहा की प्रदेश में कही भी सामाजिक सौहार्द बिगाडऩे वाली घटनाओं को बर्दाश्त नही की जाएगी ऐसे कृत्य करने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी से सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखने की अपील भी की है। गौरतलब है की विगत दिनों 15-16 मई रात को पूज्य जैतखांभ को क्षति पहुंचाने की कोशिश की गई थी।

कृषि मंत्री नेताम ने 20 हजार करोड़ किसान सम्मान निधि जारी करने पर प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तीसरे कार्यकाल का शपथ लेते ही देश के 9.3 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री सम्मान निधि राशि जारी करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 38 लाख से ज्यादा किसान पंजीकृत है। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के किसानों के विकास को प्राथमिकता में लेकर काम कर रही है। साय सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए वादों को पूरा करते हुए प्रति क्विंटल 3100 रुपए के भाव से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदें का वादा निभाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों के पिछले दो सालो के बोनस राशि को भी देकर किसानों का भरोसा जीत लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के गरीबों और वंचितों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की है। वहीं प्रदेश की 70

लाख से अधिक माताओं एवं बहनों को महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। उल्लेखनिय है कि, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों के समृद्धि एवं विकास के साथ-साथ किसानों के सम्मान के लिए 24 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत की थी।

कृषि मंत्री ने नवनिर्वाचित केंद्रीय मंत्री गडकरी से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज दिल्ली में नवनिर्वाचित केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने श्री गडकरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री बनाएं जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री नेताम ने इस दौरान केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी को छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनहित में किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में कार्यान्वित हो रही राज्य और केंद्र प्रवर्तित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के संबंध में भी चर्चा की।

नेताम ने मंत्री बनने पर जुएल ओरांव को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ के आदिमजाति, अनुसूचितजाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज दिल्ली में नवनिर्वाचित केंद्रीय मंत्री श्री जुएल ओरांव से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने श्री जुएल ओरांव को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री बनाएं जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री नेताम ने इस दौरान केंद्रीय मंत्री श्री जुएल ओरांव को छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनहित में किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में कार्यान्वित हो रही राज्य और केंद्र प्रवर्तित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के संबंध में भी चर्चा की ।

आरसीसी स्लेब का लांचिंग कार्य से ये ट्रेने प्रभावित

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत काँसबहाल-राजगंगपुर सेक्शन में स्थित समपार संख्या 221 में आरसीसी स्लेब का लांचिंग का कार्य ब्लॉक लेकर किया जाएगा। इसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली कुछ यात्री गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। जिसका विवरण इस प्रकार है-

12 जून को टाटानगर व नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी) से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18109/18110 टाटानगर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी)-टाटानगर एक्सप्रेस। 11 जून को एलटीटी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22511 एलटीटी-कामाख्या एक्सप्रेस 7 घंटे देरी से रवाना होगी। 11 जून को योग नगरी ऋषिकेश से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18478 एक्सप्रेस 03 घंटे 45 मिनट देरी से रवाना होगी । 11 जून को सीएसएमटी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12261 सीएसएमटी-हावड़ा दुरन्तो

एक्सप्रेस 04 घंटे देरी से रवाना होगी। 12 जून को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12262 हावड़ा-सीएसएमटी दुरन्तो एक्सप्रेस 7 घंटे देरी से रवाना होगी

गंतव्य से पहले समाप्त/प्रारम्भ होने वाली गाड़ी

11 जून को आरा से रवाना होने वाली 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस राउरकेला स्टेशन में समाप्त होगी तथा 12 जून को 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस के रूप में राउरकेला स्टेशन से प्रारम्भ होगी।इस प्रकार 12 जून 2024 को 13288/13287 आरा-दुर्ग-आरा साउथ बिहार, राउरकेला-दुर्ग के मध्य रद्द रहेगी।

दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस में एक एसी-3 कोच की सुविधा

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 22867/22868 दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस में एक एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा गाड़ी संख्या 22867 दुर्ग-निजामुद्दीन हमसफर एक्सप्रेस में 11 एवं 14 जून को तथा गाड़ी संख्या 22868 निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस में 12 व 15 जून को उपलब्ध रहेगी।

लापरवाही करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री का निर्देश मानवीय पहलुओं का रखा जाए ध्यान

रायपुर। सरगुजा जिले के विकासखण्ड अंबिकापुर अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवानगर में प्रसूता द्वारा जमीन पर प्रसव किए जाने की घटना संज्ञान में आते ही स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने घटना की जांच के निर्देश दिए थे। मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच करवाई गई।

जांच के दौरान बीएमओ, संस्था प्रभारी, बीपीएम, स्टॉफ नर्स, एएनएम एवं स्थानीय मितानिन उपस्थित रहे। जांच के तहत सभी के समक्ष उक्त प्रकरण के बारे में बयान लिया गया, तथा जच्चा-बच्चा प्रसूता महिला एवं नवजात बच्चों को देखा गया। प्रसव को लेकर प्रोटोकॉल का पालन नही करने वाले खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ पी.एन. राजवाड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।रात्रिकालिन स्टॉफ द्वितीय एएनएम श्रीमती मीना चौहान को तत्काल प्रभाव से हटाकर आयुष्मान मंदिर रेवापुर में कार्यादेशित किया गया। डयूटी में पदस्थ स्टॉफ नर्स बिना पूर्व सूचना के स्टॉफ नर्स कन्या पैंकरा कार्य में अनुपस्थित थी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, निलंबन अवधि में संबंधित का मुख्यालय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा किया गया। निलबंन अवधि में संबंधित को जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं की भविष्य में भी ऐसी गंभीर लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और मरीजों के मानवीय पहलुओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

किसानों और ग्रामीणों के सच्चे साथी बनेंगे दामिनी और मेघदूत

- **मेघदूत एप्प से मौसम की मिलेगी सटीक जानकारी और दामिनी एप्प बचाएगी आकाशीय बिजली के कहर से**

रायपुर। किसानों और ग्रामीणों के दो सच्चे साथी अब हमेशा उनके साथ रहेंगे। एक उन्हें मौसम संबंधी जानकारी से लैस करेगा, तो दूसरा आकाशीय बिजली की कहर से बचाएगा। छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक के साथ ही खेती-किसानी का काम-काज शुरू हो जाता है। किसान भाई मौसम संबंधी सटीक जानकारी के लिए मेघदूत और आकाशीय बिजली से जनहानि और पशुहानि से बचाव के लिए दामिनी एप्प का सहारा ले सकते हैं।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने इन दोनों एप्प को लॉन्च किया है। इसे गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से किसी भी एंड्राइड मोबाईल पर डाउनलोड किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों को राजस्व विभाग और अन्य विभागों के

मैदानी अमले के माध्यम से इन दोनों ही एप्प का प्रचार-प्रसार करने के साथ ही गांवों में मुनादी करने के निर्देश दिए गए हैं। खेती-किसानी के सीजन में किसानों के लिए मौसम की सटीक जानकारी आवश्यक होती है, इससे खेती-किसानी का काम-काज व्यवस्थित और सुचारू ढंग से करने में मदद मिलती है। मेघदूत एप्प के माध्यम से किसान भाई मौसम पूर्वानुमान जैसे तापमान, वर्षा की स्थिति, हवा की गति एवं दिशा इत्यादि की जानकारी मिलेगी, जिससे किसान अपने क्षेत्र की मौसम से संबंधित पूर्वानुमान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मानसून के दौरान ही आकाशीय बिजली की घटनाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है, इसके कारण अधिक संख्या में जन एवं पशु हानि की सूचनाएं प्राप्त होती है। इन घटनाओं में कमी लाने और लोगों को सचेत करने के लिए दामिनी एप्प तैयार किया गया है। इस एप्प के माध्यम से 20 से 31 किलोमीटर के दायरे में आकाशीय बिजली का पूर्वानुमान मिल जाएगा। इससे पशुहानि और जनहानि को रोकने में मदद मिलेगी।

जब ठंडी हवा संघनित होकर बादल बनती है तब इन बादलों के अंदर गर्म हवा की गति और नीचे ठंडी हवा के होने से बादलों में धनावेश (पॉजिटिव चार्ज) ऊपर की ओर एवं ऋणावेश (निगेटिव चार्ज) नीचे की ओर होता है। बादलों में इन विपरीत आवेशों की आपसी क्रिया से विद्युत आवेश उत्पन्न होता है। इस प्रकार आकाशीय बिजली उत्पन्न होती है। फिर धरती पर पहुंचने पर आकाशीय बिजली बेहतर चालक को तलाशती हैं, जिससे वह गुजर

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी
जिला- उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)
collectorate room no 14 Email id-excise.kan.cg@gmail.com

क्रमांक/CSMCL/निविदा/2024-25/1177 उ.ब. कांकेर, दिनांक 07/06/2024

-: खाली कार्टन (पुट्ठा) विक्रय हेतु निविदा सूचना :-

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड कांकेर द्वारा जिले में संचालित 04 देशी एवं 08 विदेशी मदिरा दुकानों के लिए वर्ष 2024-25 की शेष अवधि दिनांक 01.07.2024 से 31.03.2025 तक के लिए खाली कार्टन (पुट्ठा) का विक्रय किया जाना है। खाली कार्टन (पुट्ठा) के प्रति किलो ग्राम की दर से विक्रय हेतु निर्धारित शर्तों के अधीन मुहरबंद लिफाफों में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकारों द्वारा मुहबंद निविदाएं एक बड़े लिफाफे के अन्दर पृथक-पृथक दो छोटी बंद लिफाफे में क तकनीकी निविदा एवं ब वित्तीय निविदा रखे जावेंगे। अमानत राशि तकनीकी निविदा के साथ में रखा जावें। सर्व प्रथम क तकनीकी निविदा खोली जावेंगी। क तकनीकी निविदा सही होने पर ही उसका ख वित्तीय निविदा खोला जावेंगा। क तकनीकी निविदा अपूर्ण होने पर उसका ख वित्तीय निविदा नहीं खोला जावेगा। इच्छुक निविदाकर्त्ता सीलबंद लिफाफे में निविदा दिनांक 28.06.2024 समय अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय जिला प्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल. जिला-उ.ब.कांकेर में जमा कर सकते है। निविदा निविदाकारों के समक्ष दिनांक 28. 06.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तकनीकी निविदा एवं अपरान्ह 04: 00 बजे वित्तीय निविदा कार्यालय जिला प्रबंधक, सी.एम.सी.एल. उ.ब. कांकेर में खोली जावेगी। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा नियम एवं शर्तों तथा संचालित देशी/विदेशी मदिरा दुकानों के नाम की जानकारी कार्यालय-जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड उ.ब. कांकेर कलेक्ट्रोरेट कक्ष क्रमांक 14 में कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है।

जिला आबकारी अधिकारी
सह जिला प्रबंधक, 07/06/24
सी.एस.एम.सी.एल उ.ब. कांकेर (छ.ग.)
जी-242500146/4

विदेश नीति के मोर्चे पर चुनौतियां

प्रो सतीश कुमार

चुनाव प्रचार के दौरान विदेश नीति के संदर्भ में कई बातें सत्ता पक्ष और विपक्षी नेताओं के द्वारा कही गयीं, जिनमें विभिन्न देशों के साथ संबंधों के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-हमास संघर्ष से जुड़े विषय थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी की छवि दुनिया के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हो चुकी है। लोकतांत्रिक तरीके से फिर सत्ता में आना भी बेहद अहम है। इसका कूटनीतिक लाभ निश्चित ही भारत को मिलेगा क्योंकि भारत की छवि पहले से भी सबको साथ लेकर चलने और शांति बहाल करने की रही है। लेकिन विदेश नीति के मोर्चे पर चुनौतियां भी कई हैं। सबसे अहम चुनौती चीन के साथ संतुलन बनाने की है। चीन भारत से आशंकित है, जिसका एक कारण अमेरिका-भारत संबंधों का निरंतर प्रगाढ़ होना है। ऐसी आशा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप पुनः राष्ट्रपति बन सकते है। यह परिवर्तन भारत के पक्ष में होगा क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी की विदेश नीति हमेशा से भारत के पक्ष में रही है। चीन के लिए सबसे बड़ा मुद्दा ताइवान है। कागज पर वह चीन का अभिन्न हिस्सा माना जाता है, लेकिन पिछले दो दशक में बहुत कुछ बदल चुका है। ताइवान अपनी स्वायत्तता चीन के हाथों में सौंपने के लिए राजी नहीं है। चीन इसके लिए युद्ध की मंशा को भी जाहिर कर चुका है। ताइवान को लेकर जापान और अमेरिका अत्यंत संवेदनशील हैं क्योंकि उनका सामरिक हित उससे जुड़ा हुआ है। पूर्वी एशिया के अनेक देश भी अमेरिका की टोली में है। ऑस्ट्रेलिया की सहमति भी अमेरिका के साथ है। इन देशों के साथ अमेरिका के सैन्य संबंध भी हैं। क्वाड, जिसमें भारत भी शामिल है, को सैनिक व्यवस्था में बदलने की कोशिश अमेरिका के द्वारा की जाती रही है, लेकिन भारत इसे मानने से इंकार करता रहा है। लेकिन बात अब भारत के पाले में है। भारत ने चीन के विरुद्ध ताइवान को एक सामरिक कार्ड के रूप कभी भी प्रयोग नहीं किया है, ऐसा करने की क्षमता भारत के पास है। भारत के पड़ोसी देश अपनी नीतियों को लेकर दुविधा में रहते हैं। इन पर चीन का प्रभाव है। इस मामले में भारत की पहुंच को और दुरुस्त करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में अनेक पड़ोसी नेताओं का आना एक शुभ संकेत है। भारत की चुनौती चीन के साथ सीमा पर शांति को लेकर भी है। चुनाव में पाक-अधिकृत कश्मीर को जम्मू-कश्मीर से जोड़ने की बात हो चुकी है। इसमें मुख्य अड़चन चीन के साथ ही आयेगी क्योंकि चीन द्वारा बनाया जा रहा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उस क्षेत्र से होकर गुजरता है। यह गलियारा चीन के वन बेल्ट परियोजना का हिस्सा है। चीन इसके लिए युद्ध जैसा माहौल बना सकता है। पाकिस्तान वही करेगा, जो चीन उसे करने के लिए कहेगा। चीन-पाकिस्तान संबंध एक ऐसे बंद कमरे की तरह है, जिसकी कोई चाबी नहीं है। उसका हल उसे तोड़ने में ही है। प्रश्न यह है कि भारत कब और कैसे इस कमरे को तोड़ पायेगा, क्या अमेरिका भारत के साथ होगा। अगर भारत ताइवान पर अमेरिका का साथ दे, तो शायद पाक-अधिकृत कश्मीर के मामले में वह सहयोग कर सकता है। दुनिया की राजनीति और कूटनीति समय के साथ बदलती है और यह भारत के पास एक सुनहरा अवसर है। भारत की राजनीतिक मजबूती और आर्थिक ताकत से एक समुचित स्थिति पैदा हुई है। भारतीय विदेश नीति की दूसरी महत्वपूर्ण चुनौती रूस के साथ संतुलन बनाये रखने की होगी। कई बार ऐसी चर्चा होती है कि भारत-चीन संघर्ष की स्थिति में रूस चीन का साथ देगा। ऐसा हो सकता है, लेकिन यकीनन ऐसा मानना गलत है। रूस और चीन दशकों से एक दूसरे के विरोधी भी रहे है। वर्ष 1967 में दोनों देशों के बीच युद्ध भी हुआ है। मध्य एशिया और मंगोलिया को लेकर आज भी दोनों के विचार अलग अलग है। शंघाई सहयोग संगठन की रणनीति को लेकर भी मतभेद है। एकजुटता केवल अमेरिका को लेकर है। भारत और रूस के संबंध गहरे और पुराने हैं। इसे रूस भी बखूबी समझता है। फिर भी भारत के लिए रूस के साथ परस्पर संबंध को और निखारना होगा। भारत के पड़ोसी देश अपनी नीतियों को लेकर दुविधा में रहते हैं। इन पर चीन का प्रभाव है। इस मामले में भारत की पहुंच को और दुरुस्त करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में अनेक पड़ोसी नेताओं का आना एक शुभ संकेत है। भारत की आर्थिक प्रगति की धार को और तेज बनाना होगा। सामरिक समीकरण का सबसे मजबूत पक्ष अर्थव्यवस्था ही है। भारत और चीन के बीच पांच गुना अंतर एक बड़ी चुनौती है, लेकिन सुकून यह भी है कि भारत की आर्थिक गति निरंतर बढ़ रही है, जो अन्य देशों के लिए अनुकरणीय भी है।

वैश्विक षड्यंत्रों के बावजूद मोदी विजय

मनोज ज्वाला

भारत की 18वीं लोकसभा के चुनाव-परिणाम से पूरी दुनिया विस्मित है, क्योंकि विपक्ष के तमाम अवांछित हथकण्डों-अफवाहों के बावजूद भारतीय राष्ट्रवाद की राजनीति के ध्वजवाहक नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बेदखल नहीं किया जा सका और विपक्षी गठबन्धन सत्ता की सुनहरी संडक तक भी नहीं पहुंच पाया। भारतीय जनता पार्टी एवं उसके लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी को येन-केण प्रकारेण सत्ता से बेदखल कर देने के बावत इस बार न केवल देश भर के तमाम विपक्षी दलों ने तमाम प्रकार के हथकण्डों के साथ अब तक (सन 1946 से 2024 तक) की चुनावी राजनीति के इतिहास का सबसे बडा अभियान चलाया, बल्कि देश के बाहर की शक्तियों ने भी बढ-चढ कर उनके उस अभियान को सत्ता की मुकाम तक पहुंचाने की सुनियोजित मुहिम चलायी; लेकिन तब भी भाजपाई राष्ट्रवादी गठबंधन का विजय-रथ पर्याप्त बहुमत प्राप्त कर सनसनाता हुआ राजपथ पर पहुंच ही गया, जबकि कांग्रेसी सम्प्रदायवादी गिरोह की गाडी किनारे की पगडण्डी पर ही खडी रह गई। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के 'राजग' (राष्ट्रीय जनतांत्रिक) नामक गठबंधन को सत्ता के लिए पर्याप्त से भी अधिक लगभग 300 सीटें हासिल हो गईं, तो कांग्रेस और उसके सहयोगियों के 'भाराविसग' (भारतीय राष्ट्रीय विकासवादी समावेशी) नामक गठबंधन तो नहीं, (क्योंकि सभी कहीं अलग-अलग हैं, तो कहीं एकजुट हैं और कार्यक्रम तो सबके भिन्न-भिन्न हैं) 'गिरोह' कहिए, उसे मात्र 232 सीटें प्राप्त हो सकीं, जो अकेली भाजपा को मिली सीटों से भी कम है। इस गिरोह की यह सामूहिक उपलब्धि तब है, जब उक्त समूह के सभी दलों ने साम्प्रदायिक तुष्टिकरण के आपत्तिजनक व घिनौने खेल का खुला प्रदर्शन किया एवं मतदाताओं को रिश्वत के तौर पर नकदी का प्रलोभन भी दिया और सबसे बडी बात कि उनके पक्ष में बडी-बडी कुख्यात वैश्विक शक्तियों ने भी भाजपा-मोदी विरोधी अभियान चलाया। जी हां वैश्विक रिलीजियस मजहबी शक्तियों ने धर्म (सनातन) व धर्मधारी राष्ट्र (भारत) के पुनरुत्थान से घबरा कर धर्मध्वजवाहक भाजपा-मोदी की राह रोकने के बावत उनके विरुद्ध नकारात्मक जनमत निर्मित करने एवं कृत्रिम असंतोष उत्पन्न करने और वृहतर धार्मिक समाज की राष्ट्रीय एकता को बनावटी जातीय वैमनस्यता से विखण्डित करने का ऐसा अभियान चलाया, जैसा आज तक अन्य किसी देश की सरकार को अपदस्थ करने के लिए नहीं चलाया गया था। तभी तो चुनाव-परिणाम के बाद भारत-सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा-सलाहकार और विभिन्न गोपणीय कार्यक्रमों के सूत्रधार अजित डोभाल को भी कहना पडा कि इस बार भाजपा की चुनावी लडाई 'कांग्रेस' 'आआपा' 'सपा' व 'ममता' से नहीं थी, अपितु उस 'ग्लोबल पावर' से थी, जो भारत को कमजोर करने के बावत मोदी जी को सत्ता से बेदखल करने हेतु हिन्दुओं को विभाजित करने का अभियान चला रही थी।

आपको याद होगा कि ऐन चुनाव के मौके पर ही 'यूएससीआईआरएफ' (यूएस कमिशन फॉर इण्टरनेशनल रिलीजियस फ्रिडम) नामक एक अमेरिकी आयोग और 'न्यूयॉर्क टाइम्स' नामक अमेरिकी अखबार ने एक रिपोर्ट प्रकाशित किया था, जिसमें यह कहा गया था कि भारत में भाजपा-मोदी के सत्तासीन रहने से भारत का लोकतंत्र कमजोर हुआ है। अब तो यह खुलासा भी हो चुका है कि 'धर्म (सनातन)-विरोधी' विस्तारवादी रिलीजियस-मजहबी शक्तियों के वैश्विक मुख्यालय- वेटिकन सिटी से संचालित चर्च-मिशनरी संस्थानों तथा उनसे पोषित विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों (एनजीओ) एवं शैक्षिक-आर्थिक संस्थानों और मीडिया घरानों का एक व्यापक अंतर्जाल इस षड्यंत्रकारी अभियान के क्रियान्वयन में पिछले पांच वर्षों से सक्रिय था (है)। 'हेनरी लुईस फाउण्डेशन', 'जॉर्ज सोरोस ओपेन सोसाइटी फाउण्डेशन' तथा 'बर्कले सेंटर फॉर रिलिजन व पीस एंड वर्ल्ड अफेयर्स' एवं 'कार्नेगी इंडॉमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' और 'ह्यूमन राइट्स वाच' व 'साउथ एशिया एक्टिविस्ट कलेक्टिव' (एसएएसएसी) ऐसी ही कुछ संस्थायें हैं, जिन्होंने अपने भारी-भरकम संसाधनों और भारतीय एजेण्टों के सहारे जनमत को नकारात्मक दिशा में रिझाने का काम युद्ध-स्तर पर किया।

'डिसइंफो लैब' नामक एक भारतीय खुफिया एजेन्सी ने अपनी रिपोर्ट में इस तथ्य और सत्य का विस्तार से खुलासा किया हुआ है। लैब की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मतदाताओं को भाजपा-मोदी के विरुद्ध उकसाने-भडकाने के लिए 'हेनरी लुइस फाउंडेशन' और 'जॉर्ज सोरोस ओपन सोसाइटी फाउंडेशन' ने अपने-अपने विभिन्न कारिन्दों को कडोंरों डॉलर की 'फण्डिंग' करते हुए उनके जरिये भिन्न-भिन्न माध्यमों से खुल कर हस्तक्षेप किया। केवल विदेशी मीडिया के माध्यम से ही नहीं, बल्कि कतिपय भारतीय मीडिया संस्थानों के द्वारा भी फर्जी तथ्यों-मुद्दों-सूचनाओं के आधार पर जनमत निर्मित कर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इस बावत किसिम-किसिम के लेखों, शोध-पत्रों और आंकडों के माध्यम से आम-चुनाव को प्रभावित करने सम्बन्धी टिप्पणियां प्रकाशित-प्रसारित कीं गईं। डिसइंफो लैब ने अपनी रिपोर्ट में 'हेनरी लुइस फाउंडेशन' (एचएलएफ) और 'जॉर्ज सोरोस ओपन सोसाइटी फाउंडेशन' (ओएसएफ) के अतिरिक्त जिन समूहों और व्यक्तियों का नाम उजागर किया गया है, उनमें कनाडा के रिकन पटेल की संस्था- 'नामती' और फ्रांस के एक राजनीतिक विश्लेषक- क्रिस्टोफ जॉफरलॉट प्रमुख हैं। लैब की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय मतदाताओं के रुझान की दिशा बदलने के लिए 'एचएलएफ ने 'नामती' को तीन लाख डॉलर और 'ओएसएफ' ने 13.85 करोड़ डॉलर से वित्त-पोषण किया। डिसइंफो लैब ने यह भी दावा किया है कि चुनाव के दौरान भाजपा-मोदी को क्षति पहुंचाने वाला वातावरण निर्मित करने के बावत 'एचएलएफ' द्वारा कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों और पाकिस्तान की 'आईएसआई' को भी आर्थिक सहयोग दिया गया था। लैब ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि क्रिस्टोफ और उसके सहयोगी-साथी गाइल्स वर्नियर्स ने भारत के सोनीपत-स्थित अशोक विश्वविद्यालय में 'त्रिवेदी सेंटर फॉर पॉलिटिकल डेटा' (टीसीपीडी) के माध्यम से भाजपा-मोदी-विरोध पर आधारित जातीय वैमान्यस्यता की एक फर्जी कहानी को जबरन बढ़ावा दिया और उसके द्वारा शोसल मीडिया और अन्य माध्यमों से यह प्रचारित किया कि भारतीय राजनीति में निचली जातियों का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि क्रिस्टोफर ने वर्ष 2021 में ही 'भारत में जातीय जनगणना की आवश्यकता' पर एक सामग्री तैयार की थी, जिसे भारत में चुनावी मुद्दा बनवाने हेतु उसे अमेरिकी 'हेनरी लुइस फाउंडेशन' (एचएलएफ) ने अत्यधिक धनराशि दी थी।

इतना ही नहीं, डिसइंफो लैब की मानें तो 'एचएलएफ' द्वारा जाफरलॉट को 'हिंदू बहुसंख्यकों के समय में मुस्लिम' शीर्षक लेख-परियोजना पर काम करने के लिए भी 3.85 लाख डॉलर की धनराशि दी गई थी। डिसइंफो लैब ने दावा किया है कि एचएलएफ ने वर्ष 2020 से लेकर वर्ष 2024 तक भाजपा-मोदी विरोधी एजेंडा चलाने के लिए 'बर्कले सेंटर फॉर रिलिजन, पीस एंड वर्ल्ड अफेयर्स' को भी 3.46 डॉलर की आर्थिक सहायता प्रदान की थी, जिसके बदले बर्कले संस्थान ने 'हिंदू अधिकार और भारत की धार्मिक कूटनीति पर सामग्री तैयार की थी। इसी तरह से एचएलएफ ने 'सीईआईपी' यानी 'कार्नेगी इडॉमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' को 'सत्तावादी दमन, हिंदू राष्ट्रवाद नामक भाजपा-मोदी-हिन्दुत्व-विरोधी बौद्धिक परियोजना-सामग्री तैयार करने के लिए 1.20 लाख डॉलर की धनराशि दी थी। डिसइंफो के अनुसार 'सीईआईपी' को वर्ष 2019 में ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 'सत्ता में भाजपा: भारतीय लोकतंत्र और धार्मिक राष्ट्रवाद' नामक परियोजना-सामग्री तैयार करने के लिए भी 40 हजार डॉलर की धनराशि दी गई थी। डिसइंफों की रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि एचएलएफ ने 'साउथ एशिया एक्टिविस्ट कलेक्टिव' (एसएएसएसी) नामक मिशनरी को भी 'हिंदू राष्ट्रवाद' नामक भाजपा-मोदी विरोधी सामग्री तैयार करने के लिए बड़ी धनराशि दी थी। यह तो कुछ उदाहरण मात्र हैं, जबकि पूरा मामला यह है कि भारत में चुनावी हवा का रुख बदल डालने के लिए चीन अमेरिका ब्रिटेन फ्रांस कनाडा की अनेक चर्च-मिशनरी संस्थाओं ने भारतीय मीडिया संस्थानों व शोसल मीडिया प्लेटफार्मों एवं कतिपय शिक्षण संस्थानों और अन्य प्रभावी बौद्धिक-वैचारिक स्रोतों को एक प्रकार से खरीद कर भाजपा-मोदी रोको अभियान में लगा रखा था।

जाहिर है, ऐसे भीषण वैश्विक विखण्डनकारी रिलीजियस-मजहबी षड्यंत्रों के बावजूद थोड़े झटकों-हिचकोलों के साथ भाजपा-राजग का विजय-रथ विरोधियों को पछाड़ते हुए सीधे राजपथ पर पहुंच गया और नरेंद्र मोदी पुनः सत्तासीन हो गए, तो इसके अनेक अर्थ हैं, जिनमें से एक यह भी है कि धर्मधारी भारत का पुनरुत्थान एक दैवीय अभियान है, जो पूर्णता को प्राप्त हुए बिना अब कतई नहीं रुकेगा, किन्तु वृहतर धार्मिक समाज को इससे दृढ़तापूर्वक जुड़े रहना होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

सुबालोपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

उस स्थिति में (वह) न माता है, न पिता है, न बन्धु है, न बान्धव है, न चोर है, न ब्रह्म हत्यारा है। वह (आत्मा) तेजस्वरूप है, अमृत है। जल ही जल है, वन के समान है। इस मार्ग से आत्मा जाग्रदवस्था की ओर दौड़ता है, सम्राट् (जिसका अन्तःकरण ज्ञान से प्रकाशित हो चुका है, ऐसे अनुभूतिवान् व्यक्ति) ने ऐसा कहा है।

इस खण्ड में ज्ञानेन्द्रियों, अन्तःकरण एवं कर्मेन्द्रियों के माध्यम से आत्मा की सक्रियता का विवेचन किया गया है। इस प्रकरण में जो आत्मा से सम्बद्ध है, उसे अध्यात्म, भौतिक सृष्टि से सम्बद्ध को अधिभूत तथा देव शक्तियों से सम्बद्ध को अधिदैवत कहा गया है। जीवन की विभिन्न धाराओं की व्याख्या इन्हीं तीनों विशेषणों के संदर्भ में की गयी है-

(इस प्रकार जाग्रत् आदि कोशत्रय में निवास करने वाला) आत्मा उन-उन स्थानों में रहने वालों को स्थान प्रदान करता है। नाड़ी उनका मूल साधन है। चक्षु अध्यात्म है। देखा जाने वाला (द्रष्टव्य) पदार्थ अधिभूत है और आदित्य अधिदैवत है। नाड़ी उसका मूल कारण है। जो चक्षु इन्द्रिय में, द्रष्टव्य पदार्थ में, आदित्य में, नाड़ी में, प्राण में, विज्ञान में, आनन्द में, हृदयाकाश में और इस सम्पूर्ण शरीर में संचरण करता है, यह आत्मा है। उस आत्मा की ही उपासना करनी चाहिए, जो अजर, अमर, अभय, अशोक और अनन्त है। [नाड़ी को अध्यात्म, अधिभूत और अधिदैवत का मूलकारण कहा गया है। दृष्टि का विकास और विलय उससे सम्बद्ध नाड़ी में होता है, यह स्पष्ट है। जिस प्रकार आत्मा के स्थान शरीर में विभिन्न नाड़ियाँ हैं, वैसे ही अधिभूत के लिए प्रकृति में तथा अधिदैवत के लिए विराट् पुरुष में नाड़ियाँ हैं। आगे नवम खण्ड में स्पष्ट किया गया है कि आदित्य आदि भी उनसे सम्बद्ध विराट् नाड़ियों से ही उद्भूत और उन्हीं में विलीन होते हैं।]

क्रमशः ...

राम प्रसाद बिस्मिल

प्रगति चंद

आज यानी 11 जून 2024 को देश के स्वाधीनता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती मनाई जा रही है। बिस्मिल का जन्म 1897 में ब्रिटिश भारत के उत्तर-पश्चिमी प्रांत (उत्तर प्रदेश) के शाहजहांपुर में हुआ था। बिस्मिल न सिर्फ एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वो एक बेहतरीन कवि और अच्छे लेखक भी थे। वो महज 11 साल की उम्र में आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। खेलने-कूदने की उम्र में क्रांतिकारी आंदोलन में हिस्सा लेने की वजह से राम प्रसाद बिस्मिल एक वीर क्रांतिकारी के साथ-साथ बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी बन गए। उन्हें साल 1918 के मैनपुरी षडयंत्र और 1925 के काकोरी कांड में हिस्सा लेने के लिए जाना

जाता है।

19 दिसंबर 1927 को सुबह छह बजे काकोरी कांड के नायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दी जानी थी। फांसी दिये जाने से कुछ ही घंटे पूर्व बैरक में पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को कसरत करते देख जेलर व पहरेदार अचंभित रह गए थे। जेलर उनसे पूछा था कि पंडित- तुम्हें कुछ ही घंटे में फांसी होनी है। कसरत क्यों कर रहे हो। पंडित जी ने जवाब दिया था कि यह भारत माता की चरणों में अर्पित होने वाला फूल है। मुरझाया हुआ नहीं होना चाहिए। स्वस्थ व सुंदर दिखना चाहिए।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की आत्मकथा में यह लाइनें पढ़ने के बाद हर भारतवासी की छाती गर्व से चौड़ी हो जाती है। गोरखपुर जेल में वह चार माह 10 दिनों तक बंद रहे। 10 अगस्त 1927 को अंग्रेजों ने उन्हें लखनऊ जेल से गोरखपुर भेज दिया था। यहां उन्हें कोठरी संख्या सात में रखा गया था। उस समय इसे तन्हाई बैरक कहा जाता था।

गोरखपुर में आने के बाद बिस्मिल ने कमरे को साधना केंद्र के रूप में प्रयोग किया था। इस कोठरी को अब बिस्मिल कक्ष और शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल बैरक के नाम से संरक्षित किया गया है। पंडित बिस्मिल शाहजहांपुर के निवासी थे। उनका जन्म 11 जून 1897 को हुआ था।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में जहां फांसी दी गई थी, उस स्थल को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने में प्रदेश सरकार जुटी हुई है। पंडित जी जेल में जहां फांसी दी गई थी, जिस चौकी पर वह विश्राम करते थे, साधना केंद्र, उनकी स्मृतियों से जुड़ीं सभी वस्तुओं का पर्यटन विभाग जीर्णोद्धार कर चुका है।

आगंतुकों यहां आने के लिए अब किसी के अनुमति की जरूरत नहीं है। वह यहां आसानी से आकर एक-एक वस्तुओं, फांसी घर, उनकी बैरक आदि को देख कर आभास कर सकते हैं कि पंडित जी ने यहां चार माह का वक्त यहां कैसा बीता होगा। इसके लिए जेल के बाहर से एक रास्ता बनाकर उसे खोल दिया गया है।

संविधान एवं सर्वसम्मति के लिए जनादेश

प्रभु चावला

कुछ लोग हार से तबाह हो जाते हैं और कुछ जीत कर ओछे हो जाते हैं। महानता उसमें होती है, जो हार व जीत को समान भाव से लेता है। प्रतिष्ठित अमेरिकी लेखक जॉन स्टीनबेक ने कल्पना भी नहीं की होगी कि भारत के हालिया लोकसभा चुनाव के नतीजे के विश्लेषण के बारे में उनकी टिप्पणी इतनी सटीक साबित होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेकर इतिहास रच दिया है। इससे पहले ऐसा केवल जवाहरलाल नेहरू ही कर सके थे। यह रिकॉर्ड बनाने वाले वे पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं। वे अटल बिहारी वाजपेयी के बाद प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे संघ प्रचारक भी हैं। फिर भी नेहरू और मोदी में गणित का अंतर है। नेहरू ने 1952, 1957 और 1962 के चुनाव लगभग दो-तिहाई बहुमत से जीता था, पर भाजपा तीसरी बार अपने दम पर बहुमत नहीं पा सकी और सरकार बनाने के लिए सहयोगियों का साथ लेना पड़ा है। इस जनादेश ने एक पार्टी के बहुमत की सरकार की अवधारणा पर गहरी चोट की है। भारत एक दशक बाद गठबंधन के युग में लौट आया है, जिसकी शुरुआत 1989 में राजीव गांधी की हार के साथ हुई थी।

भाजपा ने 2014 में 282 और 2019 में 303 सीटें जीती थीं। इस बार भाजपा लगभग 430 सीटों पर लड़ी थी, पर उसे 240 सीटें ही मिल सकीं। उसने 63 सीटें खो दी, जिनमें अधिकांश उसके पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के खाते में गयीं। इस बार यह मोदी 3.0 नहीं, बल्कि एनडीए 3.0, जिसका नेतृत्व मोदी कर रहे हैं। इसके पहले दो संस्करणों के नेता वाजपेयी थे। फिर भी भाजपा को हाल के वर्षों में किसी भी सत्ताधारी दल से अधिक सीटें मिली हैं। वर्ष 1984 में राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 404 सीटें जीती थी, पर पांच साल बाद वह 197 पर ही जीत सकी। साल 2009 में कांग्रेस को 206 सीटें मिली थीं। बहरहाल, प्रधानमंत्री और भाजपा के लिए इस चुनाव ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं और भविष्य में शासन के मॉडल के बारे में निर्देश भी दिया है। पार्टी को अभी यह स्वीकार करना है कि 370 सीटें भाजपा और 400 एनडीए के लिए जीतने का अवास्तविक लक्ष्य नहीं मिल सका है। पार्टी समर्थक उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में हार के लिए प्रधानमंत्री के अत्यधिक प्रचार को जिम्मेदार मान रहे हैं। दक्षिण में भी कुछ अधिक हासिल नहीं हुआ क्योंकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सीटों की बढ़त पर कर्नाटक के नुकसान का पानी फिर गया।

मोदी अभी भी सबसे ताकतवर नेता हैं। उनकी अजेयता को झटका लगा है, लेकिन अभी भी उच्चतम नेता की उपाधि उन्हीं के पास है। उनकी दीर्घकालिक सफलता और तीसरा कार्यकाल पूरा कर इतिहास बनाने के लिए यह देश टकराव नहीं, बल्कि सर्वसम्मति की नयी राजनीति की ओर देख रहा है। केवल यही उपलब्धि उनकी महानता सुनिश्चित कर देगी।

दो माह के चुनाव अभियान में प्रधानमंत्री ने 200 से अधिक सभाएं कीं और लगभग 80 इंटरव्यू दिये। लेकिन इन आयोजित कार्यक्रमों से संविधान पर खतरा एवं बढ़ती बेरोजगारी के विपक्ष के नैरेटिव को बेअसर नहीं किया जा सका। साथ ही, निचले स्तर पर चुनाव प्रबंधन के लिए बाहरी एजेंसियों पर अत्यधिक निर्भरता से भ्रम पैदा हुआ। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की बहुत कम सक्रियता से भी वोट घटे। लालकृष्ण आडवाणी ने 2004 में हार के तुरंत बाद कहा था कि भाजपा अपने मुख्य जनाधार की अनदेखी करने के कारण हारी है। आर्थिक नीतियों की कमी भी भाजपा की हार के लिए कुछ जिम्मेदार है। बीते एक दशक में भाजपा सरकार अपनी व्यवसाय समर्थक विचारधारा के बारे में गर्व से बोलती रही है। मोदी ने भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का वादा किया है। यह जनादेश अच्छी राजनीति और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था देने के लिए है। जनता को बाजार मॉडल पर बहुत अधिक जोर रास नहीं आया। ऐसा न के बराबर होता है कि शासन के प्रमुख और वरिष्ठ मंत्री लोगों को नतीजों की घोषणा से पहले शेयर बाजार में पैसा लगाने के लिए कहें। देश के समूचे स्वास्थ्य को कृत्रिम रूप से बढ़ायी गयी बाजार पूंजी के साथ जोड़ना नीतियों के लिए समर्थन मांगने का एक भ्रामक नैरेटिव है। अधिक से अधिक इससे बड़े कारोबारियों को ही फायदा हो सकता है, इससे लोगों को कुछ हासिल नहीं होता।

नेताओं को भविष्य की तैयारी करते समय अतीत से सीखना चाहिए। अगर बाजार के सम्मोहन से राजनीतिक लाभ होता, तो नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को करारी हार नहीं देखनी पड़ती। अल्पमत की पहली सरकार बनाने वाले राव ने बड़े आर्थिक सुधार लागू किये। उनके पांच साल के कार्यकाल में शेयर सूचकांक 180 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था। पर 1996 में राव हार गये क्योंकि लोगों को लगा कि कांग्रेस धनिकों की पक्षधर है। मनमोहन सरकार के दौर (2004-2014) में सेंसेक्स 400 प्रतिशत बढ़ा था, पर कांग्रेस लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल भी नहीं बन सकी। स्पष्ट है कि ट्रिकल डाउन (ऊपर से नीचे की ओर) का पश्चिमी पूंजीवादी सिद्धांत भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में कारगर नहीं है, जहां 80 करोड़ से अधिक लोग सरकार की मुफ्त योजनाओं पर निर्भर हैं। मोदी के आर्थिक मॉडल में नायडू-नीतीश के सामाजिक समता के मॉडल को भी शामिल करना होगा। अच्छी अर्थनीति आवश्यक रूप से बेहतर राजनीति नहीं होती। विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने या खरबपतियों की संख्या में वृद्धि होने से सरकार को मजबूती, भरोसा और स्वीकार्यता हासिल नहीं होती। किसी गठबंधन सरकार की सफलता मुख्य रूप से इस पर निर्भर करती है कि गणित की नयी वास्तविकताओं को प्रधानमंत्री किस तरह निभाते हैं।

बीते 22 वर्षों में मोदी एक ऐसे प्रशासनिक मॉडल के रूप में स्थापित हुए हैं, जिसमें वे अकेले निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वे राय मांगते हैं, पर वे सामूहिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के अनुरूप नहीं चल पाते। इससे शीघ्र निर्णय लेने और उन्हें लागू करने में मदद मिली है। वे नारे गढ़ने में भी माहिर हैं। स्वच्छ भारत से लेकर डिजिटल इंडिया तक, अपनी गारंटियों से उन्होंने देश को सम्मोहित किया है। अब तक वे ऐसे मंत्रिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे, जिसमें वे असमान लोगों में प्रथम थे। लेकिन अब नयी संख्या और गणित से नीति-निर्धारण निर्देशित होगा। मोदी अभी भी सबसे ताकतवर नेता हैं। उनकी अजेयता को झटका लगा है, लेकिन अभी भी उच्चतम नेता की उपाधि उन्हीं के पास है। देश टकराव नहीं, बल्कि सर्वसम्मति की नयी राजनीति की ओर देख रहा है। केवल यही उपलब्धि उनकी महानता सुनिश्चित कर देगी। नयी सरकार को संख्या के बजाय नेकी, खरबपतियों से हाथ मिलाने के बजाय आम जन के स्पर्श तथा निर्देश के बजाय प्रतिनिधित्व की राह पर चलने की आवश्यकता है।

आज का इतिहास

1896 1896 संरिकु में भूकंप और जापान में सुनामी से 27,000 लोग मारे गए।
1901 कुक द्वीपों को शामिल करने के लिए न्यूजीलैंड की कॉलोनी की सीमाएं यूके द्वारा विस्तारित हैं। कुक आइलैंड्स को पहली बार 6 वीं शताब्दी में पॉलिनेशियन लोगों द्वारा बसाया गया था, जो ताहिती से कुक आइलैंड के उत्तर-पूर्व में 1154 किमी की दूरी पर बसे थे।
1917 अलेक्जेंडर को ग्रीस के राजा का ताज पहनाया गया था, उनके पिता कोंस्टेनटाइन का उत्तराधिकारी था, जिसका पेट खराब हो गया था।
1921 ब्राजील में महिलाओं को चुनाव में मत देने का अधिकार प्रदान किया गया।
1932 मोहम्मद अली अल-अबिद सीरिया के पहले राष्ट्रपति बने।
1934 संयुक्त राज्य अमेरिका में पारस्परिक टैरिफ अधिनियम लागू किया गया।
1935 पहली बार एडविन आर्मस्ट्रांग ने एफएम का प्रसारण किया।
1940 यूरोपीय देश इटली ने मित्र देशों के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की।
1942 अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लैंड-लीज समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1955 पियरे लेवेग और लांसमैकलिन के 24 घंटे चलने के दौरान ले मैनस्पोर्ट्स कार धीरज की दौड़ के 23 वें भाग के दौरान 80 से अधिक लोग मारे गए थे।
1955 पहले मैग्निशियम जेट हवाई जहाज ने उड़ान भरी।
1956 छह दिवसीय गैल ओया दंगों, स्वतंत्र श्रीलंका में तत्कालीन श्रीलंका के तमिलों को लक्षित करने वाले पहले जातीय दंगों की शुरुआत हुई।
1960 पाकिस्तान के मुल्तान में एक शादी के रिसेप्शन में तीस लोग एक छत के गिरने से मारे गए।
1963 अलबामा विश्वविद्यालय को राज्यपाल पद से हटा दिया गया क्योंकि अलाबामा के गवर्नर जॉर्ज वालेस ने एक ऑडिटोरियम में खुले तौर पर रूकावट को रोकने के बाद कदम रखा।
1964 ग्रीस ने साइप्रस से तुर्की के साथ सीधी बातचीत को खारिज किया।

मप्र में लोकसभा की सभी सीटें जीतकर भाजपा ने रचा इतिहास

प्रो. संजय द्विवेदी

मध्यप्रदेश में सभी लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर भाजपा ने कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बड़ा सहारा दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव अभियान से ही प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में सबसे खास चेहरा बने हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा था और भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। %मोदी के मन में मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के मन में मोदी% यह मुख्य नारा था, जिसमें संगठन के परिश्रम ने प्राण फूंक दिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी एक असाधारण घटना है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में अपनी लोकप्रियता और प्रासंगिकता बनाए रखना इतना आसान नहीं होता। भाजपा जैसे दल के लिए जिसने 8 वें दशक में सिर्फ दो लोकसभा सीटों के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ की हो, यह चमत्कार ही है। अनपेक्षित परिणामों के बाद भी केंद्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है। मध्यप्रदेश वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के अद्भुत समन्वय से चलने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे दिग्गजों की जुगलबंदी ने जो इतिहास रचा है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इसके अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राजेन्द्र शुक्ल, फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार जैसे अनेक नेता भाजपा के सामाजिक और भौगोलिक विस्तार को स्थापित करते हैं।

संघ की प्रयोगभूमि होने के कारण मध्यप्रदेश पर पूरे देश की निगाह थी। मध्यप्रदेश में यह वैचारिक यात्रा हिंदुत्व, भारतबोध की यात्रा तो है ही समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी ने इसे सफल बनाया है। स्त्री शक्ति इसमें सबसे प्रमुख है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां स्त्री शक्ति को भाजपा के साथ गोलबंद करने में अहम भूमिका निभाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही सामान्य जन के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास किए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को संबल दिया, जिस बदलाव को स्त्री शक्ति ने महसूस किया। स्त्री भारतीय परिवारों की धुरी है। भारतीय राजनीति में स्त्री को इस तरह से केंद्र में रखकर कभी विचार नहीं किया गया। यह बात रेखांकित करना चाहिए कि आखिर देश की राजनीति में स्त्री के सवाल हाशिए पर क्यों रहे हैं? स्त्री आखिर चाहती क्या है? वह चाहती है सुखद, सुरक्षित, आनंदमय जीवन और अपने बच्चों का सुनहरा भविष्य। एक अदद छत जिसमें वह अपने परिवार के साथ चैन से रह सके।

नरेंद्र मोदी ने सामान्य भारतीय स्त्री के इस मन और जीवन की समस्याओं को संबोधित किया। स्त्री को सुरक्षित परिवेश और बेटियों को आसमान छूने की प्रेरणा दी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सिर्फ नारा नहीं एक सामाजिक संकल्प बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़े हैं। वे परिवारों को चलाने वाली स्त्री के दर्द, उसकी जरूरतों को समझने वाले राजनेता हैं। उज्जवला गैस जैसे योजना उनके संवेदनशील मन की गवाही देती है। लकड़ियां लेटर आने,गोबर के उपलों से खाना बनाती स्त्री, उसके कष्ट सब नहीं समझ सकते। धुएं के नाते उसको होने वाले

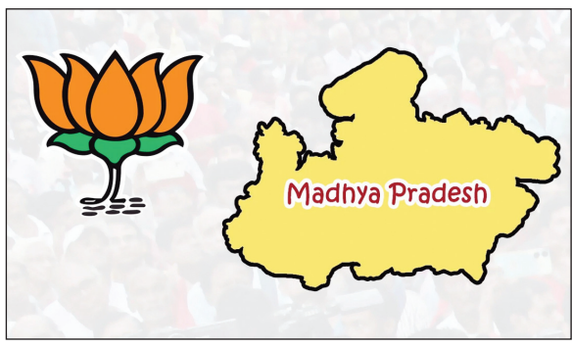

स्वास्थ्यगत नुकसान को भी सब नहीं समझ सकते। बात छोटी है,पर संवेदना बहुत बड़ी। इसी तरह शौचालय न होने के कारण स्त्री के कष्ट से हर घर शौचालय का विचार एक क्रांतिकारी कदम था। यह मुद्दा महिला सुरक्षा ,स्वास्थ्य और स्वच्छता सबसे जुड़ा हुआ मुद्दा है। मध्यप्रदेश ने केंद्र की सभी योजनाओं का श्रेष्ठ क्रियान्वयन किया। इस पहल ने देश और प्रदेश में परिवर्तन का सूत्रपात किया। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम था, जिसने परिवार को छत दी। आप लाख कहें महिला के लिए उसके घर से बड़ी कोई चीज नहीं होती। यह बहुत भावनात्मक विषय है, जो सामान्य मन से समझ में नहीं आएगा। कोरोना संकट में देश और उसके नागरिकों की अभिभावक की तरह चिंता करके प्रधानमंत्री ने लोगों के मन में जगह बना ली। वैक्सीन से लेकर 80 करोड़ परिवारों को राशन ने स्त्रियों के मन में सरकार के प्रति भरोसा जगाया।

स्त्री कल्याण की योजनाएं मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को मामा के रूप में स्थापित कर गयीं। शिवराज जी मध्यप्रदेश में इसी लोकप्रियता के कारण अपनी सीट आठ लाख से ज्यादा मतों से जीते और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी सफलता मिली। भाजपा मध्यप्रदेश की सरकार सामाजिक कल्याण की योजनाएं और केंद्र की योजनाओं ने कमाल किया। भरोसा पैदा किया। मोदी ने 2014 में सत्ता में आते ही अपनी सरकार को गरीबों के कल्याण के समर्पित होने की घोषणा की थी। यह घोषणा बाद के 10 सालों में संकल्प सरीखी नजर आई। भरोसा जगाते हुए मोदी देश के दिल में उतरते चले गए। मध्यप्रदेश में नरेंद्र मोदी के प्रति गहरा प्रेम और सम्मान तब भी प्रकट हुआ, जब विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अभूतपूर्व जनादेश प्राप्त किया। इसके लिए पीएम ने सार्वजनिक मंच पर प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की पीठ भी ठोंकी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने साफ कहा कि महिला कल्याण की कोई योजना बंद नहीं होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी लालड़ी बहना योजना को चुनावों में प्रभावित करने वाला बताते हैं।

संसद और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण बिल पास करवाना भी केंद्र सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि रही। लंबे समय से लंबित यह बिल अनेक सरकारों के प्रयास के बाद भी पास नहीं हो सका था। मोदी सरकार की स्त्री मुद्दों पर प्रतिबद्धता भी इससे जाहिर हुई। साथ ही इस संसदीय चुनाव में देश में भाजपा ने 69 महिलाओं को टिकट दिया। कांग्रेस ने 41 महिला प्रत्याशी उतारे।? संकेत और संदर्भ राजनीति को प्रभावित करते हैं। ऐसे में भाजपा की ओर स्त्री शक्ति का आकर्षण सहज ही है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ग की महिलाओं में भाजपा की लोकप्रियता किसी अन्य दल से ज्यादा है। मोदी वैसे भी सामान्य रूप से सभी वर्गों के आकर्षण के केंद्र हैं। महिलाओं और युवाओं में उनकी लोकप्रियता बहुत है। सही मायनों में भारतीय लोकतंत्र में बढ़ती महिलाओं की हिस्सेदारी और उनका वोट प्रतिशत बड़े बदलाव का सूचक है। राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के चुनाव ने राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं को प्रेरित किया। नरेंद्र मोदी ने आकांक्षावान भारत की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर महिलाएं सदैव चिंतित रहती हैं। अपने विकास केंद्रित विजन से मोदी सरकार भविष्य के आत्मविश्वासी भारत की नींव रख चुकी है। भरोसा यहीं से आता है। महिलाएं जानती हैं यह मोदी की गारंटी है, पूरी होनी चाहिए। स्त्री शक्ति के इस सहयोग और आशीर्वाद के बाद मोदी सरकार की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ गई हैं, देखना है केंद्र सरकार आने वाले समय में इन प्रश्नों को किस तरह संबोधित करती है। फिलहाल तो देश की जनता और स्त्री शक्ति के जनादेश से सत्ता में आई एनडीए सरकार को शुभकामनाएं ही दी जा सकती हैं।

मध्यप्रदेश ने साबित किया है कि सत्ता और संगठन में समन्वय से ही अच्छे परिणाम पाए जा सकते हैं। महिलाओं को अपने साथ गोलबंद कर भाजपा ने अपना आधार मध्यप्रदेश में बहुत मजबूत कर लिया है। महिला आरक्षण बिल के बाद निश्चित ही आने वाले समय में राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए महिलाओं को आगे आना ही होगा। ऐसे में मध्यप्रदेश में होने वाले संगठनात्मक प्रयोग अन्य राज्यों के लिए भी सबक होंगे।

गठबंधन बनाम क्षेत्रीय दलों की राजनीति

प्रमोद भार्गव

दस साल बाद इस आम चुनाव में एक बार फिर क्षेत्रीय मुद्दों और क्षेत्रीय दलों का प्रभाव दिखाई दिया है। क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत स्थानीय मुद्दे और जातीयता होती है। देश के सबसे ज्यादा 80 संसदीय सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में मायावती, मुलायम सिंह और अखिलेश यादव को जब भी सत्ता का सुख मिला है, उसमें यही राजनीति के गुण शामिल रहे हैं। यही दक्षिण भारत के राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों का दबदबा देखने में आया। तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर राज्य की सभी 39 सीटों पर जीत दर्ज करा ली है। आप के साथ मिलकर कांग्रेस ने पंजाब में 10 सीटें इंडिया गठबंधन के खाते में डलवा दीं। पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय नेता ममता बनर्जी ने अपने जादू को बनाए रखा है। तृणमूल ने महिला और मुस्लिम मतदाताओं को साधकर 30 सीटों पर सफलता प्राप्त की। जबकि उसकी 2019 में 22 सीटें थीं। भाजपा को यहां 2019 में जीती 18 सीटों की तुलना में 2024 में 11 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। ममता ने बंगाल में इंडिया के साथ कोई गठबंधन भी नहीं किया था। वे अकेली चलीं और उन्होंने भाजपा के सीएए एवं संदेशखाली के मुद्दों को नाकाम कर दिया। तय है, ममता आगे भी क्षेत्रीय क्षत्रप बनी रहेंगी। वे अब सीएए और एनआरसी का भी संसद में अपने सांसदों से मुखर विरोध कराएंगी। भाजपा के चर्चित चेहरे सुरेश गोपी ने केरल में जीत दर्ज कर एक बड़ी कामयाबी दर्ज की है। भाजपा स्पष्ट बहुमत में जरूर नहीं है, लेकिन उसने अपनी पार्टी का विस्तार करते हुए ओडिशा में जबरदस्त दस्तक दी है। नवीन पटनायक के 24 साल से चले आ रहे राज को खत्म करके भाजपा ने जता दिया है कि वह पार्टी के देशव्यापी विस्तार के लिए संघर्ष करती रहेगी। ओडिशा में भाजपा को दोहरी खुशी मिली है। यहां उसने लोकसभा की 21 सीटों में से 20 सीटें जीतकर अप्रत्याशित ढंग से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा दी है। दूसरी तरफ भाजपा को यहां हुए विधानसभा चुनाव में भी स्पष्ट बहुमत मिल गया है। विधानसभा की कुल 147 सीटों में से भाजपा ने 78 सीटों पर विजय हासिल की है। नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को 51 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा की इस बड़ी जीत में यहां की मूल निवासी द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रपति बनाया जाना भी रहा है। नवीन पटनायक उम्रदराज होते जा रहे हैं और उन्होंने अपने दल के किसी नेता को अपने समकक्ष नहीं बनाने की बड़ी भूल की है। अतएव आगे यह पार्टी कितना चल पाएगी, कहना मुश्किल है।

दक्षिण भारत की सियासत : भाजपा का दबदबा बढ़ा

महेंद्र बाबू कुरुवा

भारत का बहुप्रतीक्षित आम चुनाव संपन्न हो गया है और भाजपा के नेतृत्व में राजग गठबंधन सरकार बन रही है। नरेंद्र मोदी कल तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। हालांकि उत्तर भारत में भाजपा को सीटों का भारी नुकसान हुआ, पर दक्षिण भारत में दिलचस्प वोटिंग पैटर्न उभरकर सामने आए हैं, जो वहां भाजपा की चुनावी बढ़त से स्पष्ट है। बेशक दक्षिण में मिली बढ़त उत्तर भारत में हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती, पर इस चुनाव में भाजपा के संबंध में दक्षिण की मतदान प्रवृत्ति का विश्लेषण एक ऐसी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो दक्षिण में पैठ बनाने की इच्छुक किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के लिए ध्यान देने योग्य है।

लंबे समय से दक्षिणी राज्यों में भाजपा को उत्तर भारतीय पार्टी माना जाता रहा है। तमाम प्रयासों के बावजूद कर्नाटक को छोड़कर यह दक्षिणी राज्यों में अपनी पैठ नहीं बना पाई। हालांकि 2019 में मोदी लहर में भी आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं जीत पाने के बाद भाजपा दक्षिण के प्रति गंभीर हो गई। इन तीनों राज्यों में भाजपा की हार के पीछे कई कारण थे। आंध्र में भाजपा के खिलाफ लोगों में काफी नाराजगी थी, क्योंकि उसने राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया और जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में किसी अन्य पार्टी के लिए राज्य के चुनावी मैदान में उतरने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी थी। तमिलनाडु में पारंपरिक रूप से द्रविड़ पार्टियों की राजनीति हावी रही है। यहां तक कि केरल में भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति भी उल्टी पड़ गई और भाजपा द्वारा उठाए गए सबरीमाला मुद्दे का ज्यादातर लाभ केरल कांग्रेस को मिला।

मगर 2024 के आम चुनाव में चीजें बदल गईं। दक्षिण भारत की 130 सीटों में से भाजपा ने 29 सीटें हासिल कीं, जिनमें से तीन आंध्र प्रदेश में, 17 कर्नाटक में, आठ तेलंगाना में और एक सीट केरल में है। आंध्र प्रदेश में पार्टी का वोट शेयर 2019 के 0.98 फीसदी से बढ़कर अब 11.28 फीसदी हो गया है। यह पूर्व राजग सहयोगी एवं तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के साथ समझौते के कारण हुआ, जो अब केंद्र में %किंग मेकर% बन गए हैं। आंध्र में भाजपा की वापसी का कारण उसके दूसरे सहयोगी और जनसेना पार्टी के फिल्म स्टार पवन कल्याण द्वारा हासिल भारी युवा वोट भी हैं। आंध्र प्रदेश से सटे तेलंगाना में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्थिति खराब हो गई थी, लेकिन आम चुनाव में यह पूरी ताकत के साथ उभर कर सामने आई है। भाजपा ने तेलंगाना की छह में से तीन सीटें हासिल कीं, इसने बीआरएस को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। बूथ स्तर पर अपना स्वयं का पार्टी कैडर तैयार करने के लगातार प्रयासों का नतीजा है कि भाजपा का वोट शेयर 2019 के 19.65 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 35.08 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा, राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना के किसानों से कर्ज माफी का वादा पूरा नहीं करने का लाभ भी भाजपा को मिला।

देवताओं का अपना देश कहे जाने वाले केरल में खाता खोलने का भाजपा का लंबे समय का सपना पूरा हो गया, क्योंकि पार्टी के प्रत्याशी ने त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। पार्टी ने कट्टर हिंदुत्व के अपने एजेंडे से विकास की तरफ अपना रुख मोड़ दिया, जिससे उसका वोट शेयर 2019 के 13 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 16.68 प्रतिशत हो गया। भाजपा को तमिलनाडु से काफी उम्मीदें थीं, क्योंकि उसके युवा राज्य प्रमुख अन्नामलाई पूर्व आईपीएस हैं और पार्टी ने उन्हें खुली छूट दे रखी है। लेकिन कद्दावर नेताओं के बार-बार दौरे, भाजपा की केंद्रीय इकाई द्वारा तमिल संस्कृति एवं परंपरा पर जोर दिए जाने तथा %कच्चातिवु% मुद्दे को उठाने के बावजूद पार्टी वहां सीट नहीं जीत सकी। हालांकि 2019 के 3.66 फीसदी के मुकाबले उसका वोट शेयर बढ़कर 2024 में 11.24 फीसदी जरूर हो गया, जो कि तीन गुना ज्यादा है। भाजपा द्वारा हासिल यह वोट शेयर 1999 से भी ज्यादा है, जब वह राज्य में अपने चरम पर थी और उसने तीन सीटें जीती थीं। यह दर्शाता?है कि भाजपा ने द्रविड़ पार्टियों के वोट शेयर में सेंध लगा दी है, खासकर अन्नाद्रमुक के वोट शेयर में, जो पार्टी सुप्रीमो जयललिता के निधन के बाद बदहाल है। हालांकि द्रमुक के वोट शेयर में सेंध लगाना मुश्किल है, जिसने राज्य की 39 में से 22 सीटों पर जीत दर्ज की है।

कर्नाटक का परिणाम अजीबोगरीब रहा, जहां भाजपा का वोट शेयर 2019 के 51.38 से घटकर इस बार 46.06 फीसदी रह गया है। जद (एस) के साथ गठजोड़ करना भी भाजपा को भारी पड़ गया, जद (एस) प्रज्वल रेवन्ना से संबंधित विवादों के कारण राज्य के वोट पैटर्न में जबर्दस्त बदलाव दिखा। वर्ष 1996 के बाद यह पहली बार था, जब राज्य के दोनों प्रमुख समुदाय-वोकालिंगा एवं लिंगायत भाजपा के साथ थे। इस तरह, भले ही भाजपा ने सीटें हारी हों, लेकिन उसे कुछ अप्रत्याशित समुदायों का वोट मिला है।

दक्षिण में भाजपा के समग्र प्रदर्शन से कोई भी राष्ट्रीय पार्टी चार सबक सीख सकती है। पहला, दक्षिण भारत कोई एक इकाई नहीं है, जैसा कि कई उत्तर भारतीय मानते हैं। हर राज्य के अपने सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक होते हैं, जो मतदान को प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि दक्षिण के प्रत्येक राज्य में भाजपा ने वोट शेयर और जीती गई सीटों के मामले में विरोधाभासी प्रदर्शन किया है। दूसरा, कोई भी राष्ट्रीय पार्टी दक्षिण की क्षेत्रीय पार्टियों की अनदेखी नहीं कर सकती। तेदेपा एवं जद (एस) ने इसे एक बार फिर साबित किया है।

प्राण प्रतिष्ठा के तुरंत बाद चुनाव न कराकर भाजपा ने की गलती!

विनोद पाठक

4 जून को जैसे-जैसे ईवीएम खुल रही थीं और वोटों की गिनती हो रही थी, वैसे-वैसे भारतीय जनता पार्टी बहुमत के जादुई आंकड़े से पिछड़ती जा रही थी, तब एक विचार भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में जरूर आ रहा था, काश! अयोध्या में भागवान राम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ठीक बाद फरवरी-मार्च में लोकसभा चुनाव करा लिए जाते तो पार्टी को राम मंदिर की लहर का भरपूर लाभ मिलता। वो बहुमत का आंकड़ा स्वयं अपने बल पर हासिल कर लेती। यह विचार अब इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पिछले साल नवंबर-दिसंबर में सोशल मीडिया पर यह चर्चा बहुत तेजी से चली थी।

दरअसल, उन चर्चाओं में कहा जा रहा था कि 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा भंग कर नए चुनावों की सिफारिश राष्ट्रपति से करने वाले हैं। इस चर्चा का शुरुआत में सरकार की ओर से कोई खंडन नहीं आया। हालांकि कई दिनों की चर्चा के बाद नरेंद्र मोदी सरकार के कुछ मंत्रियों ने जल्दी चुनाव के इस विचार को खारिज किया। तब यही कहा गया था कि मोदी 2.0 सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और समय पर चुनाव होंगे।

वैसे आज की परिस्थितियों को देखकर लगता है कि भाजपा ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के तुरंत बाद लोकसभा चुनाव नहीं कराकर बड़ी राजनीतिक भूल की है, क्योंकि उस समय देश में राम मंदिर को लेकर एक लहर दौड़ रही थी। हर घर पर भगवा लहरा रहा था। लोग दीपावली मना रहे थे। फिर दिसंबर में भाजपा तीन बड़े राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में बहुमत के साथ सरकार में लौटी थी। तीनों राज्यों में भाजपा को अच्छा समर्थन मिला था। हालांकि, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तो भाजपा ने उस समर्थन को सीटों में तब्दील कर लिया है, लेकिन राजस्थान में पार्टी हैट्रिक लगाने से चूक गई।

दरअसल, राज्य में 25 में से 11 सीटें पार्टी हार गई है। फरवरी में चुनाव कराने का सबसे अधिक लाभ राजस्थान में मिल सकता था, क्योंकि राम मंदिर के लिए सर्वाधिक चंदा यदि किसी राज्य से आया तो वो राजस्थान है। राम मंदिर की लहर में जाति की राजनीति भी पीछे छूट जाती। उस दौरान इंडी गठबंधन केवल बैठकों में जुटा था। गठबंधन में किसी एक मुद्दे पर सहमति नहीं बन पा रही थी।

नरेंद्र मोदी का समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने का फैसला इंडी गठबंधन को हैरान कर देता। इंडी गठबंधन को चुनावी तैयारी का खास मौका नहीं मिल पाता। उसका विश्वास डगमगा जाता। दूसरा, कांग्रेस ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण पत्र ठुकरा दिया था। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव समेत कई अन्य दलों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में न जाने का निर्णय लिया था। उस समय इन पार्टियों की छवि हिंदू विरोधी होने का प्रचार भाजपा कर रही थी।

दरअसल, राम मंदिर भाजपा के उन तीन प्रमख मुद्दों में शामिल रहा है, जिन्हें लेकर पार्टी अपने गठन के साथ संकल्प पत्र में शामिल करती आ रही है। जम्मू- कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का वादा पूरा होने के बाद राम मंदिर पर पार्टी ने पूरा दांव लगाया था। जनता भी इस बात से खुश थी कि 500 साल की लड़ाई के बाद अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हो रहा है।

अयोध्या में विकास की कई योजनाएं सरकार चला भी रही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार धार्मिक पर्यटन पर बहुत जोर दे रही है। यदि फरवरी-मार्च में चुनाव हो जाते हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव वोटरों पर पड़ता। उस समय अयोध्या के साथ मथुरा और काशी की बात तेजी से उठ रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पहुंचे थे। वो पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने जन्मभूमि जाकर भगवान के दर्शन किए। यही वो समय था, जब काशी में ज्ञानव्यापी को लेकर भी कोर्ट में केस गर्माया हुआ था। तीनों मंदिरों को लेकर एक ज्वार देश में आया हुआ था।

फरवरी-मार्च में लोकसभा चुनाव का लाभ सर्वाधिक उत्तर प्रदेश में मिलता, जहां अभी भाजपा की पिछले तीन चुनावों में सबसे बुरी तरह हार हुई है। वो 33 सीटों पर सिमट कर रह गई है। यदि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ठीक बाद चुनाव और अब चुनाव का आकलन करें तो स्पष्ट हो जाता है कि तब भाजपा वर्ष 2014 वाला करिश्मा दोहरा सकती थी, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, लोगों के जहन से राम मंदिर का मुद्दा ओझल होता चला गया। इंडी गठबंधन को न केवल तैयारियों के लिए अतिरिक्त समय मिला, बल्कि आरक्षण, संविधान जैसे मुद्दों पर उसने वोटरों का रुख अपनी ओर भी कर लिया।

हालांकि, समय से पूर्व लोकसभा चुनाव न कराने के पीछे नरेंद्र मोदी के आगे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण भी रहा होगा। वर्ष 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी ने दिसंबर 2003 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनावों में जीत से उत्साहित होकर समय से पूर्व लोकसभा चुनाव कराने का जोखिम लिया था। तब पार्टी को शाइनिंग इंडिया कैंपन पर बहुत अधिक भरोसा था। आज की तरह उस समय भी भाजपा अति आत्मविश्वास से लबरेज थी।

तब अटल बिहारी वाजपेयी वर्ष 1999 के चुनाव वाला करिश्मा नहीं दोहरा पाए थे और पार्टी सत्ता से बाहर हो गई थी। फिर अगले एक दशक तक भाजपा सत्ता में लौट नहीं सकी। वर्ष 2004 में तत्कालीन उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने को पार्टी हित में बताया था। वर्ष 2004 की हार से अटल बिहारी वाजपेयी उभर नहीं सके थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात पर अब मंथन कर रहे होंगे कि यदि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया फरवरी-मार्च में संपन्न कर ली जाती है तो पार्टी अच्छी स्थिति में रहती और तीसरी बार बहुमत के साथ वो सत्ता में वापसी करते। उन्हें गठबंधन के साथियों पर निर्भर नहीं होना पड़ता। जिन बड़े फैसलों की चर्चा वो चुनाव के दौरान कर रहे थे, उन्हें वो खुलकर लागू करा पाते। अब उन्हें हर फैसले को लेकर सहयोगी दलों पर आश्रित होना पड़ेगा।

समय से पूर्व लोकसभा चुनाव न कराने की गलती भाजपा को बहुत भारी पड़ी है। यहां तक वो अयोध्या की सीट तक हार गई, जिसका मनोवैज्ञानिक दबाव निश्चित रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर पड़ रहा है।

इस रणनीति के बूते ममता ने हासिल की जीत

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव की तर्ज पर ही एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी का ही जादू चला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की उम्मीदों को यहां जोरदार झटका लगा है। कहां तो पार्टी के तमाम नेता 42 में से 35 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे और कहां वह अपनी पिछली सीटें भी बचाने में नाकाम रही है। दरअसल, भाजपा के खिलाफ मुकाबले में ममता बनर्जी शुरू से ही एक ठोस रणनीति पर आगे बढ़ रही थी। उन्होंने इसी रणनीति के तहत यहां इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों-कांग्रेस और सीपीएम के साथ हाथ मिलाने की बजाय अकेले तमाम सीटों पर लड़ने का फैसला किया था। आखिरकार उनका फैसला सियासी तौर पर बेहद फायदेमंद साबित हुआ है। बंगाल में भाजपा की ओर से उठाए गए मुद्दे बेअसर साबित हुए हैं। पार्टी ने संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं की ओर से महिलाओं के यौन उत्पीड़न को अपना सबसे बड़ा मुद्दा बनाया था। वह इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस और उसकी सरकार के खिलाफ आक्रामक तरीके से प्रचार कर रही थी। पार्टी ने एक कथित पीड़िता को ही इलाके की बशीरहाट सीट पर अपना उम्मीदवार बनाया था। लेकिन राजनीति में पहली बार कदम रखने वाली उस महिला को बारी पराजय का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे पर एक स्टिंग वीडियो ने रातोंरात पूरी तस्वीर ही पलट दी। उसमें भाजपा के स्थानीय नेता को यह कहते हुए दिखाया गया था कि पूरा मामला सुनियोजित है और महिलाओं को पैसे देकर रेप और उत्पीड़न की फर्जी शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। उसके बाद ममता बनर्जी ने इस मामले को बंगाल की महिलाओं की अस्मिता से जोड़ते हुए इसे अपने सियासी हित में भुनाना शुरू किया और उनको इसका फायदा भी मिला। संदेशखाली मुद्दे की धार कुंद करने के लिए पार्टी ने यहां अपने पिछले उम्मीदवार नुसरत जहां को भी बदल दिया था। भाजपा ने करोड़ों मतुआ वोटरों को ध्यान में रखते हुए चुनाव से ठीक पहले जिस नागरिकता संशोधन कानून को लागू किया था उसके खिलाफ ममता भ्रामक माहौल बनाने में कामयाब रहीं। उन्होंने इसे नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस से जोड़ दिया। इसी वजह से मतुआ वोटरों ने इसके तहत नागरिकता का आवेदन ही नहीं किया। अब तक महज आठ लोगों को इस कानून के तहत नागरिकता हासिल की है। भाजपा को उम्मीद थी कि इससे उसे एक करोड़ से ज्यादा मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिलेगा। मतुआ समुदाय राज्य की कम से कम पांच सीटों पर निर्णायक स्थिति में है। शिक्षक भर्ती घोटाला समेत तमाम घोटाले भी तृणमूल कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं पर कोई खास असर नहीं डाल सके। इस उलट पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, युवाश्री और सबूज साथी जैसी कल्याण मूलक योजनाओं का खासकर ग्रामीण इलाकों में गहरा असर नजर आया। भाजपा हर चरण से पहले अपने मुद्दे बदलती रही। उसका कोई भी मुद्दा स्थायी नहीं रहा और नतीजों से साफ है कि आम वोटरों पर उनका कोई खास असर नहीं हो सका। पार्टी के एक नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने महज शुभेंदु अधिकारी पर भरोसा कर गलती की। इसके अलावा दलबदलुओं को टिकट देकर पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई। साथ ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष की सीट बदल दी गई। इससे पार्टी में असंतोष फैला। इसी वजह से पार्टी के मजबूत गढ़ माने जाने वाले उत्तर बंगाल में भी उसे झटका लगा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव की तरह इस बार भी चुनाव मोदी बनाम ममता था। लेकिन लोगों ने मोदी की गारंटी का नकारते हुए ममता के वादों और उनकी सरकार की योजनाओं के प्रति ही पहले से मजबूत भरोसा जताया है।

केरल के इस अनोखे में मंदिर में सांपों की होती है पूजा, निसंतान दंपति को मिलता है संतान सुख

हिंदू धर्म में नागों को पूजनीय माना जाता है। बता दें कि केरल के हरिपद के जंगलों में स्थित प्राचीन मन्नारसाला मंदिर नागों को समर्पित है। इस मंदिर को लेकर अपनी मान्यताएं और लोकप्रियता है। यह मंदिर विश्व स्तर पर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। इस मंदिर में आपको नागराज और देवी नागयक्षी की अनोखी प्रतिमा देखने को मिलेगी। इस मंदिर का इतिहास भगवान परशुराम से जुड़ा है। भगवान परशुराम ने केरल की भूमि को समुद्र से प्राप्त किया और फिर इस भूमि को ब्राह्मणों को दान कर दिया। यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला और समृद्ध इतिहास के लिए फेमस है।

मंदिर की खासियत- आपको बता दें कि केरल के मन्नारशाला मंदिर में 1,00,000 से ज्यादा सांपों की प्रतिमाएं या छवियां स्थापित हैं। मन्नारशाला मंदिर मुख्य रूप से नागराज और उनकी अर्धांगिनी नागायक्षी देवी को समर्पित है। इस मंदिर में नागराज और देवी नागयक्षी की अनोखी प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर के दर्शन के लिए देश से ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग आते हैं। मन्नारशाला मंदिर 16 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। इस मंदिर की पुजारी महिला होती है। जिनको मन्नारशाला अम्मा के नाम से जाना जाता है। मंदिर की पुजारी यानी की मुख्य पद इल्लम की सबसे वरिष्ठ महिला को दिया जाता है।

मंदिर का इतिहास- मन्नारशाला मंदिर का इतिहास भगवान श्रीहरि विष्णु के छठवें अवतार परशुराम से जुड़ा है। परशुराम को केरल का निर्माता माना जाता है। बताया जाता है कि केरल की भूमि को परशुराम ने ब्राह्मणों को दान कर दिया था। इस स्थान पर कई जहरीले सांप पाए जाते थे, जिस कारण लोगों का वहां रहना मुश्किल था। तब भगवान परशुराम ने शिव-शंकर की कठोर तपस्या कर प्रसन्न किया था। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनको सांपों के राजा नागराज की पूजा करने की सलाह दी थी। जिससे कि मिट्टी में सांपों का जहर फैल जाए और भूमि उपजाऊ हो जाएगी। महादेव के कहे मुताबिक परशुराम भगवान ने मन्नारसला में नागराज की मूर्ति स्थापित की और फिर अनुष्ठान करने के लिए एक ब्राह्मण परिवार को नियुक्त किया। आज भी उस परिवार के लोग इस मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। इन्हें इल्लम नाम से जाना जाता है।

मान्यता- मान्यता के अनुसार, जिस भी दंपति इस मंदिर में संतान की कामना लेकर जाते हैं। उसे संतान सुख प्राप्त होता है। बता दें कि मन्नारसला मंदिर में कई त्योहारों का धूमधाम से आयोजन होता है। इस दौरान भक्तों और पर्यटकों की मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। मलयालम महीने थुलम में पड़ने वाला मन्नारसाला अयिल्यम त्योहार सबसे ज्यादा अहम माना जाता है। वहीं यह पर्व सर्पबली के साथ समाप्त होता है। वहीं इस दौरान मंदिर जाने वाले निसंतान दंपति को संतान की प्राप्ति होती है और नाग देवता का आभार व्यक्त करते हैं।

16 जून को गंगा दशहरा

मां गंगा के स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण का पौराणिक महत्व अनेक धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है। पुराणों के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ल दशमी, हस्त नक्षत्र में देवी गंगा शिवजी की जटाओं से निकलकर धरती पर आई थीं। इस कारण से इस दिन को उनके नाम से गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। इस बार गंगा दशहरा 16 जून को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि इस दिन गंगा सेवन यानी गंगा स्नान करने से अनजाने में हुए पाप और कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। इस पवित्र नदी में स्नान करने से दस प्रकार के पाप नष्ट होते हैं।

गंगा स्नानान का महत्व- स्कंदपुराण के अनुसार गंगा दशहरे के दिन व्यक्ति को किसी भी पवित्र नदी पर जाकर स्नान, ध्यान तथा दान करना चाहिए, इससे वह अपने सभी पापों से मुक्ति पाता है। यदि कोई मनुष्य पवित्र नदी तक नहीं जा पाता, तब वह अपने घर के पास की किसी नदी पर माँ गंगा का स्मरण करते हुए स्नान करे और यह भी संभव नहीं हो तो माँ गंगा की कृपा पाने के लिए इस दिन गंगाजल का स्पर्श और सेवन अवश्य करना चाहिए।विष्णु पुराण में लिखा है कि गंगा का नाम लेने, सुनने, उसे देखने, उसका जल पीने, स्पर्श करने, उसमें स्नान करने तथा सौ योजन (कोस) से भी गंगा नाम का उच्चारण करने मात्र से मनुष्य के तीन जन्मों तक के पाप नष्ट हो जाते हैं। मत्स्य, गरुड़ और पद्म पुराण के अनुसार हरिद्वार, प्रयाग और गंगा के समुद्र संगम में स्नान करने से मनुष्य मरने के बाद स्वर्ग पहुंच जाता है और फिर कभी पैदा नहीं होता यानी उसे निर्वाण की प्राप्ति हो जाती है।गंगा में स्नान करते समय स्वयं श्री नारायण द्वारा बताए गए मन्त्र- नमो गंगायै विश्वरूपिण्यै नारायण्यै नमो नमः का स्मरण करने से व्यक्ति को परम पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगा में स्नान करते समय स्वयं श्री नारायण द्वारा बताए गए मन्त्र नमो गंगायै विश्वरूपिण्यै नारायण्यै नमो नमः का स्मरण करने से व्यक्ति को परम पुण्य की प्राप्ति होती है।

झारखंड के इस मंदिर में पूरे साल होते रहते हैं मांगलिक कार्य,

भगवान शिव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वह अपने भक्तों से बहुत जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। इनकी पूजा काफी ज्यादा फलदायी मानी जाती है। भगवान शिव की पूजा में बहुत अधिक सामग्री की आवश्यकता नहीं होता है। मान्यता है कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन से भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करता है, उसके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और घर में संपन्नता बनी रहती है। झारखण्ड के देवघर नामक स्थान में भगवान शिव को समर्पित बाबा बैद्यनाथ मंदिर है। मान्यता है कि इस मंदिर में किसी भी अशुभ ग्रह, तिथि और खरमास के समय का अशुभ प्रभाव नहीं पड़ता है। यहां पर पूरे साल पूजा, मुंडन और विवाह आदि जैसे शुभ कार्य किए जाते हैं। बताया जाता है कि भगवान शिव के इस पवित्र धाम में पूरे साल मांगलिक कार्य करने के लिए शुभ तिथि व मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती है। आपने सभी शिव मंदिरों के शिखर पर त्रिशूल देखा होगा, लेकिन बाबा बैद्यनाथ एक मात्र ऐसा मंदिर है। जहां पर त्रिशूल की जगह पर पंचशूल विराजमान है। पंचशूल को बैद्यनाथ मंदिर का सुरक्षा कवच माना जाता है। बता दें कि महाशिवरात्रि से ठीक एक दिन पहले विधि-विधान से मंदिर के शिखर पर पंचशूल स्थापित किया जाता है।

प्रयागराज के इस मंदिर में पूरी होती संतान प्राप्ति की इच्छा, श्रीराम के जन्म से जुड़ा है इसका इतिहास

भारत देश में कई फेमस और प्राचीन मंदिर हैं। इन मंदिरों में विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमा है, जिनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने का नियम है। वहीं कुछ ऐसे मंदिर भी हैं, जो अपने आप स्थापित हैं और कई मंदिरों का निर्माण कराया गया है। इन मंदिरों को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं। इन्हीं में से एक मंदिर श्रृंगवेरपुर धाम है। कहा जाता है कि इस मंदिर में निसंतान दंपतियों को संतान सुख की प्राप्ति होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के इतिहास के बारे में बताने जा रहे हैं।

श्रृंगवेरपुर धाम- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में श्रृंगवेरपुर धाम है। यह मंदिर गंगा नदी के तट पर सिंगरौर नामक कछार में स्थित है। बताया जाता है कि इस जगह का संबंध श्रीराम के जन्म और वनवास काल से जुड़ा है। साथ ही यहां पर निषादराज गुहा का स्थान है, जिसने वनवास के दौरान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण को गंगा नदी पार करवाई थी। यह एक फेमस तीर्थ स्थल है। इस मंदिर में प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अलावा निषादराज गुह व देवी शांता की प्रतिमा है।

श्रृंगवेरपुर धाम का भगवान राम से संबंध- भगवान राम से जन्म से इस मंदिर का गहरा नाता है। श्रृंगवेरपुर में श्रृंगी ऋषि का आश्रम हुआ करता था। वहीं अयोध्या के महाराज दशरथ के तीनों रानियों के कोई संतान नहीं थी। तब महाराज दशरथ ने श्रृंगी ऋषि के कहने पर संतान प्राप्ति के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया। इस यज्ञ में खीर बनवाई गई। जिसे उनकी तीनों रानियों कौशल्या, सुमित्रा और कैकेई ने प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। जिसके बाद महाराज दशरथ को श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के रूप में चार पुत्र प्राप्त हुए।

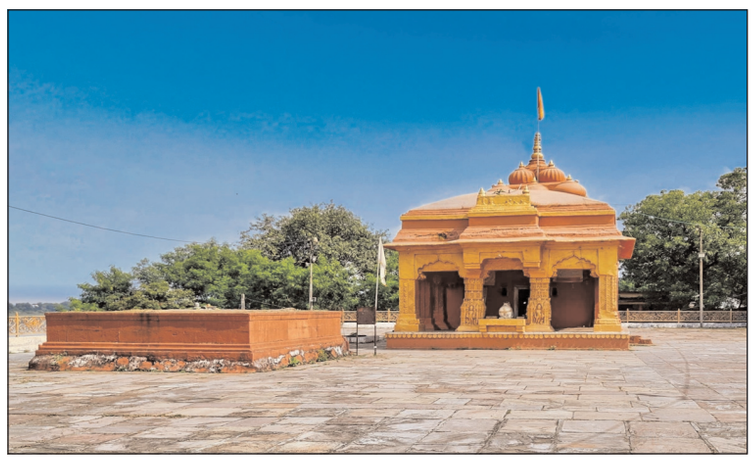

मंदिर का श्रीराम के वनवास से संबंध- पौराणिक कथा के मुताबिक जब श्रीराम, मां सीता और लक्ष्मण वनवास जा रहे थे। तब वह तीनों श्रृंगवेरपुर पहुंचे। यहां से उनको गंगा नदी के पार जाना था, लेकिन उस समय नदी में बाढ़ आई थी, जिस कारण नाव चलाना मुश्किल था। वहां पर एक गुहा नामक निषाद राज रहता था। वह लोगों को नदी पार करवाने का काम करता था।

जब श्रीराम ने गुहा से उनको नदी पार करवाने का आग्रह किया तो उसने इंकार कर दिया। गुहा का कहना था कि बाढ़ के चलते नाव चलाना मुश्किल है। हालांकि गुहा के मन में डर था कि कहीं नाव पर श्रीराम के पैर पड़ते उसकी नाव स्त्री न बन जाए। क्योंकि इससे पहले श्रीराम ने पत्थर की शिला बनी अहिल्या का उद्धार किया था।

नदी पार कराने और नाव में श्रीराम, सीता और लक्ष्मण को चढ़ाने के लिए निषादराज ने एक शर्त रखी। गुहा ने कहा कि जब श्रीराम उसको अपने चरण धोने की अनुमति देंगे। जिसके बाद निषादराज ने श्रीराम के चरण धोकर उस जल को पी लिया। फिर गुहा ने श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता को गंगा नदी पार करवाई।

पूरी होती है संतान सुख की कामना- मान्यता के अनुसार, जो भी जातक इस मंदिर में संतान प्राप्ति की इच्छा से आते हैं, उनकी मनोकामना पूरी होती है। बताया जाता है कि अयोध्या के महाराज दशरथ ने भी इसी मंदिर में पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ करवाया था।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें ये कारगर उपाय, घर आएगी सुख-समृद्धि

ज्येष्ठ माह में आने वाली पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक दृष्टिकोण से यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन स्नान के दिन गंगा स्नान करने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन, गंगा या फिर किसी पवित्र नदी में स्नान करें। इसके बाद किसी ब्राह्मण को चंद्रमा से जुड़ी चीजें जैसे सफेद वस्त्र, शक्कर, चावल, दही या फिर चांदी का दान करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा शुभ मुहूर्त - ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि का शुभारंभ 21 जून 2024 को प्रात: 06 बजकर 01 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 22 जून 2024 को प्रात: 05 बजकर 07 मिनट पर होगा। ऐसे में ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत 21 जून, शुक्रवार को किया जाएगा और स्नान-दान 22 जून, शनिवार के दिन किया जाएगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपाय - ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा निकलने के बाद एक बर्तन में दूध भरकर उसमें चीनी और कच्चे चावल मिलाकर चंद्रमा को अर्घ्य देना चाहिए और इस दौरान चंद्रमा मंत्र का जाप करना चाहिए। माना जाता है कि इससे आर्थिक परेशानियां दूर होंगी और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कैसे पाएं देवी लक्ष्मी की कृपा से लाभ- पूर्णिमा के दिन 11 कौड़ियों को लाल कपड़े में लपेटकर मंदिर में देवी लक्ष्मी के चरणों में रखा जाता है। इसके बाद मां लक्ष्मी की पूजा करें और चौकी पर हल्दी या केसर से तिलक करें। थोड़ी देर बाद ढक्कन हटाकर अपने कपड़ों के साथ तिजोरी में रख देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और घर में धन की कमी नहीं होती है। उसी कौड़ी को दोबारा निकालकर उसकी पूजा करें और वापस तिजोरी में रख दें।

इच्छा पूरी करने के लिए- यदि आपके मन में ऐसा है तो आपको ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन चंद्र देव की पूजा करनी चाहिए और दूध में शहद और चंदन मिलाकर चंद्रमा को अर्घ्य देना चाहिए। माना जाता है कि इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाएंगी।

पीपल पर जल दें- ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर पीपल के पेड़ को मिठाई और जल चढ़ाना चाहिए। इससे आपके जीवन की परेशानियां दूर होंगी और मां लक्ष्मी की कृपा भी होगी

बकरीद 17 जून को

जानें क्यों दी जाती है कुर्बानी

मुस्लिम समुदाय के सबसे बड़े त्योहारों में से एक बकरीद है जिसे ईद-उल-अजहा के नाम से जाना जाता है। इस साल ये त्योहार 17 जून 2024 को मनाई जाएगी। भारत में जिलहिज्जा का चांद दिखने के बाद भारत के कई मुस्लिम धर्मगुरुओं ने 17 जून को बकरीद मनाने की घोषणा कर दी थी। इस त्योहार में बकरे की कुर्बानी दी जाती है, यही वजह है कि इसे बकरा ईद भी कहते हैं।

क्यों दी जाती है कुर्बानी? - यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम (अब्राहिम) की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, पैगंबर इब्राहिम को नींद में आए एक सपने में अल्लाह ने अपने किसी सबसे प्रिय चीज को कुर्बान करने को कहा। इसके बाद पैगंबर इब्राहिम बहुत सोच में पड़ गए आखिर क्या कुर्बान किया जा सकता है? बहुत सोचने विचारने के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि उनके लिए सबसे प्रिय उनका बेटा है। ऐसे में अब उन्होंने अपने बेटे की कुर्बानी देने का मन बना लिया। जब अपने बेटे को कुर्बानी के लिए लेकर जा रहे थे तो उनके रास्ते में एक शैतान मिला जो बोला कि आप अपने बेटे का बली क्यों दे रहे हैं। अगर आपको देना ही है तो किसी जानवर की बली दे दीजिए। इस बात पर पैगंबर इब्राहिम ने बहुत देर तक सोचा और फिर इस नतीजे पर पहुंचे कि अगर मैं अपने बेटे की बजाय किसी और का कुर्बानी देता हूं तो ये अल्लाह के साथ धोखा करना होगा। इसलिए उन्होंने बेटे को ही कुर्बान करने का निर्णय लिया। जब बेटे की कुर्बानी देने की बारी आई तो उनके पिता होने का मोह उन्हें परेशान करने लगा। इसलिए पैगंबर इब्राहिम ने आंखों पर पट्टी बांधकर उसके बाद अपने बेटे की कुर्बानी दी। मगर हैरान करने वाली बात ये थी की जब उन्होंने अपनी आंखों से कपड़े की पट्टी हटाई तो देखा की उनका बेटा सही सलामत खड़ा है और बेटे की जगह पर किसी बकरे की कुर्बानी हो गई है। इसी घटना के बाद से मुस्लिम समुदाय में बकरा कुर्बान करने का चलन शुरू हो गया।

ईद-उल-अजहा की तैयारियां- ईद-उल-अजहा की तैयारियां कई दिन पहले से शुरू हो जाती हैं। लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं, और स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं। ईद के दिन लोग नमाज अदा करते हैं, एक दूसरे को बधाई देते हैं और मिठाइयां बांटते हैं।

सदा अपने भक्तों के प्रेमपाश में बँधे हुए रहते हैं भगवान

शुकदेव जी कहते हैं— परीक्षित! भगवान सर्वदा अपने भक्तों के अधीन रहते हैं। वे कहते हैं कि, मेरे सीधे-सादे भक्तों ने मुझे अपने प्रेमपाश में बाँध रखा है। अपने प्रिय भक्तों का एकमात्र आश्रय मैं ही हूँ। अत: मैं स्वयं अपने व देवी लक्ष्मी से भी बढ़कर अपने भक्तों को चाहता हूँ।

तापत्रयविनाशाय श्रीकृष्णाय वयंनुम:॥

परम हंस श्री शुकदेव जी महाराज परीक्षित से कहते हैं, हे परीक्षित ! जब ऋषि दुर्वासा सुदर्शन चक्र के ताप-संताप से मुक्त हो गए और उनका चित्त स्वस्थ हो गया, तब वे राजा अंबरीश को अनेकानेक उत्तम आशीर्वाद देते हुए उनकी प्रशंसा करने लगे।

स मुक्तोस्त्राग्नितापेनदुर्वासा: स्वस्तिमांस्तत:
प्रशशंस तमुर्वीशम युञ्जान: परमाशिष: ॥

दुर्वासा जी ने कहा- धन्य है भगवान के भक्त ! आज मैंने भगवान के प्रेमी भक्तों की महिमा देख ली।

हे राजन ! मैंने आपका इतना बड़ा अपराध किया, फिर भी आप मेरे लिए मंगल-कामना ही कर रहे हैं। हे महाराज अंबरीश! आप भक्त शिरोमणि हैं, आपका हृदय करुणाभाव से परिपूर्ण है। आपने मेरे ऊपर महान अनुग्रह किया, आपने मेरे अपराध को भुलाकर मेरे प्राणों की रक्षा की।

राजा अंबरीश ने दुर्वासा जी के चरण पकड़ लिए और निवेदन किया- महाराज ! ऐसी उल्टी गंगा मत बहाइए। पहले चलकर प्रसाद पा लीजिए ताकि मैं भी पारण कर सकूँ। दुर्वासा जी ने पूछा, तो क्या अभी तक तुमने भोजन नहीं किया है? महाराज मैं आपको निमंत्रित कर चुका था। आपको पहले पवाए बिना कैसे पाता। दुर्वासा जी बोले- राम-राम अनर्थ हो गया। मैं तो सोच रहा था कि तुम प्रसाद पाकर बैठे हो। इस प्रकार अंबरीश जी आतिथ्य सत्कार में एक वर्ष तक भूखे-प्यासे ही बैठे रहे। राजा अंबरीश बड़े ही आदर से अतिथि के योग्य सब प्रकार की भोजन सामग्री ले आए और प्रेम से दुर्वासा जी को भोजन करवाया। दुर्वासाजी भोजन करके तृप्त हो गए। अब उन्होने आदर से कहा- हे राजन! अब आप भी भोजन कीजिए। हे राजन ! आप भगवान के परम प्रेमी भक्त हैं। आपके दर्शन, स्पर्श, बातचीत और मन को भगवान की ओर प्रवृत्त करने वाले आतिथ्य सत्कार से मैं अत्यंत प्रसन्न और अनुगृहीत हुआ हूँ। स्वर्ग की देवांगनाएँ बार-बार आपके इस उज्ज्वल चरित्र का गुण-गान करेंगी। यह परम पवित्र पृथ्वी भी आपकी परम पुण्यमई कीर्ति का संकीर्तन करती रहेगी। ऐसा कहकर राजा अंबरीश के गुणों की प्रशंसा करते हुए दुर्वासाजी आकाश मार्ग से उस ब्रह्मलोक की यात्रा पर निकल गए जो केवल निष्काम कर्म से ही प्राप्त होता है।

प्रीतोह्यस्म्यनुगृहितोस्मि तव भागवतस्य वै
दर्शनस्पर्शनालापै: अतिथ्येनात्म मेधसा ॥
एवं संकीर्त्य राजानं दुर्वासा: परितोषित:
ययौ विहायसाह्यह्यमंत्र्य ब्रह्मलोक महैतुकम ॥

शुकदेव जी कहते हैं– हे परीक्षित! जब दुर्वासाजी चले गए, तब महाराज अंबरीश ने उनके भोजन से बचे हुए पवित्र अन्न को भोजन के रूप में ग्रहण किया। अंबरीश जी को यह सोचकर बड़ा कष्ट हुआ कि उनके कारण दुर्वासा जी को दुख उठाना पड़ा।

शुकदेव जी कहते हैं– इसके बाद राजा अंबरीश ने अपने ही समान अपने पुत्रों पर राज -काज का भार छोड़ दिया और वन में चले गए। वहाँ वे भगवत भजन करते हुए इस संसार से मुक्त हो गए।

शुकदेव जी कहते हैं– परीक्षित! भगवान सर्वदा अपने भक्तों के अधीन रहते हैं। वे कहते हैं कि, मेरे सीधे-सादे भक्तों ने मुझे अपने प्रेमपाश में बाँध रखा है। अपने प्रिय भक्तों का एकमात्र आश्रय मैं ही हूँ। अत: मैं स्वयं अपने व देवी लक्ष्मी से भी बढ़कर अपने भक्तों को चाहता हूँ। जो भक्त अपने बंधु-बांधव और समस्त भोग-विलास त्यागकर मेरी शरण में आ गये हैं, उन्हें किसी प्रकार छोड़ने का विचार मैं कदापि नहीं कर सकता। इसलिए हमें भगवान के भक्तों का अनादर कभी भी किसी भी परिस्थिति में नहीं करना चाहिए।

रामचरितमानस में एक बड़ा ही सुंदर प्रसंग आता है-

जब भरत जी राम को मनाने के लिए जा रहे हैं, तब इन्द्र भय-भीत हो गए, सोचने लगे बड़ी मुश्किल से भगवान राम जंगल में पधारे हैं। भरत जाकर सारा काम बिगाड़ देंगे, इन्हे रोकना चाहिए।

देव गुरु बृहस्पति ने इन्द्र को समझाया---
गोस्वामी जी कहते हैं---

सुनु सुरेश रघुनाथ सुभाऊ,
निज अपराध रिसाहि न काऊ ।

जो अपराध भगत कर करहि, राम रोष पावक जिमि जरहि ।

लोकहुं वेद विदित इतिहासा,
यह महिमा जानहि दुर्वासा॥

शुकदेव जी कहते हैं– परीक्षित !

जो व्यक्ति राजा अंबरीश के इस परम पावन चरित्र का संकीर्तन और श्रद्धा भाव से स्मरण करता है, वह परम गति को प्राप्त करता है।

इत्येतत पुण्यमाख्यानमंबरीषस्य भूपते:
संकीर्तयननुध्यायन भक्तो भगवतो भवेत ॥

करवीर व्रत से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूरी

करवीर व्रत यानि सूर्य पूजा करने का विधान है। इस दिन सूरज देव के निमित्त पूजन करना शुभ फलदायी होता है। इस व्रत को सावित्री, सरस्वती, सत्यभामा, दमयंती आदि ने भी किया था तो आए हम आपको करवीर व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें करवीर व्रत के बारे में - सूर्य को समर्पित करवीर व्रत अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। इस व्रत के बारे में प्रसिद्ध है कि इसे सावित्री, सरस्वती, सत्यभामा और दमयंती जैसी महान स्त्रियों ने भी किया था। ये व्रत ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को किया जाता है। कहते हैं कि इस व्रत को करने से सभी प्रकार के संकट से मुक्ति मिलती है और मनुष्य को सूर्यलोक की प्राप्ति होती है। इस व्रत में कनेर के वृक्ष की भी पूजा की जाती है। भारतीय रीतिरिवाज अनुसार करवीर व्रत भगवान सूर्य और कनेर वृक्ष की पूजा उपासना के रूप में मनाया जाने वाला पर्व है। हिन्दू धर्म में सूर्य पंच देवों में एक है। वह साक्षात देव माने जाते हैं। जिनकी अपार शक्ति, गति और ऊर्जा से संसार का हर प्राणी और वनस्पति जीवन शक्ति पाते हैं। वह काल के निर्धारक भी है। धार्मिक मान्यताओं में भी सूर्य को समस्त इच्छाओं और कामनाओं को पूरा करने वाला बताया गया है।

करवीर व्रत है सूर्य की शक्ति पाने का अवसर- करवीर व्रत एक प्रकार से जीवन में शक्ति और प्रकाश के साथ हमारे जीवन को जोड़ने का पर्व भी है। इस दिन सूर्य के देव के नामों का स्मरण करना चाहिए। कलश में गुड़ अथवा गेहूं भर कर दान करना अत्यंत शुभ प्रभावदायक होता है। सूर्य देव का पूजन करने से हमे सूर्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है । करवीर व्रत का प्रभाव तुरंत फल देने वाला होता है। वेदों में सूर्य की उपासना के बारे में विस्तार पूर्वक वर्णन प्राप्त होता है। वेदों में सूर्य की स्तुति के अनेक सूक्त प्राप्त होते हैं।

करवीर पूजा का महत्व - करवीर नाम को सूर्य और श्री लक्ष्मी देवी शक्ति के साथ संबंधित माना गया है। पद्मपुराण, देवी पुराण इत्यादि में इस शब्द का संबंध देखने को मिलता है। इस दिन किया गया भक्ति साधना एवं दान इत्यादि का कार्य बहुत ही शुभफलदायक होता है। करवीर पूजा में वृक्ष पूजा का भी विशेष महत्व दिया गया है। करवीर व्रत की महत्ता के विषय में बताया गया है की इस व्रत को देवी सावित्री, दमयंती और सत्यभामा ने भी किया था। इस व्रत के प्रभाव से उन्हें जीवन में संकटों की समाप्ति होती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। करवीर व्रत के पूजा उपासना एवं व्रत का पालन किया जाता है। इस दिन सूर्य पूजन, कनेर वृक्ष पूजन एवं लक्ष्मी पूजन करने के उपरांत ब्राह्मणों को सामर्थ्य अनुसार भोजन एवं दक्षिणा प्रदान करनी चाहिये। इस व्रत को करने से सूर्य लोक की प्राप्ति होती है, संतान सुख प्राप्त होता है और जीवन में किसी भी प्रकार का रोग परेशान नहीं करता है, आरोग्य की प्राप्ति होती है।

करवीर व्रत के दिन ऐसे करें सूर्य पूजा- पंडितों के अनुसार इस दिन विधिपूर्वक सूर्य की उपासना करें। प्रात:काल स्नान आदि से निवृत्त हो, स्वच्छ वस्त्र धारण कर सूर्य देव का स्मरण करें। इसके बाद सूर्यनारायण को तीन बार अर्घ्य देकर प्रणाम करें। अब सूर्य के मंत्रों का जाप श्रद्धापूर्वक करें। विष्णु पुराण के अनुसार इस दिन सूर्य भगवान को यदि एक आक का फूल अर्पण कर दिया जाए तो सोने की दस अशर्फियां चढ़ाने का फल मिलता है। भगवान आदित्य को चढ़ाने योग्य कुछ फूलों का उल्लेख वीर मित्रोदय, पूजा प्रकाश में भी है। करवीर व्रत में सूर्य को रात्रि में कदम्ब के फूल और मुकुर को अर्पण करना चाहिए तथा दिन में शेष अन्?य सभी फूल चढ़ाए जा सकते हैं। बेला का फूल दिन और रात दोनों समय चढ़ाया जा सकता है। कुछ फूल सूर्य आराधना में निषिद्ध हैं। ये हैं गुंजा, धतूरा, अपराजिता, भटकटैया और तगर इत्यादि। इनका प्रयोग भूल कर भी नहीं करना चाहिए। इस व्रत में एक समय सूर्य प्रकाश रहते ही भोजन करें। इस दिन नमकीन और तेल युक्त भोजन ना करें। सूर्य अस्त होने के बाद भोजन नहीं करना चाहिए।

कनेर के वृक्ष की पूजा- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत में कनेर के वृक्ष की भी पूजा करने का विधान है। इस पूजा को भी नियम पूर्वक करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले वृक्ष के पास सफाई कर जल से शुद्ध करें। अब कनेर के वृक्ष के तने पर लाल मौलि बांधें और उसको जल अर्पित करते हुए लाल वस्त्र उढ़ायें। अब गंध, पुष्प, धूप, दीप एवं नैवेद्य अर्पित करें। किसी पात्र में सप्तधान्य यानि सात प्रकार के अनाज और फल आदि रखकर वृक्ष को अर्पित करें। पूजन के बाद दोनों हाथ जोड़कर इस मंत्र से वृक्ष की प्रार्थना करे- 'आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्मृतं च। हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्॥' इसके बाद वृक्ष की प्रदक्षिणा करके प्रणाम करें।

करवीर व्रत से संबंधित अन्य पौराणिक मान्यताएं- करवीर व्रत के संदर्भ में कुछ अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। इन में से कुछ का संबंध देवी शक्ति से जोड़ा गया है। यह कथा इस प्रकार है की कौलासुर नाम का एक दैत्य था। उसकी शक्ति बहुत अधिक बढ़ गयी थी उसने हर तरफ अत्याचार फैला रखा था। अपनी शक्ति को और भी बढ़ाने के लिए उसने कठोर तपस्या की थी और उसे संपूर्ण विजय का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन इसके साथ ही उसने वरदान प्राप्त किया कि वह केवल स्त्री द्वारा ही मारा जा सके। अपने वरदान के प्राप्ति के पश्चात उसने तीनों लोकों में अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास आरंभ किया। ऐसे में देवों एवं समस्त लोकों की सुरक्षा हेतु विष्णु स्वयं महालक्ष्मी रूप में प्रकट होते हैं .

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की चार सीटों सहित सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। उपचुनाव मौजूदा सदस्यों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण रिक्त सीटों पर कराए जाएंगे। जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें बिहार की रूपौली, पश्चिम बंगाल की रायगंज, रानाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला, तमिलनाडु की विक्रवंडी,मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा, उत्तराखंड की बद्रीनाथ और मंगलौर, पंजाब की जालंधर पश्चिम और हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ शामिल हैं। चुनाव की अधिसूचना 14 जून को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 जून है। नामांकन की जांच 24 जून को होगी और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून है। उपचुनाव 10 जुलाई को होंगे और मतों की गिनती 13 जुलाई को होगी। चुनाव आयोग ने कहा कि उपचुनाव 15 जुलाई से पहले पूरे होने हैं।

केजरीवाल के पीए बिभव कुमार की मुश्किलें बढ़ीं

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आप सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ साक्ष्य मिटाने और गलत जानकारी देने के लिए आईपीसी की धारा जोड़ी है। कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर मालीवाल पर हमला करने का आरोप है। अधिकारी ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना, या अपराधी को गलत जानकारी देना) जोड़ी गई थी। उन्होंने कहा कि धारा 201 में अपराध में सबसे बड़े अपराध के लिए दी गई सजा का छठा हिस्सा कारावास का प्रावधान है। कुमार के खिलाफ एफआईआर 16 मई को आईपीसी के प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थी, जैसे कि किसी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक धमकी, हमला या आपराधिक बल और गैर इरादतन हत्या का प्रयास करना।

सुप्रीम कोर्ट से आम आदमी पार्टी को मिली राहत

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी को दफ्तर खाली करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के लिए अपना राउज़ एवेन्यू पार्टी कार्यालय 10 अगस्त तक खाली करने का समय बढ़ा दिया। यह आदेश तब पारित किया गया जब आप ने एक आवेदन दायर किया था जिसमें अदालत द्वारा खाली करने के लिए तय की गई पिछली समय सीमा को बढ़ाने की मांग की गई थी। आप राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त होने के कारण केंद्र से अपने कार्यालय के लिए जगह आवंटित करने की मांग कर रही है। पार्टी को दिल्ली के राउज एवेन्यू स्थित अपना मौजूदा कार्यालय 15 जून तक खाली करने को कहा गया है। पीठ ने स्पष्ट किया कि विस्तार अंतिम अवसर के रूप में दिया गया है और यह पार्टी द्वारा दिए गए समय के अधीन होगा। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री को एक वचन पत्र कि वे 10 अगस्त, 2024 को या उससे पहले संपत्ति का खाली और शांतिपूर्ण कब्ज़ा सौंप देंगे।

एनसीपी को कैबिनेट में जगह नहीं मिलने पर सुले का तंज

मुंबई। नौ जून को लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के पद के लिए शपथ ली। पीएम मोदी के साथ-साथ कई कैबिनेट और राज्य मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। हालांकि, कैबिनेट में अजित पवार वाली एनसीपी के किसी भी नेता को कोई जगह नहीं मिली। इसको लेकर शरदचंद्र पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने तंज कसा। उन्होंने सोमवार को कहा कि वह इस बात से हैरान नहीं हैं कि अजित पवार के पार्टी के किसी भी नेता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। एनसीपी के 25वें स्थापना दिवस पर पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार की बेटी और बारामती की सांसद ने कहा कि एनडीए मंत्रिमंडल की पहली बैठक हो रही है। उन्हें किसानों का पूरा कर्ज माफ करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, यूपीए के दौरान एनसीपी ने मनमोहन सिंह सरकार में सहयोगी के तौर पर काम किया था।

डूंगरपुर मामले में सपा नेता आजम खां समेत चार बरी

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां से जुड़े डूंगरपुर के एक और मामले में फैसला आ गया है। कोर्ट ने इस मामले में सपा नेता आजम खां समेत चार लोगों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। सपा नेता आजम खां के खिलाफ 2019 में डूंगरपुर बस्ती में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी, मारपीट, छेड़खानी समेत अन्य धाराओं में गंज थाने में 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। जिनमें चार मुकदमों में फैसला आ चुका है। दो मामलों में सपा नेता बरी हो चुके हैं, जबकि दो में सजा हो चुकी है। सपा नेता फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं। बस्ती निवासी एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे में दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद सोमवार को कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने सपा नेता आजम खां को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

कार्यभार संभालते ही पहला फैसला, किसान निधि की फाइल पर पीएम मोदी ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सोमवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साउथ ब्लॉक पहुंचे। साउथ ब्लॉक पहुंचे ही तीसरे कार्यकाल का पीएम मोदी ने धमाकेदार आगाज किया। दरअसल तीसरे कार्यकाल के अपने पहले फैसले में पीएम मोदी ने किसान निधि के 20 हजार करोड़ रुपये जारी किए। इससे देश के 9.3 करोड़ किसानों को फायदा होगा। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में उनकी सरकार किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए और काम करेगी। आज मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक भी होनी है। माना जा रहा है कि कैबिनेट बैठक में भी सरकार कुछ बड़े फैसले ले सकती है। कैबिनेट बैठक से पहले सरकार सभी मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का बंटवारा कर सकती है।

दरअसल, पीएम किसान योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार बनते ही पहले दिन पीएम किसान योजना की फाइल पर दस्तखत कर दिए हैं। पीएम मोदी ने 17वीं किस्त जारी करने की फाइल को पास कर दिया है ऐसे में अब लाभार्थियों को 17वीं किस्त मिलने का रास्ता साफ हो गया है। यानी अब जल्द ही योजना से जुड़े करोड़ों किसानों को किस्त का लाभ मिल पाएगा।

अगर आप पीएम किसान योजना से जुड़े हैं और चाहते हैं कि आपको किस्त का लाभ मिले, तो आपके लिए जरूरी है कि आप ई-केवाईसी करवा लें। अगर आप ये नहीं करवाते हैं, तो आपकी किस्त अटक सकती है। आप अपने नजदीकी सीएससी सेंटर जाकर या योजना के आधिकारिक पोर्टल pmkisan.gov.in से भी ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

योजना से जुड़े किसानों के लिए भू-सत्यापन भी करवाना अनिवार्य है। अगर आप ये काम नहीं करवाते हैं तो आप किस्त के लाभ से वंचित रह सकते हैं।

यूपी से कैबिनेट में शामिल हुए नौ मंत्री

लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद नौ सांसद को नरेंद्र मोदी मंत्रीमंडल में जगह मिली है। इन नौ मंत्रियों में से सात नई चुनी गई लोकसभा से हैं और दो सांसद राज्यसभा से है। हालांकि पिछले मोदी मंत्रिमंडल से इसकी तुलना करें तो यूपी की हिस्सेदारी कम हुई है, पिछली सरकार में यूपी के 11 मंत्री मोदी सरकार में शामिल थे।

सूत्रों के अनुसार चूंकि नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी यूपी में आता है, इस लिहाज से कैबिनेट में राज्य के सांसदों की कुल संख्या 10 होगी, जबकि दूसरे कार्यकाल में यह 12 थी। अगर इसमें हरदीप पुरी को भी शामिल कर लिया जाए, जिन्हें यूपी से राज्यसभा में भेजा गया है, तो मंत्रियों की संख्या 11 हो जाती है।

मोदी मंत्रिमंडल में अगर यूपी के हिस्सेदारी पर बात करें तो अन्य राज्यों की अपेक्षा में कम कटौती की गई है, जिसके कारण दूसरे राज्यों से अभी भी यूपी की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। यह इस बात का प्रमाण है कि पार्टी के आला अधिकारी समझते हैं कि उन्हें राज्य में भाजपा की हार के बाद पैदा हुई समस्याओं को हल करने के लिए ठोस प्रयास शुरू करने होंगे।

मोदी की तीसरी कैबिनेट में जगह बनाने वाले सांसदों में चार ओबीसी, तीन ऊंची जातियां और दो दलित हैं। ऊंची जातियों में दो ठाकुर और एक ब्राह्मण हैं जबकि ओबीसी में दो कुर्मी, एक जाट और एक लोध हैं।

मोदी कैबिनेट में मिला सात महिलाओं को मंत्री पद

18वीं लोकसभा में बीते रविवार को गठित हुए एनडीए सरकार के तहत नई मंत्रिपरिषद में सात महिलाओं को शामिल किया गया है, जिनमें दो को कैबिनेट मंत्री की भूमिका मिली है। नरेंद्र मोदी की पिछली मंत्रीपरिषद, जो कि 5 जून को भंग हो गई थी, उसमें कुल दस महिलाएं मंत्री थीं। सूत्रों के अनुसार इस बार की गठित मंत्री परिषद से बाहर किए गए लोगों में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, राज्य मंत्री भारती पवार, साध्वी निरंजन ज्योति, दर्शना जरदोश, मीनाक्षी लेखी और प्रतिमा भौमिक शामिल हैं। वहीं नई सरकार में शामिल की गई महिला मंत्रियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा सांसद अन्नपूर्णा देवी, शोभा करंदलाजे, रक्षा खडसे, सावित्री ठाकुर और निमुबेन बंभानिया और अपना दल सांसद अनुप्रिया पटेल का नाम शामिल है। सीतारमण और अन्नपूर्णा देवी को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया है, जबकि अन्य पांच महिलाओं को राज्य मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है। वहीं अन्नपूर्णा देवी, शोभा करंदलाजे, रक्षा खडसे, और अनुप्रिया पटेल, जिन्होंने हाल ही में चुनाव जीता था। उनको मोदी की नई मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है। इस साल लोकसभा चुनाव में कुल 74 महिलाओं ने जीत हासिल की, जो 2019 में निर्वाचित 78 से थोड़ी कम है। नरेंद्र मोदी ने अपने 71 मंत्रिपरिषद के साथ रविवार को शपथ ली, जिससे दो पूर्ण कार्यकाल के बाद एक नई गठबंधन सरकार की शुरुआत हुई, जहां भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत था। 2014 में मोदी के पहले कार्यकाल में आठ महिला मंत्री थीं। उनके दूसरे कार्यकाल में छह महिलाओं ने शपथ ली और 17वीं लोकसभा के अंत तक दस महिला मंत्री थीं।

कच्चातीवु का मुद्दा उठाया जाना पीएम का 'अत्यंत गैर जिम्मेदाराना' कदम था : जयराम

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कच्चातीवु द्वीप का मुद्दा उठाने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए इसे ''अत्यंत गैरजिम्मेदाराना'' कदम बताया और कहा कि इससे श्रीलंका के साथ भारत के रिश्ते बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या मोदी और उनके सहयोगी श्रीलंका के साथ इतना बड़ा विवाद पैदा करने के लिए माफी मांगेंगे। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर इस बात का जिक्र किया कि रविवार शाम हुए शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे मौजूद थे।

उन्होंने कहा, ''कच्चातिवु मुद्दे को याद करें जिसे चुनाव प्रचार के दौरान एक तिहाई प्रधानमंत्री ने गढ़ा था और तमिलनाडु में भाजपा के लिए समर्थन हासिल करने के मकसद से उनके सहयोगियों ने इसे उठाया था।'' उन्होंने कहा, ''यह बेहद गैर-जिम्मेदाराना और इतिहास को गंभीर रूप से विकृत करने वाला कदम था। इससे श्रीलंका के साथ हमारे रिश्ते पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया।'' रमेश ने तमिलनाडु में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन की एकतरफा जीत का हवाला देते हुए कहा कि राज्य की जनता ने करारा जवाब दिया।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के मछली पकड़ने वाले समुदायों की चिंताओं को स्थायी आधार पर सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने की आवश्यकता है।'' रमेश ने कहा, ''क्या मोदी जी और उनके सहयोगी हमारे पड़ोसी के साथ इतना बड़ा विवाद पैदा करने के लिए माफी मांगेंगे, खासकर तब जब वह ''पड़ोसी प्रथम'' नीति का दावा करते हैं?''

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दावा किया था कि अतीत में प्रधानमंत्री रहे कांग्रेस के नेताओं ने कच्चातीवु द्वीप के प्रति उदासीनता दिखाई और कानूनी नजरिए के विपरीत होने के बावजूद भारतीय मछुआरों के अधिकारों को छीन लिया। जयशंकर की इस टिप्पणी से पहले मोदी ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि नए तथ्यों से पता चला है कि कांग्रेस ने कच्चातीवु द्वीप को ''संवेदनहीन तरीके से'' श्रीलंका को सौंप दिया था।

मोदी के पीएम की गद्दी पर बैठते ही कांग्रेस हुई हमलावर

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही विपक्षी दल कांग्रेस ने एक बार फिर से उनके खिलाफ हमलावर रूख अख्तियार कर लिया है। पीएम मोदी पर आरोपों के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जल्द ही देश को बताना होगा कि वो देश की जनगणना कब करा रहे हैं।

इसी के साथ कांग्रेस ने पीएम मोदी से एक और मांग करते हुए कहा कि उन्हें संविधान में निहित सामाजिक न्याय को सही अर्थ देने के लिए ओबीसी के रूप में वर्गीकृत समुदायों की आबादी पर डेटा भी देश के सामने रखनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए आवश्यक व्यापक जनगणना केंद्र सरकार हर 10 साल में करती है। आखिरी जनगणना 2021 में पूरी होनी थी लेकिन मोदी सरकार ने इसे अभी तक नहीं कराया है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2021 नहीं होने का एक तात्कालिक परिणाम यह है कि कम से कम 14 करोड़ भारतीय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत लाभ से वंचित हो रहे हैं। योजना के तहत 2023 में एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1 जनवरी 2024 से पांच वर्षों के लिए 81.35 करोड़ एनएफएसए लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा। केंद्र सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत भारत आटे की बिक्री भी शुरू की, जो 27.50 प्रति किलोग्राम के खुदरा मुल्य पर उपलब्ध है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा, एक तिहाई प्रधानमंत्री को जल्द ही देश को बताना होगा कि देश की जनगणना कब होगी।

खेल
प्रमुख समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में होगी भारत-पाक का रोमांचक भिड़ंत

लाहौर। भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में रविवार को रोमांचक मैच हुआ, और उनकी अगली बड़ी भिड़ंत ज्यादा दूर नहीं है। आठ महीने बाद मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में ये दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी फिर आमने-सामने होंगे। हालांकि, अगर इस महीने के अंत में कैरिबियाई द्वीपों में हो रहे टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट में ये दोनों टीमें भिड़ जाती हैं, तो ये मुकाबला पहले भी हो सकता है।

क्रिकबज सूत्रों के मुताबिक, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बनाया गया शुरुआती शेड्यूल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को सौंप दिया गया है। इस आठ टीमों के बीच 15 मैचों वाले टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच आखिरी लीग मैच होगा। ये टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। मैचों की तारीखों पर अभी विचार किया जा रहा है। प्रस्तावित शेड्यूल के अनुसार, यह मैच लाहौर में खेला जाएगा। हालांकि, भारत सरकार की पाकिस्तान में खेलने की अनुमति पर ही सब कुछ निर्भर करता है। अगर अनुमति नहीं मिलती है, तो टूर्नामेंट पिछले साल के एशिया कप की तरह ही हाइब्रिड मॉडल में खेला जा सकता है, जहां भारत के मैच, श्र में हुए थे। लेकिन, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपनी तैयारियां जारी रखने के लिए कहा गया है। जैसा कि आप जानते हैं, पीसीबी ने 20 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी को मैदान के रूप में चुना है। लाहौर को भारत के मैचों के लिए चुना गया है। शेड्यूल के अनुसार, लाहौर में 7 मैच, रावलपिंडी में 5 मैच और कराची में 3 मैच खेले जाएंगे। 19 फरवरी, बुधवार को कराची में टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच होगा। सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में खेले जाएंगे। प्रस्तावित शेड्यूल के अनुसार, 9 मार्च रविवार को फाइनल लाहौर में होगा, जहां भारत के सभी मैच और (अगर वे क्वालीफाई करते हैं) तो सेमीफाइनल भी होगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 203 अंक टूटा निफ्टी 23,259 पर बंद

नईदिल्ली। ब्लू-चिप आईटी शेयरों और एचडीएफसी बैंक में बिकवाली के बीच शुरुआती कारोबार में अपने ऑल टाइम स्तर पर पहुंचने के बाद बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को गिरावट में बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज शुरुआती कारोबार में 77,000 का आंकड़ा लांघ गया था। हालांकि, कारोबार के अंत में बिकवाली के दबाव के चलते सेंसेक्स 203.28 अंक या 0.27 प्रतिशत की गिरावट लेकर 76,490.08 पर बंद हुआ। दिन के दौरान सेंसेक्स 385.68 अंक या 0.50 प्रतिशत बढ़कर 77,079.04 के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्व) का निफ्टी-50 भी 30.95 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट लेकर 23,259.20 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार यह 121.75 अंक या 0.52 प्रतिशत चढ़कर 23,411.90 के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ लेते ही मार्केट में छाई रौनक

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार आज खुलते ही कुछ शेयरों में अचानक से बढ़ोतरी हो गई। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और एक्सिस बैंक के शेयर शामिल है, जिन्होंने लंबी छलांग लगाई। ऐसे में मार्केट विश्लेषकों का मानना है कि यह नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ ग्रहण समारोह के बाद यह बढ़त हुई। सुबह 9.21 बजे एनएसई निफ्टी 50 91.90 प्वाइंट्स पर था या 0.39 फीसदी के साथ 23,382.05 लेवल खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स भी 0.30 फीसदी भी 76,926.47 लेवल पर था। फिर, एनएसई निफ्टी 50 23,411.90 की नई ऊंचाई पर पहुंच गया और सेंसेक्स 77,079.04 के जीवन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी पर अडाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड कॉर्प, बजाज ऑटो, कोल इंडिया और श्रीराम फाइनेंस प्रमुख लाभ में रहे। निफ्टी पर सबसे ज्यादा गिरावट टेक महिंद्रा, इंफोसिस, डॉ रेड्डीज लैब्स, एलटीआईमाइंडट्री और हिंडाल्को में हुई।

12 महीने बाद ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा

नईदिल्ली। गोल्ड के लिए पिछला महीना जबरदस्त उतार-चढ़ाव भरा रहा रहा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों में कीमतें ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। हालांकि उसके बाद कीमतों में नरमी आई। सेंट्रल बैंकों की तरफ से सोने की हो रही जबरदस्त खरीदारी और जियो-पॉलिटिकल टेंशन इस धातु की कीमतों के लिए सबसे ज्यादा मददगार रहे। कीमतों को सपोर्ट मई में गोल्ड ईटीएफ से भी मिला। ग्लोबल लेवल पर लगातार 12 महीने की गिरावट के बाद गोल्ड ईटीएफ में मई के दौरान निवेश में इजाफा दर्ज किया गया। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल लेवल पर लगातार 12 महीने की गिरावट के बाद मई में गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो देखा गया। मई 2024 के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश में 0.5 बिलियन डॉलर (8.2 टन सोने की वैल्यू के बराबर) का इजाफा हुआ। इससे पहले मई 2023 में गोल्ड ईटीएफ में 1.7 बिलियन डॉलर (19.3 टन सोने) का शुद्ध निवेश हुआ था।

यात्री वाहन की रिटेल बिक्री मई में एक प्रतिशत घटी

नईदिल्ली। भीषण गर्मी और चुनाव के कारण मांग प्रभावित होने से मई में घरेलू यात्री वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट आई। उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। यात्री वाहनों का पंजीकरण मई में घटकर 3,03,358 इकाई रह गया, जबकि मई 2023 में यह 3,35,123 इकाई था। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, डीलरों ने पिछले महीने बिक्री में गिरावट के लिए चुनाव, भीषण गर्मी और बाजार में नकदी की समस्या को प्रमुख कारण बताया है। उन्होंने कहा कि बेहतर आपूर्ति, कुछ लंबित बुकिंग और छूट योजनाओं के बावजूद नए मॉडल की कमी, तीव्र प्रतिस्पर्धा और मूल उपकरण निर्माताओं द्वारा खराब विपणन प्रयासों ने भी बिक्री को प्रभावित किया। सिंघानिया ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण शोरूम में आने वाले ग्राहकों की संख्या में करीब 18 प्रतिशत की गिरावट आई है।

आर्थिक विकास के दृष्टि से 2023-24 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

निश्चित ही बन जाएगा।

विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है।

वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है।

वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है।

परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है।

क्रमशः...

साहू को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देकर मोदी ने आत्मीय लगाव का परिचय दिया

केंद्रीय मंत्रिमंडल में छग से एक सांसद को मिली जगहः मुख्यमंत्री

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण और संसदीय दल की बैठक में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को राजधानी रायपुर लौटे. इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा की छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में बिलासपुर के सांसद तोखन साहू को शामिल किया गया है. इसके लिए पूरा छत्तीसगढ़ पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी है. छत्तीसगढ़ से एकमात्र सांसद को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने पर सीएम साय ने कहा कि हर बार तो ऐसा ही हुआ है. बता दें कि पिछले केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी छत्तीसगढ़ से एक सांसद रेणुका सिंह को स्थान दिया गया था और उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री का पद दिया गया था.

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर संसदीय क्षेत्र से विजयी भाजपा सांसद तोखन साहू को प्रतिनिधित्व दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। सिंहदेव ने कहा कि साहू को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देकर पीएम मोदी ने न केवल छत्तीसगढ़ के प्रति अपने आत्मीय लगाव का परिचय दिया है, बल्कि एक किसान पुत्र को मंत्री बनाकर छत्तीसगढ़ की कोटि-कोटि जनता की भावनाओं का सम्मान किया है। साहू छत्तीसगढ़ में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। देव ने लोकसभा चुनाव-2024 में भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिले बहुमत को ऐतिहासिक जनादेश बताते हुए यह विश्वास व्यक्त किया है कि केंद्र में राजग सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में एक सशक्त और स्थिर सरकार देकर देश को विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से लेकर जाएगी।

अब साहू की संगठनात्मक क्षमता से भी प्रदेश परिचित होगाः साव- प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने साहू को मंत्री बनाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उनके मार्गदर्शन में अब साहू की संगठनात्मक क्षमता के साथ-साथ प्रशासनिक क्षमताओं से भी प्रदेश की जनता-जनार्दन परिचित होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त कर विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने का जो जनादेश दिया है, उस कसौटी पर नई केंद्र सरकार पूरी तरह खरी उतरेगी और भविष्य में जन-विश्वास अर्जित कर भाजपा एक बार फिर मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरेगी।

साहू का केंद्रीय मंत्री बनना अन्नदाता का सम्मानः शर्मा- प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में साहू को शामिल किए जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जो अपने सामान्य कार्यकर्ताओं को फर्श से अर्श तक लेकर जाती है। साहू का केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होना एक माटी पुत्र के तौर पर अन्नदाता का सम्मान है और यह छत्तीसगढ़ के लिए बेहद सुखद अनुभूति है।

रायपुर दक्षिण सीट पर अभी नहीं होगा उपचुनाव

रायपुर। निर्वाचन आयोग ने देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराये जाने की घोषणा कर दी है। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को मतदान कराये जाएंगे। इसके बाद 13 जुलाई को मतगणना होगी।

बड़ी बात ये है कि फिलहाल छत्तीसगढ़ की एक सीट रायपुर दक्षिण विधानसभा पर चुनाव नहीं कराये जाएंगे। क्योंकि आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव कराने के लिए तारीख का ऐलान नहीं किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव के दौरान रायपुर दक्षिण सीट पर उपचुनाव कराये जा सकते हैं। यहां से वर्तमान विधायक और उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन गए हैं। ऐसे में अग्रवाल को 18 जून से पहले विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा। फिलहाल वो नई दिल्ली में हैं और नये कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों से मुलाकात कर रहे हैं। वहां से लौटने के बाद वो कभी भी अपना इस्तीफा दे सकते हैं।

विधानसभा की तरह लोकसभा में भी बृजमोहन की रिकॉर्ड जीत- छत्तीसगढ़ की वीआईपी सीट रायपुर लोकसभा से रिकॉर्ड मतों से जीतने वाले सांसद बृजमोहन अग्रवाल 8 बार के विधायक हैं और वर्तमान में स्कूल शिक्षा मंत्री भी हैं। वो रायपुर लोकसभा से पहली बार चुनाव लड़े और कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय को पांच लाख से ज्यादा वोटों से हराया है। उनका नाम देश में सबसे ज्यादा वोटों से जीतने वाले टॉप टेन सांसदों की लिस्ट में भी शामिल है। विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव 2024 में भी बृजमोहन अग्रवाल ने रिकॉर्ड जीत का परचम लहराया है। उन्होंने उपाध्याय को 5 लाख 75 हजार 285 वोटों से हराया है। बृजमोहन को कुल 10 लाख 50 हजार 351 वोट मिले हैं। वहीं विकास उपाध्याय को 4 लाख 75 हजार 66 वोट मिले हैं। इस तरह जीत का अंतर 5 लाख 75 हजार 285 रहा। कुल वोट का प्रतिशत 66.19 रहा।

रायपुर दक्षिण सीट से दो प्रमुख दावेदार

दो प्रमुख दावेदारों में सबसे मजबूत नाम पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव और प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री रह चुके प्रेम प्रकाश पांडेय का नाम चल रहा है। श्रीवास्तव भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। 2003 के विधानसभा चुनाव में रायपुर ग्रामीण सीट से सुनील सोनी के साथ श्रीवास्तव का नाम भी सबसे आगे चल रहा था, लेकिन स्व. लखीराम अग्रवाल के हस्तक्षेप के बाद राजेश मूणत को प्रत्याशी बना दिया गया। श्रीवास्वत मेयर पद के दावेदार थे, लेकिन उन्हें सभापित पद से संतोष करना पड़ा। वो रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कई बार रायपुर उत्तर सीट से श्रीवास्तव का नाम चर्चा में रहा पर उन्हें टिकट नहीं मिल सका। विधानसभा चुनाव 2023 में उन्हें सरगुजा संभाग का प्रभारी बनाया गया था, जहां पार्टी ने सभी 14 सीटों पर जीत का परचम लहराया। इस वजह से उनका कद बढ़ा हुआ है। बात प्रेम प्रकाश पांडेय की करें तो उनका नाम चौंकाने वाला है। बृजमोहन और पांडेय की दोस्ती किसी से छुपी नहीं है। वो बृजमोहन के साथ दिल्ली भी गए हुए हैं। पांडेय लगातार दो विधानसभा चुनाव भिलाई नगर सीट से हार रहे हैं। इसके बाद भी उन्हें रायपुर दक्षिण सीट से दावेदार माना जा रहा है। यदि बृजमोहन उनके जीत की गारंटी लें तो पार्टी उन्हें यहां से टिकट दे सकती है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में छात्रावास अधीक्षक एवं अधीक्षिका के पदों पर दस्तावेज सत्यापन 13 को

रायपुर। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में छात्रावास अधीक्षक एवं छात्रावास अधीक्षिका के पदों पर अभ्यर्थियों का छठवें चरण का दस्तावेज सत्यापन 13 जून को प्रातः 09ः30 बजे से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रायपुर, विधान सभा रोड, सड्डू, रायपुर में किया जाएगा। दस्तावेज सत्यापन हेतु संबंधित अभ्यर्थियों को एसएमएस /व्हाट्सएप्प पर भी सूचना भेजी जा रही है। कट ऑफ मार्क्स संचालनालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। उक्त चरण में रिक्त पदों के विरूद्ध 03 गुना अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु बुलाया गया है। सभी अभ्यर्थी अद्यतन जानकारी हेतु निरंतर संचालनालय की वेबसाइटhttps://cgiti.cgstate.gov.in/ तथा अपने लॉगिन आईडी का नियमित अवलोकन करते रहें।

दस्तावेज सत्यापन उपरांत संबंधित अभ्यर्थी आगामी दिवस को दोपहर 01ः00 बजे तक उसी स्थल पर पंजीयन प्रभारी के पास अपना दावा/ आपत्ति भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

पूर्व सीएम बघेल का तंज कहा-

अपने ही बोझ तले दब जाएगी मोदी की गठबंधन सरकार

रायपुर। देश में एनडीए गठबंधन की सरकार और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी और गठबंधन की सरकार को लेकर जमकर तंज कसा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अब अपने ही बोझ तले मोदी की गठबंधन सरकार दब गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब पीएम मोदी के साथ उनके गठबंधन के साथियों का भी फोटो इस सरकार को लगाना होगा। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश में मोदी की सरकार आने के बाद अब मोदी की गारंटी को लेकर कई तरह की बातें की है। भूपेश बघेल ने कहा है कि देश में ना मोदी की सरकार है और ना ही मोदी की गारंटी की सरकार। पूर्व सीएम बघेल ने पत्रकारों से चर्चा में यह कहा कि पहले सिर्फ एक फोटो नरेंद्र मोदी का लगा करता था। लेकिन अब मजबूरी में अपने गठबंधन के साथियों की फोटो भी लगाना जरूरी हो जाएगा।

बघेल ने कहा कि यह सब पीएम मोदी की फितरत में नहीं है, इसलिए यह सरकार अपने ही बोझ के तले दब कर रह जाएगी। बघेल ने कहा कि गठबंधन की सरकार में बहुत सारे मसले ऐसे भी हैं, जिन्हें हर कोई स्वीकार नहीं करेगा। बघेल ने कहा कि जैसे कि अजित पवार गुट ने स्वतंत्र प्रभार लेने से मना कर दिया है। वहीं जेडीयू ने अग्निवीर योजना की बात कही है। इसके अलावा टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू हज जाने वालों को एक लाख देने की बात कर रहे हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने जो हमें जनादेश दिया है वह हमें स्वीकार है। बघेल ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में हम अच्छे से लड़े हैं हमारा वोट परसेंटेज का अंतर कुछ ज्यादा नहीं है। भूपेश बघेल ने कहा कि अब हमें मिलजुल कर काम करने की जरूरत है। चुनाव में हार की मुख्य वजह क्या रही है, इसकी पार्टी बैठकर समीक्षा करेगी।

नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ जूनियर पावर लिफ्टर्स से मुख्यमंत्री की मुलाकात

नई दिल्ली। नई दिल्ली के छत्तीसगढ़ सदन में आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नेशनल जूनियर और सब जूनियर प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के 32 पावर लिफ्टर खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों ने अपने अनुभव साझा किए और राज्य सरकार से मिल रहे समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री साय 11 जून को जशपुर जिले के रनपुर जाएंगे

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार 11 जून को जशपुर जिले के दौरे पर रहेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री साय 11 जून को दोपहर 12.35 बजे रायपुर पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 1.55 बजे जशपुर जिले बगीचा तहसील के ग्राम रनपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री यहां 2 से 3 बजे तक स्वयंभू प्रकट श्री गणेश मंदिर के भव्य प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय अपरान्ह 3.35 बजे रनपुर से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर संध्या 4.55 बजे रायपुर लौट आएंगे।

मुख्यमंत्री साय 13 जून से करेंगे विभागों की समीक्ष- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शासकीय काम-काज में कसावट और तेजी लाने के लिए 13 जून से विभिन्न विभागों के काम-काज और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा शुरू करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा ली जाने वाली इस समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय 13 जून को दोपहर 01 बजे से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग तथा अपरान्ह 3 बजे से पशुधन विकास, मत्स्यपालन एवं दुग्ध महासंघ के काम-काज की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री 14 जून को पूर्वान्ह 11.30 बजे से स्वास्थ्य विभाग तथा अपरान्ह 3 बजे चिकित्सा शिक्षा, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे।

छत्तीसगढ़ की उपेक्षा की गई, कांग्रेस इसकी करती है निंदा

रायपुर। बिलासपुर सांसद तोखन साहू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है. इस पर कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि मोदी कैबिनेट के विस्तार में छत्तीसगढ़ की उपेक्षा की गई. प्रदेश में भाजपा ने अधिक सीटें जीती है. छत्तीसगढ़ के सांसदों की उपेक्षा की गई है कांग्रेस इसकी निंदा करती है. इसके साथ अन्य मुद्दों पर भी सुशील आनंद शुक्ला ने बयान दिया है. सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा मंत्रिमंडल पर निशाना साधते हुए कहा कि जैसे ही भाजपा में मंत्रिमंडल का पुनर्गठन या विस्तार होगा, भाजपा में जूतम पैजार शुरू होगा. दावेदारों और वरिष्ठ नेताओं की संख्या ज्यादा है. नए नवेलों को बड़े-बड़े पोस्ट में रखा गया है. दिग्गज नेताओं को बाहर रखा गया है. पुनर्गठन होग तो बगावत के दौर शुरू होंगे. वरिष्ठता का लाभ लेने के बजाय कई लोगों को उन्हें घर बैठा दिया गया, यह भारतीय जनता पार्टी का चरित्र है. स्काई वॉक के मुद्दे को लेकर कहा कि स्काई वॉक बीजेपी के भ्रष्टाचार का नमूना है. उपयोगी नहीं था इसलिए कांग्रेस सरकार ने उसे रोक रखा था. बीजेपी यह बता दे स्काई वॉक की उपयोगिता क्या है ? अब इस पर फिर से करोड़ों रुपए खर्च करके इसे पूरा किया जाएगा. मूर्खता की निशानी है.

किसी को दरकिनार कर नहीं बनाया गया मंत्रीः किरणदेव

रायपुर। रविवार को मोदी कैबिनेट का ऐलान हुआ और मोदी मंत्रिमंडल के सांसदों ने शपथ ली. जिसमें छत्तीसगढ़ से सांसद तोखन साहू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है. राज्य में बीजेपी ने लगातार दो बार 11 में से 10 सीटें जीती हैं. ऐसे में राज्य से सिर्फ एक केंद्रीय मंत्री बनाए जाने पर कांग्रेस ने मांग की है कि राज्य से दो केंद्रीय मंत्री बनाए जाएं. जिस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने पलटवार करते हुए कहा, कि किसी को दरकिनार कर केंद्रीय मंत्री नहीं बनाया गया है, जो भी निर्णय लिया गया है, उसकी छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका होगी. दिल्ली दौरे से लौटकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस आरोपों का खंडन करते हुए कहा, कि छत्तीसगढ़ से एक सांसद का चयन हुआ है. किसी को दरकिनार कर केंद्रीय मंत्री नहीं बनाया गया है, जो भी निर्णय लिया गया है, उसकी छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका होगी. प्रधानमंत्री का निर्णय छग के प्रति हमेशा ठोस रहा है. आने वाले दिनों में निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ और अच्छा होने वाला है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने बिलासपुर से बीजेपी सांसद तोखन साहू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने पर कहा कि निश्चित रूप से मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ को एक प्रतिनिधित्व मिला है. मोदी मंत्रिमंडल के सांसदों ने शपथ लिया है. छत्तीसगढ़ का विकास हो यह महत्वपूर्ण है.

गवर्नमेंट हाई स्कूल के छात्रों ने 45 साल पुरानी दोस्ती को किया सेलीब्रेट

रायपुर। राजधानी रायपुर के गवर्नमेंट स्कूल जिसे अब जयनारायण पांडेय शासकीय स्कूल के नाम से जाना जाता है, पूर्व छात्र रविवार शाम एक निजी होटल में मिले जिसमें वर्षों पूर्व बीती स्मृतियों को सहेजा, कुछ छात्र तो एक दूसरे से 45वर्षों के बाद मिल कर भावुक हो रहे थे. आपस में पुराने दिन, पुरानी यादें ताजा हो रही थी एक दूसरे के साथ हंसी मजाक, का सिलसिला चलने लगा. कुछ छात्रों ने अपने गुरुजनों, पुराने किस्से कहानियों, रायपुर के पुराने स्थलों,पुरानी टाकीजों, उस जमाने की फिल्मों, की बातें यादें की. पुराने गाने गाकर भी पुराने माहौल को वापस संजोया. मिलन समारोह में डॉ दिनेश मिश्र, जुगल किशोर सिन्हा, शैलेंद्र रिछारिया, राजेंद्र पाटिल, अविनाश शुक्ला, दिलीप वर्मा, विजय श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, श्यामलाल रावत,योगेश भावे, राजेश पांडे, निर्मल प्रजापति, मोहम्मद शकील, अनूप बाजपेयी, अरुण सक्सेना,गिरधारी अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अप्पा राव, सुनील गवाई,सहित सभी के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे. शैलेन्द्र रिछारिया एवम राजेंद्र पाटिल के विशेष प्रयासों से 45 वर्ष पुराने अधिकांश साथियों को एकत्रित हुए.

छग सराफा चुनावः विकास और विस्तार के लिए बदलाव जरुरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन चुनाव को लेकर आज छत्तीसगढ़ सराफा एकता पैनल ने अपना संकल्प पत्र वरिष्ठजनों की मौजूदगी में जारी किया। इस मौके पर काफी बड़ी संख्या में सराफा व्यापारी व सदस्यगण उपस्थित थे और सभी ने संकल्प भी लिया कि एकता पैनल के सभी प्रत्याशियों को पूर्ण समर्थन देकर विजयी बनाना है ताकि निस्वार्थ रूप से केवल और केवल छत्तीसगढ़ के सराफा व्यापारियों के हित में काम हो सके जिसके लिए इस पैनल के प्रत्याशी वचनबद्ध हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ सराफा व्यवसायी श्री भीखमचंद कोचर, श्री शिवराज भंसाली, श्री महावीरचंद बूरड़, श्री चेतन सोनी, हरख मालू, पवन सोनी, संजय कानूगा, प्रकाश गोलछा, हर्षवर्धन जैन व अन्य सराफा व्यवसायी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ सराफा एकता पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी कमल सोनी (बिलासपुर), महासचिव प्रकाश गोलछा (रायपुर) व हर्षवर्धन जैन (रायपुर) ने कहा कि विकास और विस्तार के लिए बदलाव जरुरी है, हम पद और स्वयं की व्यापारिक स्वार्थहित से बहुत दूर केवल और केवल छत्तीसगढ़ सराफा व्यापारियों की निस्वार्थ सेवा के लिए आगे आए है।

नियद नेल्लानार से वनांचल में बदलाव की बयार

बीजापुर के डुमरीपालनार गांव में पहुंचने लगी बुनियादी सुविधाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा बस्तर अंचल के सुदूर वनांचल विशेषकर नक्सल प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाएं और वनवासियों को सरकार की योजनाओं का बिना किसी व्यवधान के लाभ पहुंचाने के प्रयास सफल होने लगे है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित गांवों में अब यह सुविधाएं तेजी से पहुंचने लगी है। शासन-प्रशासन के इन प्रयासों को सफल करने में नियद नेल्लानार योजना अहम रोल अदा कर रही है। नियद नेल्लानार की बदौलत अब नक्सल प्रभावित गांवों में शासकीय अमले की आमदरफ्त बढ़ी है। जिसके चलते वनवासियों का भरोसा बढ़ा है और अब वह सरकारी नुमाइदों से बेझिझक मेल-मुलाकात करने के साथ ही अपनी जरूरतों को बताने लगे हैं। बस्तर अंचल के बीजापुर जिले के कई गांव बीते दो दशकों से नक्सलवादी गतिविधियों के कारण विकास की मुख्यधारा से न सिर्फ कट गए थे, बल्कि बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित थे। माओवाद प्रभावित इन गांवों में सुरक्षा कैम्पों की स्थापना और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों से शुरू हुई नियद नेल्लानार योजना से ग्रामीणों में एक नया विश्वास जगा है। सुरक्षा कैम्पों के आसपास के पांच गांवों को चिन्हित कर शासन की 32 कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के तहत आवास, अस्पताल, पेयजल, बिजली, सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाओं की तेजी से उपलब्धता सुनिश्चत करने के साथ ही हितग्राही मूलक कार्यक्रमों का लाभ भी दिया जा रहा है, ताकि लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सकें। बीजापुर जिला मुख्यालय से तकरीबन 45 किलोमीटर दूर बुरजी ग्राम पंचायत का गांव डुमरीपालनार भी बरसो-बरस माओवादी गतिविधियों से प्रभावित रहा है। नियद नेल्लानार योजना के कारण अब इस गांव में विकास की बयार बहने लगी है। डुमरीपालनार में सुरक्षा कैम्प की स्थापना और आवागमन के लिए बनी सड़क ने ग्रामीणों के दिलों को शासन-प्रशासन से जोड़ दिया है। ग्रामीणों ने अब माओवादियों की भय और आतंक की चादर को उतार फेंका है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विकास की बातें होने लगी है। बैलाडीला पहाड़ियों से निकलने वाले लाल दूषित पानी को पीने को मजबूर डुमरीपालनार के ग्रामीणों को अब स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है। प्रशासन ने इस गांव में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 5 हैण्डपंप भी लगवा दिए है। बीजापुर के गंगालूर, पुसनार, हिरोली सड़क मार्ग से होते हुए डुमरीपालनार पहुंचने पर यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि इस गांव की तस्वीर और ग्रामीणों की तकदीर में अच्छा खासा बदलाव आया है।

बैगा बाहुल्य 13 ग्राम पंचायतों में विशेष शिविरों का आयोजन 10 जून से 3 जुलाई तक

रायपुर प्रधानमंत्री जनमन योजना का लाभ दिलाने गौरेला विकासखण्ड के बैगा बाहुल्य 13 ग्राम पंचायतों में 10 जून से 3 जुलाई तक अलग-अलग तिथियों में सुबह 10 बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विशेष रूप से कमजोर एवं पिछड़ी जनजाति समूहों (पीवीटीजी) की समाजिक एवं आर्थिक स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार करने के लिए यह योजना शुरू की गई है। योजना के तहत सामुदायिक अधोसंरचनाओ में सुधार और सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में उन्नयन के साथ ही प्रत्येक बैगा परिवार को शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाना है। पीएम जनमन योजना के तहत शत-प्रतिशत बैगा परिवारों के आधार कार्ड, राशनकार्ड, मनरेगा जॉबकार्ड, प्रधानमंत्री आवास, विद्युत कनेक्शन, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, हर घर नल जल, वन अधिकार पत्र, वोटर आईडी, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा के छूटे हुए हितग्राहियों को संबंधित विभागों द्वारा शिविरों में लाभान्वित किया जाना है। पीएम जनमन योजना के तहत आयोजित शिविरों के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 जून को ग्राम पंचायत चुकतीपानी में, 12 जून को ग्राम पंचायत केंवची के बैगापारा में, 13 जून को ग्राम पंचायत आमाडोब में, 14 जून को ग्राम पंचायत देवरगांव के डोंगरीटोला में, 19 जून को ग्राम पंचायत धनौली में, 20 जून को ग्राम पंचायत पंडरीपानी के जोराडोंगरी में, 21 जून को ग्राम पंचायत पीपरखुटी में, 24 जून को ग्राम पंचायत ठाढ़पथरा के सिद्धबाबा में, 26 जून को ग्राम पंचायत पकरिया के चिकनियापारा में, 27 जून को ग्राम पंचायत साल्हेघोरी के उपरपारा में, 28 जून को ग्राम पंचायत डाहीबहरा के सरईपानी में, 1 जुलाई को ग्राम पंचायत अंधियारखोह के सेमरहा में और 3 जुलाई को ग्राम पंचायत गोरखपुर के तलवाटोला में शिविर आयोजित होगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.